@Qpatrika | @qaumipatrika hindi | instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शनिवार, 21 जून 2025

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 221 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

मुस्लिमों पर फिर मेहरबान हुई कर्नाटक की कांग्रेस सरकार

- एक और योजना में बढ़ाया कोटा तो भड़क उठी भाजपा

बेंगलुरु (एजेंसी)। कांग्रेस शासित कर्नाटक की सिद्धरमैया सरकार ने मुस्लिमों पर फिर मेहरबानी दिखाई है। कर्नाटक मंत्रिमंडल ने राज्य में विभिन्न आवासीय योजनाओं के तहत अल्पसंख्यकों के लिए आरक्षण 10 फीसदी से बढ़ाकर 15 फीसदी करने का पैसला किया है। मंत्रिमंडल की बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए राज्य के कानून एवं संसदीय कार्य मंत्री एच.के. पाटिल ने कहा, ''राज्य भर में शहरी और

ग्रामीण, दोनों क्षेत्रों में आवास विभाग द्वारा लागू की जा रही विभिन्न आवास योजनाओं के तहत अल्पसंख्यकों के लिए आरक्षण 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत करने का निर्णय लिया गया है।'' उन्होंने कहा कि राज्य में अल्पसंख्यकों में बेघरों की बड़ी संख्या को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है। कांग्रेस सरकार द्वारा यह फैसला सरकारी सिविल ठेकों में 4 फीसदी मुस्लिम आरक्षण संबंधी विधेयक पारित करने के कुछ सप्ताह बाद लिया गया है।

लालू के 'एमवाय' के जवाब में मोदी का 'डीएमपीए' दांव

पीएम ने सीएम नीतिश के साथ सेट कर दिया बिहार चुनाव 2025 का एजेंडा

पटना (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को सिवान की भूमि से राजद के एमवाय समीकरण के जवाब में डीएमपीए के फार्मूले को सार्वजनिक करके जीत का मंत्र दे डाला। भले मुद्दा पुराना हो लेकिन नए तेवर के साथ पीएम मोदी ने बिहार की जनता के सामने उस सच को रखा, जिसे आज के नवयुवक किस्से कहानियां समझते हैं। लालटेन और पंजा की सरकार ने बिहार को अपराध, जंगलराज और भ्रष्टाचार में डबो रखा था। लेकिन डबल इंजन की सरकार ने विकास का मतलब समझाया। अब तक माई समीकरण के बल पर सत्ता का दुख भोग रहे राष्ट्रीय जनता दल के सामने पीएम मोदी ने एक बड़े जातीय समीकरण को खड़ा कर जीत की बाजी चल दी। कहा कि ये लालटेन और पंजा वाली सरकार ने डीएमपीए यानि दलित ,महादलित / पिछड़ा,अतिपिछड़ा का कोई भला नहीं किया। ये लालटेन और पंजे वालों ने गरीबी हटाओ का सिर्फ नारा दिया, लेकिन इस सरकार का गरीबों से कोई लेना देना नहीं।

- **राजद के अम्बेडकर के अपमान को बनाया मुद्दा**- हाल ही में राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद अपने जन्मदिन पर इसलिए चर्चा में आए कि एक वीडियो में अम्बेडर की तस्वीर को उनके पैरों के पास दिखाया गया। पीएम मोदी ने इस मुद्दे को काफी जबरदस्त तरीके से उठाते कहा कि लालटेन और पंजे वाले के लिए अम्बेडकर की जगह पैरों के नीचे है। लेकिन पीएम मोदी तो बाबा साहेब अम्बेडकर को सीने में रखता है। इस मौके पर पीएम मोदी ने मुख्यमंत्री नीतिश कुमार के विकास कार्यों की चर्चा करते कहा कि बिहार का मढ़ौरा से पहला रेल इंजन अफ्रीका जा रहा है। बिहार का इंजन अफ्रीका की रेलगाड़ी को चलाएगा।

अगले सप्ताह चीन जा रहे हैं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

- गलवान झड़प के बाद पहला दौरा, कई मायनों में खास

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह अगले सप्ताह 25 से 27 जून तक चीन के किंगदाओ शहर में आयोजित होने वाली शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) रक्षा मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए चीन की यात्रा करेंगे। यह यात्रा 2020 के गलवान संघर्ष के बाद किसी भारतीय रक्षा मंत्री की चीन की पहली आधिकारिक यात्रा होगी। एससीओ की इस

बैठक में भारत, चीन, रूस, पाकिस्तान, ईरान, बेलारूस, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान सहित 10 देशों के रक्षा मंत्री हिस्सा लेंगे। इस दौरान क्षेत्रीय सुरक्षा सहयोग, आतंकवाद विरोधी उपायों और कनेक्टिविटी बढ़ाने जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी। राजनाथ सिंह इस बैठक के दौरान अपने चीनी समकक्ष एडमिरल डोंग जुन से बात कर सकते हैं।

भारत-चीन संबंधों में सुधार के संकेत

यह यात्रा भारत और चीन के बीच संबंधों को सामान्य करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। अक्टूबर 2024 में रूस के कजान में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात के बाद दोनों देशों ने कई विश्वास-बहाली के उपाय शुरू किए हैं। इनमें कैलाश मानसरोवर यात्रा की बहाली, नदियों के जल डेटा साझा करना, सीधी हवाई उड़ानों की बहाली और वीजा प्रक्रिया को आसान करना शामिल है। भारत ने चीन की एससीओ अध्यक्षता को भी समर्थन दिया है।

इजराइल में माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस के पास गिरी ईरानी मिसाइल

6 लोग घायल,कई गाड़ियों में लगी आग,इजराइल का पलटवार

तेहरान/तेल अवीव (एजेंसी)। ईरान ने इजराइल के बीर्शेबा शहर पर शुक्रवार सुबह बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया। टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के मुताबिक मिसाइल माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस के नजदीक गिरी। इससे कई कारों में आग लग गई। आस-पास के घरों को भी नुकसान पहुंचा। इसमें 6 लोग घायल हो गए हैं। यह लगातार दूसरा दिन है, जब बीर्शेबा शहर पर मिसाइल हमला हुआ है। इससे पहले गुरुवार को भी ईरान ने बीर्शेबा के एक अस्पताल पर मिसाइल दागी थी,

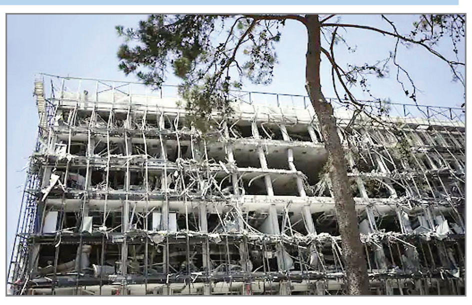

जिसमें 50 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे। न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका का मानना है कि ईरान अब परमाणु हथियार बनाने की पूरी क्षमता रखता है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने गुरुवार को कहा कि अगर ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई आदेश दे दें, तो ईरान कुछ ही हफ्तों में परमाणु बम बना सकता है। लेविट ने कहा कि ईरान के पास परमाणु हथियार बनाने के लिए जरूरी हर चीज मौजूद है। अब बस उन्हें अपने नेता के हां कहने भर की देर है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर ईरान ऐसा करता है, तो इससे दुनिया की सुरक्षा को खतरा होगा।

जंग के कारण 8,000 से ज्यादा इजराइली बेघर हुए

इजराइल और ईरान के बीच 8 दिनों से जारी जंग के कारण अब तक 8,000 से ज्यादा इजराइली बेघर हो गए हैं। येदिओथ अहरोनोथ अखबार ने इजराइली संपत्ति कर मुआवजा कोष का हवाला देते हुए बताया कि ईरानी हमले से इमारतों या वाहनों को हुए नुकसान के कारण मुआवजे के लिए करीब 30,000 एप्लिकेशन आए हैं।

सीएम योगी ने कार से देखा गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे

- आजमगढ़ में बोले-बेटियों की सुरक्षा पर सेंध लगाई तो यमराज का टिकट पक्का

आजमगढ़/गोरखपुर (एजेंसी)। सीएम योगी ने शुक्रवार को आजमगढ़ से गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे का उद्घाटन किया। एक्सप्रेस-वे के बीच खड़े होकर फोटो खिंचवाई। आजमगढ़ के सलारपुर में जनसभा को संबोधित किया। फिर 91.35 किमी लंबे एक्सप्रेस-वे का कार से निरीक्षण करते हुए गोरखपुर पहुंचे। सीएम ने कहा- जो बेटियों और व्यापारियों की

सुरक्षा में सेंध लगाएगा, उसके लिए यमराज का टिकट रिजर्व करवा देंगे। सीएम ने कहा- अयोध्या के बाद अब मथुरा-वृंदावन की बारी है। हमारा काम वहां भी शुरू हो चुका है। हम विरासत का संरक्षण भी करेंगे और विकास भी। 2017 के पहले भर्ती आने पर चाचा और भतीजा वसूली करने के लिए निकल जाते थे। यानि वहां पर भी भेद होता था।

हवाई अड्डों के पास से हटाए जाएंगे सभी अवरोध

सीमा से अधिक ऊंचाई वाले पेड़ और भवनों की आएगी शामत

नई दिल्ली (एजेंसी)। अहमदाबाद में एअर इंडिया का विमान दुर्घटनाग्रस्त होने के एक सप्ताह बाद नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने विमान सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करने वाली संरचनाओं पर नियंत्रण को और कड़ा करने के लिए नए मसौदा नियम जारी किया है। यह मसौदा 18 जून को जारी किया गया था और आधिकारिक राजपत्र में प्रकाशित होने के बाद यह लागू हो जाएगा।

नया नियम लागू होने के बाद हवाई अड्डों के पास से ऊंचे भवन और पेड़ जैसे अवरोध हटाए जाएंगे या उनकी ऊंचाई कम कर दी जाएगी। इन नियमों का उद्देश्य अधिकारियों को हवाई अड्डा क्षेत्रों में सीमा से अधिक ऊंचाई वाले पेड़ों और भवनों के

खिलाफ त्वरित कार्रवाई करने की शक्ति देना है। इसे उड़ान पथ में अवरोध के कारण होने वाली संभावित दुर्घटना को रोकने के लिए एक कदम के रूप में देखा जा रहा है। मसौदे के तहत निर्धारित ऊंचाई सीमा का उल्लंघन करने वाली किसी भी संरचना को हवाई अड्डे के प्रभारी अधिकारी द्वारा नोटिस दिया जा सकता है।

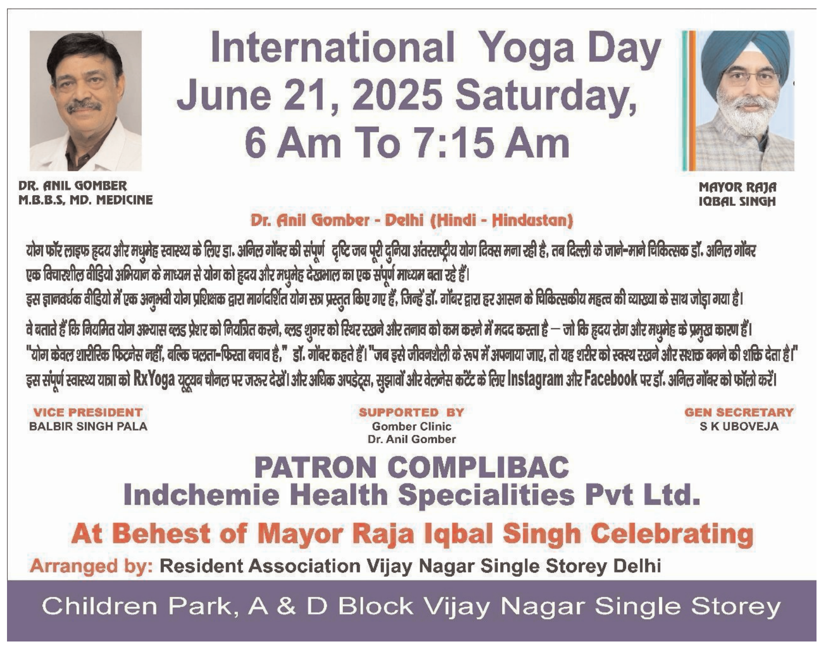

पक्षी के टकराने से रद्द हुई एयर इंडिया की फ्लाइट, पुणे में सुरक्षित लैंडिंग

* शुक्रवार को कुल 9 फ्लाइट्स हुईं कैंसिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। एयर इंडिया के विमान को फिर परेशानी का सामना करना पड़ा है। दिल्ली से पुणे के लिए रवाना हुआ विमान एक पक्षी से टकरा गया। इसके बाद एयरलाइन को इसकी वापसी की यात्रा रद्द करनी पड़ी। एयरलाइंस ने कहा कि विमान पुणे में सुरक्षित लैंड हुआ। इसके बाद ही पक्षी के टकराने की बात पता चली। एयरलाइंस ने बताया कि 20 जून को पुणे से दिल्ली के लिए उड़ी फ्लाइट्स को पक्षी के टकराने के कारण रद्द किया गया है। आने वाली उड़ान के पुणे में सुरक्षित उतरने के बाद पक्षी के टकराने का पता चला। कंपनी ने कहा कि वे यात्रियों को ठहराने की सुविधा प्रदान करने सहित समस्त इंतजाम कर रही है। एयर इंडिया ने कहाकि रद्दीकरण या पुनर्निर्धारण पर यात्रियों को राशि वापस करने की पेशकश भी की जा रही है, वहीं यात्रियों को दिल्ली ले जाने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की जा रही है। बता दें कि इसके पहले एयर इंडिया बताया कि 21 जून से 15 जुलाई के बीच 16 अंतरराष्ट्रीय मार्गों पर उड़ानें कम होगी। इसके अलावा इस दौरान तीन विदेशी गंतव्यों पर उड़ानें निलंबित रहेंगी। इन फ्लाइट्स में विभिन्न देशों की उड़ानों के साथ-साथ कुछ डोमेस्टिक फ्लाइट्स भी प्रभावित हुई हैं। इससे यात्रियों की परेशानी भी बढ़ी है। टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयरलाइन ने कहाकि इसका उद्देश्य कार्यक्रम स्थिरता बहाल करना और यात्रियों को अंतिम समय में होने वाली असुविधा को कम करना है।

पाक ने किया ट्रंप के दावों को खारिज बोला- भारत को हमला नहीं करने के लिए सऊदी प्रिंस ने मनाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बार-बार दावा कर रहे हैं कि उन्होने भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर करवाया। हालांकि भारत ने हर बार उनके दावों को सिरे से खारिज कर दिया। ट्रंप के दावों के उलट पाकिस्तान के उपप्रधानमंत्री इसहाक डार ने बताया कि हमले के तुरंत बाद सऊदी प्रिंस फैसल बिन सलमान ने उनसे संपर्क किया और इच्छा जताई कि वे भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर से बात कर भारत-पाक तनाव को कम करने में मदद करें। डार ने कहा, सऊदी प्रिंस फैसल बिन सलमान ने फोन करके पूछा कि क्या वह जयशंकर को बता सकते हैं कि पाकिस्तान रुकने के लिए तैयार है।

पाकिस्तान के उपप्रधानमंत्री इसहाक डार ने पहली बार सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया है कि भारत ने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर के तहत रावलपिंडी स्थित नूर खान एयरबेस और शोरकोट एयरबेस पर एयरस्ट्राइक की थी। यह हमला 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में था जिसमें 26 आम नागरिक मारे गए थे। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ ने भी हाल ही में स्वीकार किया कि भारत ने ब्रह्मोस मिसाइलों से पाकिस्तान के कई क्षेत्रों पर हमला किया, जिनमें रावलपिंडी का एयरपोर्ट भी शामिल है। उन्होंने कहा, भारत ने फिर से मिसाइल हमले किए और हमारे विभिन्न प्रांतों, खासकर रावलपिंडी एयरपोर्ट को निशाना बनाया। उन्होंने यह भी कबूल किया कि 10 मई को तड़के 4-30 बजे पाकिस्तान की जवाबी कार्रवाई की योजना थी, लेकिन 9-10 मई की रात भारत के दूसरे दौर के हमले ने उस योजना को विफल कर दिया।

भारत सरकार ने अपने ऑपरेशन को सटीक, मापी गई और गैर-उत्तेजक कार्रवाई करार दिया था। भारत का दावा था कि उसने केवल आतंकी ढांचों और उन ठिकानों को निशाना बनाया, जो सीमा पार से हो रहे हमलों की योजना और समर्थन में शामिल थे। ऑपरेशन सिंदूर की शुरुआत 7 मई को हुई, जिसमें भारत ने ड्रोन और मिसाइल हमलों के जरिए पाकिस्तान व पाकिस्तान-अधिकृत कश्मीर (पीओके) में स्थित आतंकी ठिकानों और सैन्य बेसों को निशाना बनाया। पाकिस्तान ने 8, 9 और 10 मई को भारत के सैन्य ठिकानों पर हमलों की कोशिश की, लेकिन भारत ने और भी प्रभावी जवाबी कार्रवाई की। लगातार चार दिनों तक चले इस टकराव के बाद 10 मई को दोनों देशों के बीच युद्धविराम पर एक अनौपचारिक समझौता हुआ।

राहुल गांधी ने शाह के बयान पर किया पलटवार और कहा-

भाजपा-आरएसएस तो चाहते ही नहीं कि भारत के गरीब का बच्चा अंग्रेजी सीखे

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के अंग्रेजी भाषा के खिलाफ दिए गए बयान पर पलटवार करते हुए सोशल मीडिया पर एक तीखी पोस्ट की है। राहुल ने कहा है, कि बीजेपी और आरएएस के लोग नहीं चाहते कि भारत का गरीब बच्चा अंग्रेजी सीखे, क्योंकि वो नहीं चाहते कि वो आगे बढ़ें और बराबरी करें।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कहा, है, कि 'अंग्रेजी बांध नहीं, पुल है और अंग्रेजी शर्म नहीं बल्कि शक्ति है। अंग्रेजी ज़ंजीर नहीं, ज़ंजीरें तोड़ने का औज़ार है। बीजेपी-आरएसएस नहीं चाहते कि भारत का गरीब बच्चा भी अंग्रेजी सीखे क्योंकि वो नहीं चाहते कि आप सवाल पूछें और आगे बढ़ें, बराबरी करें। इसके साथ ही उन्होंने अपनी पोस्ट में आगे कहा, आज की दुनिया में अंग्रेजी उतनी ही जरूरी है जितनी कि आपकी मातृभाषा, क्योंकि यही रोजगार दिलाएगी और आत्मविश्वास बढ़ाएगी। भारत की हर भाषा में आत्मा है, संस्कृति है और ज्ञान है। हमें उन्हें संजोना है और साथ ही हर बच्चे को अंग्रेजी सिखानी है। यही रास्ता है एक ऐसे भारत का, जो दुनिया से मुकाबला करे, जो हर बच्चे को बराबरी का अवसर दे।

क्या कहा था शाह ने

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अपने एक बयान में कहा था, कि इस देश में जो लोग अंग्रेजी बोलते हैं, उन्हें जल्द ही शर्म महसूस होगी, ऐसे समाज का निर्माण अब दूर नहीं है। उन्होंने इस आशय का बयान गुरुवार को नई दिल्ली में पूर्व आएएस आशुतोष अग्निहोत्री की पुस्तक मैं बूंद स्वयं, खुद सागर हूं के विमोचन कार्यक्रम में दिया था।

राष्ट्रपति मुर्मू ने छात्रों संग मनाया जन्मदिन, दिव्यांगजनों को समर्पित किया खास दिन

-राष्ट्रपति ने कहा- दिव्यांगजनों को दया की नहीं, सहयोग की आवश्यकता

देहरादून (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को अपना जन्मदिन उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में राष्ट्रीय दृष्टि विकलांग व्यक्ति सशक्तिकरण संस्थान (एनआईईपीवीडी) के छात्रों संग मिलकर मनाया। यहां बताते चलें कि राष्ट्रपति मुर्मू तीन दिवसीय उत्तराखंड दौरे पर हैं और आज जन्मदिन का छात्रों के बीच रहना प्रमुख आकर्षण का केंद्र रहा है।

इससे पहले जौलीग्रांट एयरपोर्ट पर पहुंचीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और राज्यपाल गुरमीत सिंह ने भव्य स्वागत किया। जहां से वह सड़क मार्ग से देहरादून पहुंचीं। पूरे दौरे के दौरान पुलिस और प्रशासनिक अमला पूरी तरह अलर्ट मोड पर रहा। राष्ट्रपति मुर्मू ने एनआईईपीवीडी परिसर में आयोजित विशेष कार्यक्रम में छात्रों से संवाद किया और उन्हें बेहतर जीवन जीने के टिप्स दे उनका हौसला भी बढ़ाया। अपने संबोधन में राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा, कि यह पहला अवसर नहीं है जब मैं अपना जन्मदिन दिव्यांगजनों के साथ मना रही हूं। 2023 में भी मैंने इसी संस्थान में यह खास दिन उनके साथ बिताया था। उन्होंने आगे कहा कि दिव्यांगजनों को दया की नहीं, सहयोग की आवश्यकता है। उन्होंने समाज से अपील की कि सभी नागरिक दिव्यांगजनों के प्रति संवेदनशील बनें और उनके सशक्तिकरण में सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने मौजूद छात्रों की प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि इनमें वह क्षमता है जो देश के विकास में अहम योगदान दे सकती है। इस विशेष अवसर पर केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री वीरेंद्र कुमार, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और राज्यपाल गुरमीत सिंह भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में राष्ट्रपति ने बच्चों के सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आनंद लिया और उनके साथ समय भी बिताया।

राष्ट्रपति के उत्तराखंड दौरे को लेकर प्रशासनिक तैयारियां चाक-चौबंद हैं। उनके तीन दिवसीय प्रवास (19 से 21 जून) के दौरान राजधानी देहरादून सहित अन्य क्षेत्रों में कई कार्यक्रम प्रस्तावित हैं। ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर भी पुलिस ने विशेष डायवर्जन प्लान लागू किया है ताकि

आम जनता को किसी प्रकार की असुविधा न हो। सूत्रों के अनुसार, राष्ट्रपति मुर्मू अपने दौरे के दौरान उत्तराखंडवासियों के लिए कुछ बड़ी सौगातों की घोषणा भी कर सकती हैं। इससे राज्य को सामाजिक और संरचनात्मक विकास की दिशा में नई ऊर्जा मिलने की उम्मीद है।

संक्षिप्त समाचार

पूर्व राष्ट्रपति का शव नहीं लाया गया जाम्बिया

लुसाका , एजेंसी। पूर्व राष्ट्रपति एडगर लुंगू का शव अब तक जाम्बिया नहीं लाया गया है, क्योंकि उनके परिवार और मौजूदा राष्ट्रपति हाकेंडे हिचिलेमा के बीच अंतिम संस्कार को लेकर विवाद चल रहा है। लुंगू का 5 जून को दक्षिण अफ्रीका के एक अस्पताल में निधन हो गया था। उनकी उम्र 68 साल थी और वे एक अनजान बीमारी से पीड़ित थे। उनका राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार होना था, जिसमें राष्ट्रपति हिचिलेमा को शामिल होना था। लुंगू परिवार के वकील मकेबी जुलु ने कहा कि लुंगू की इच्छा थी कि जब उन्हें दफनाया जाए तो हिचिलेमा उनके शव के पास कहीं भी न हों। जुलु ने कहा कि हमें उम्मीद है कि किसी दिन उनके अवशेष वापस घर लाए जाएंगे और दफनाए जाएंगे।

इंडोनेशिया में ज्वालामुखी विस्फोट, 10 हजार मीटर उठी राख

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया के माउंट लेवोटोबी लाकी लाकी से बुधवार को फिर से बड़ी मात्रा में राख और धुएं का गुबार फूटा। इसकी वजह से गांवों को खाली करना पड़ा और बाली के रिसॉर्ट द्वीप से आने-जाने वाली उड़ानें तक रद्द करनी पड़ीं। मंगलवार शाम से बुधवार दोपहर तक हुए कई विस्फोटों की वजह से 10,000 मीटर तक आसमान में राख का गुबार छा गया। हालांकि, किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। ज्वालामुखी की राख के विमान के इंजन के खतरे के चलते बाली के आई गुस्ती नगुराह राय अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की वेबसाइट के मुताबिक, बुधवार को बाली को ऑस्ट्रेलिया, मलयेशिया, भारत और चीन से जोड़ने वाली कई उड़ानें रद्द कर दी गई हैं।

रूसी हमले से कीव में मरने वालों का आंकड़ा 28 हुआ

कीव, एजेंसी। बुधवार को रूसी मिसाइल के हमले में यूक्रेन की राजधानी कीव में एक नौ मंजिला इमारत धराशायी हो गई। इस हमले के बाद मलबे से शवों का मिलना जारी है, जिसके बाद मृतकों का आंकड़ा 28 हो गया। यह कीव में इस साल हुआ रूस का सबसे बड़ा हमला है। हमले के चलते आसपास की इमारतों के भी खिड़कियां और कांच टूट गए।

ट्रंप ने संघीय जज पद पर की चाड मेरेडिथ नामांकित

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संघीय जज के पद पर चाड मेरेडिथ को नामांकित किया है। चाड मेरेडिथ केंटकी राज्य के पूर्व सॉलिसिटर जनरल रहे हैं। गौरतलब है कि पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन ने भी चाड मेरेडिथ को संघीय जज बनाने को नामांकित किया था। हालांकि सीनेटर रैंड पॉल ने नामांकन का विरोध किया था। अब एक बार फिर चाड मेरेडिथ को रैंड पॉल के विरोध का सामना करना पड़ सकता है।

केन्या के धर्म गुरु गिल्बर्ट डेया की कार दुर्घटना में मौत

नैरोबी, एजेंसी। केन्या में महिलाओं का बांझपन ठीक करने और चमत्कारी शिशुओं का दावा करने वाले धर्म गुरु गिल्बर्ट डेया की मंगलवार को कार दुर्घटना में मौत हो गई। सियाया काउंटी के गवर्नर जेम्स ओरेंगो ने एक्स पर पोस्ट कर बताया कि गिल्बर्ट डेया की मौत एक भयानक सड़क हादसे में हुई, जिसमें कई गाड़ियां शामिल थीं। स्थानीय मीडिया के अनुसार, इस दुर्घटना में कई लोग घायल हो गए। सोशल मीडिया पर साझा की गई तस्वीरों में पश्चिमी केन्या की एक सड़क पर बुरी तरह टूटी हुई गाड़ियां दिखाई गई हैं। जानकारी के अनुसार, गिल्बर्ट डेया पहले पत्थर बेचने का काम करते थे, लेकिन बाद में खुद को बिशप कहने लगे। 1990 के दशक में उन्होंने यह दावा कर के प्रसिद्धि पाई कि वे प्रार्थना से उन महिलाओं को बच्चा पैदा करने में मदद कर सकते हैं, जो गर्भवती नहीं हो पा रही थीं।

मेंढकों के भ्रूण की तस्करी में फंसी हार्वर्ड की शोधकर्ता, दोषी पाए जाने पर हो सकती है 20 साल की जेल

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के हार्वर्ड विश्वविद्यालय की शोधकर्ता पर अमेरिका में मेंढ़कों के भ्रूण की तस्करी का आरोप लगा है। इस मामले में बुधवार को अदालत में सुनवाई हुई। अगर शोधकर्ता को इस मामले में दोषी पाया जाता है तो उन्हें 20 साल की जेल और ढाई लाख डॉलर का जुर्माना देना पड़ सकता है। आरोपी शोधकर्ता रूसी मूल की केनेनिया पेत्रोवा बुधवार को मैसाच्युसेट्स संघीय अदालत में पेश हुईं, जहां सरकार और बचाव पक्ष के वकीलों में इस बात पर बहस हुई। केसेनिया पेत्रोवा हार्वर्ड मेडिकल स्कूल में कैंसर पर अनुसंधान करती हैं। फरवरी में जब वे फ्रांस में छुट्टियां मनाकर अमेरिका लौट रहीं थीं, तब बोस्टर लोगान अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उन्हें सीमा शुल्क विभाग द्वारा रोक लिया गया था। आरोप है कि पेत्रोवा मेंढ़क भ्रूण के अति सूक्ष्म खंडों को जोड़ने में विशेषज्ञता रखने वाली एक प्रयोगशाला में रुकी थीं और उन्होंने रिसर्च के लिए वहां से एक पैकेज प्राप्त किया था। संघीय अधिकारियों ने उन पर देश में बिना जानकारी दिए जैविक पदार्थ लाने का आरोप लगाया। अप्रैल में एक साक्षात्कार में आरोपी शोधकर्ता पेत्रोवा ने बताया था कि उन्हें नहीं पता था कि वस्तुओं को घोषित करने की जरूरत है और वह देश में कुछ भी चोरी-छिपे लाने की कोशिश नहीं कर रहीं थी। पेत्रोवा पर मई में तस्करी का मामला दर्ज किया गया। बुधवार की सुनवाई के बाद, अब दोनों पक्षों को न्यायाधीश के समक्ष अपनी दलीलें पेश करने का अवसर मिलेगा।

इजराइल का ईरान के एटमी रिएक्टर पर हमला : कुछ घंटे पहले शहर खाली करने की चेतावनी दी थी, अब तक 639 ईरानियों की मौत

तेहरान/तेल अवीव, एजेंसी। इजराइल ने ईरान में अराक हेवी वॉटर रिएक्टर पर हमला कर दिया है। हमले के बाद हुए नुकसान की जानकारी नहीं मिली है। कुछ घंटे पहले ही इजराइली सेना ने अराक और खोंडब शहर के लोगों को इलाका खाली करने की चेतावनी दी थी। अराक में हैवी वाटर रिएक्टर है। यह फैसिलिटी ईरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम का एक अहम हिस्सा है। इसके साथ ही अराक में बड़े पैमाने पर हथियारों का उत्पादन होता है।

इजराइल ने खोंडब में भी हमले की चेतावनी दे रखी है। खोंडब में भी ढ्ढक्र40 हैवी वाटर रिएक्टर है, जो ईरान के परमाणु कार्यक्रम का एक और अहम हिस्सा है। यह फैसिलिटी अराक से करीब 40 किलोमीटर दूर है। अराक की तरह इसे भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निगरानी में रखा जाता है। ईरान और इजराइल के बीच जंग सातवें दिन में पहुंच गई है। अब तक इजराइल के 24 लोग मारे गए हैं। वहीं, वॉशिंगटन स्थित एक ह्यूमन राइट्स ग्रुप ने दावा किया है कि ईरान में मौत का आंकड़ा अब 639 हो चुका है और 1329 लोग घायल हुए हैं।

अस्पताल पर ईरान का हमला युद्ध अपराध, आंतकी घटना : इस्राइल के स्वास्थ्य मंत्री उरिएल बुसो ने कहा है कि सोरोका अस्पताल पर ईरान का मिसाइल अटैक आतंकी घटना और युद्ध अपराध है। इस्राइल का आरोप है कि ईरान ने जानबूझकर अस्पताल को निशाना बनाया।

इस्राइली अस्पताल पर मिसाइल हमला : इस्राइल के बीरशेबा इलाके में सोरोका अस्पताल पर ईरान ने मिसाइल हमला किया है। इस हमले में नुकसान की जानकारी अभी नहीं मिल पाई है। मध्य और दक्षिण इस्राइल में भी ईरानी मिसाइलों से काफी नुकसान हुआ है।

तेहरान में इस्राइली वायुसेना के हमले : इस्राइली सेना ने कहा है कि उनकी वायुसेना ईरान की राजधानी तेहरान में हवाई हमले कर रही है। ईरानी मीडिया ने कहा है कि सेंट्रल तेहरान में एयर डिफेंस सिस्टम को एक्टिविट कर दिया गया है।

इस्राइल ने ईरानियों को अराक रिएक्टर का इलाका खाली करने को कहा, तेहरान में किए हवाई हमले : इस्राइली सेना ने ईरान के लोगों को अराक और खोनदाब शहरों को खाली करने का निर्देश दिया है। दरअसल अराक और खोनदाब शहरों में ईरान के हैवी वाटर परमाणु रिएक्टर हैं। ये हैवी वाटर परमाणु रिएक्टर्स को ठंडा करने में मदद करते हैं।

इस्राइली सेना ने घर को निशाना बनाया, फलस्तीनी बड़ी संख्या में हताहत : मध्य गाजा में इस्राइल के हमले में 100 से अधिक लोगों के घायल होने की खबर है। अल-अक्सा शहीद अस्पताल और अल-अवदा अस्पताल से मिली जानकारी के मुताबिक 100 से अधिक फलस्तीनी लोग घायल हुए हैं। गाजा शहर के ज़ेइतून इलाके में इस्राइली सेना ने एक घर पर बमबारी की, जिससे बड़ी संख्या में फलस्तीनी हताहत हुए।

ईरान के साथ गाजा में भी हिंसक संघर्ष का दौर जारी : पश्चिम एशिया में ईरान के साथ जारी टकराव के साथ-साथ इस्राइल और हमास का हिंसक संघर्ष भी जारी है। फलस्तीनी युवाओं के कुद्स न्यूज नेटवर्क और फलस्तीनी सूचना केंद्र की रिपोर्ट के मुताबिक मध्य गाजा के नुसेरात में गाजा ब्रिज के पास इस्राइली सेना ने हमले किए। इस हमले में 16 फलस्तीनी मारे गए, जबकि दर्जनों घायल हुए हैं।

ईरान के खिलाफ युद्ध का समर्थन कर रहे 80 प्रतिशत से अधिक यहूदी इस्राइली : एक रिपोर्ट के मुताबिक लगभग 83 फीसदी यहूदी इस्राइली लोगों ने पश्चिम एशिया के एक अन्य देश ईरान के खिलाफ युद्ध का समर्थन कर रहे हैं। यहां तक कि एविगडोर लीबरमैन जैसे दक्षिणपंथी कट्टरपंथी नेता भी अब कह रहे हैं कि नेतन्याहू सही काम कर रहे हैं। लीबरमैन ने 2018 में सरकार की नीतियों से असंतुष्ट होकर अपना कैबिनेट पद छोड़ दिया था। गाजा में युद्ध के कारण पिछले साल नेतन्याहू के मंत्रिमंडल से इस्तीफा देने वाले बेनी गैंट्ज ने भी कहा है कि ईरान के मामले में केवल सही या गलत का फैसला होना है, और इस्राइल सही है। बता दें कि पीएम नेतन्याहू ने बीते शुक्रवार यानी 13 जून को इस्राइली सेना को ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमले का आदेश दिया।

तेहरान का आंतरिक सुरक्षा मुख्यालय नष्ट कर दिया गया : इस्राइल का दावा : इस बीच, इस्राइल के रक्षा मंत्री ने दावा किया है कि ताजा मिसाइल हमलों में तेहरान स्थित ईरान के आंतरिक सुरक्षा मुख्यालय और रेड क्रिसेंट को नष्ट कर दिया गया है। इस्राइल-ईरान तनाव पर भारत और इस्राइल के रक्षा अधिकारियों के बीच बातचीत इस्राइल और ईरान के बीच जारी तनाव के बीच बुधवार को भारत के रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह को इस्राइली रक्षा मंत्रालय के महानिदेशक मेजर जनरल (रिटा.) आमिर बारम का फोन आया। इस बातचीत में मौजूदा हालात को लेकर जानकारी साझा की गई। भारतीय रक्षा मंत्रालय ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर बताया कि रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह को आज इस्राइली रक्षा मंत्रालय के महानिदेशक मेजर जनरल (रि.) आमिर बारम का फोन आया। उन्होंने वर्तमान स्थिति की जानकारी दी। भारत लौटीं छात्र बोली- मिसाइलें सिर के ऊपर से गुजरती थीं ईरान में बिगड़ते हालात के बीच वहां फंसे 110 भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकालकर भारत लाया गया। सभी को लेकर एक विशेष फ्लाइट दिल्ली एयरपोर्ट पर उतरी। इन लोगों में शामिल यासिर गफ्फार नाम के छात्र ने बताया कि हमने रात में मिसाइलों को ऊपर से जाते देखा और ज़ोरदार धमाकों की आवाजें सुनीं। डर का माहौल था, लेकिन अब भारत पहुंचकर राहत मिली है। यासिर ने कहा कि उन्होंने अपने सपनों को अभी नहीं छोड़ा है तनाव के चलते भारत अपने नागरिकों को वहां से सुरक्षित निकालने में जुटा है। परमाणु कार्यक्रम को लेकर इस्राइल और ईरान में बढ़ते तनाव के बीच जर्मनी, फ्रांस और ब्रिटेन के विदेश मंत्री शुक्रवार को जिनेवा में ईरान के विदेश मंत्री के साथ अहम परमाणु बातचीत करेंगे। जर्मन राजनयिक सूत्रों की माने तो बैठक से पहले यूरोपीय देशों के मंत्री यूरोपीय संघ की प्रमुख राजनयिक काजा कैलास से जर्मनी के स्थायी मिशन में मुलाकात करेंगे।

पूर्व राष्ट्रपति क्रिस्टिना फर्नांडिज की नजरबंदी शुरू हुई, हजारों लोग समर्थन में सड़क पर उतरे

ब्यूनस आर्यस , एजेंसी। अर्जेंटीना की पूर्व राष्ट्रपति क्रिस्टिना फर्नांडिज की भ्रष्टाचार के आरोप में दोषी पाए जाने के बाद छह साल घर में ही नजरबंद रहने की सजा शुरू हो गई है। साथ ही पूर्व राष्ट्रपति को राजनीति से भी पूरी तरह से प्रतिबंधित कर दिया गया है। क्रिस्टिना के समर्थन में हजारों लोग सड़कों पर उतरे और पूर्व राष्ट्रपति के समर्थन में रैली निकाली। क्रिस्टिना फर्नांडिज साल 2004-2007 तक अर्जेंटीना की प्रथम महिला के पद पर रहीं। इसके बाद 2007 से 2015 तक दो बार अर्जेंटीना के राष्ट्रपति पद पर रहीं। साल 2019 से 2023 तक क्रिस्टिना अर्जेंटीना की उपराष्ट्रपति रहीं। दो दशकों तक अर्जेंटीना की राजनीति पर रहा क्रिस्टिना का दबदबा इस तरह क्रिस्टिना का करीब दो दशकों तक अर्जेंटीना की राजनीति में दबदबा रहा है। आज भी क्रिस्टिना फर्नांडिज को राष्ट्रपति जेवियर मिलेई के विरोध का प्रमुख चेहरा माना जाता है। विभिन्न पोल्स से पता चला है कि अभी भी फर्नांडिज और उनकी पार्टी को अर्जेंटीना के 30 प्रतिशत लोगों का समर्थन हासिल है। नजरबंदी के खिलाफ बड़ी संख्या में लोगों का समर्थन मिलना भी इस बात का सबूत है। 72 वर्षीय फर्नांडीज ने अपने समर्थकों को रिकॉर्ड किए गए भाषण में कहा, हम वापस आएंगे, और, इससे भी बढ़कर, हम अधिक बुद्धिमत्ता, अधिक एकता और अधिक ताकत के साथ वापस आएंगे। 2022 में जिस मामले में क्रिस्टिना को पहली बार दोषी ठहराया गया था, उसमें पाया गया कि उन्होंने एक मित्र व्यवसायी को सार्वजनिक निर्माण अनुबंध देने में धोखाधड़ी की थी। हालांकि क्रिस्टिना ने आरोपों का खंडन किया है और अपने विरोधियों पर न्याय प्रणाली को उनके खिलाफ हथियार के रूप में इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। अदालत के फैसले से पहले इस महीने क्रिस्टिना ब्यूनस आर्यस के प्रांतीय विधायिका का चुनाव लड़ने की योजना बना रहीं थीं। क्रिस्टिना के समर्थन में भारी भीड़ का जुटना अर्जेंटीना में तेज होते विभाजन का सबूत है। फर्नांडिज के कार्यकाल में कल्याण और सार्वजनिक रोजगार में खासी वृद्धि हुई, जिससे अर्जेंटीना में महंगाई में उछाल आया और देश भारी घाटे में चला गया।

कांगो के न्याय मंत्री कॉन्स्टेंट मुताम्बा ने पद से इस्तीफा दिया

किंशासा , एजेंसी। कांगो के न्याय मंत्री कॉन्स्टेंट मुताम्बा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन पर करीब 19 मिलियन अमेरिकी डॉलर के गबन का आरोप है। ये पैसा किसनगानी नाम के शहर में एक जेल बनाने के लिए दिया गया था। मुताम्बा का कहना है कि उनके खिलाफ जो कानूनी कार्रवाई हो रही है, वह रवांडा सरकार की एक साजिश है। उन्होंने कहा कि उन्हें जहर देने और मारने की कोशिशें भी की गईं, लेकिन वह बच निकले। मुताम्बा ने यह भी आरोप लगाया कि कुछ लोग, जो कांगो के दुश्मनों के लिए काम कर रहे हैं, उन्हें बदनाम करना चाहते हैं।

कांगो और रवांडा ने प्रारंभिक शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए : कांगो और रवांडा के प्रतिनिधियों ने अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन में एक शांति समझौते के मसौदे पर हस्ताक्षर किए हैं। यह जानकारी दोनों देशों और अमेरिका के विदेश विभाग की तरफ से बुधवार को एक साथ जारी बयान में दी गई। कांगो ने आरोप लगाया है कि रवांडा देश के पूर्वी हिस्से में सक्रिय एम23 विद्रोही गुट की मदद कर रहा है। संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञों के अनुसार, इस विद्रोही गुट को रवांडा की तरफ से करीब 4,000 सैनिकों का समर्थन मिल रहा है। अमेरिका के विदेश विभाग की वेबसाइट पर पोस्ट किए गए बयान में कहा गया है।

इस्राइल से जंग के बीच ईरान में बदलाव की पुकार : पूर्व शाह के बेटे की जनता से अपील- उखाड़ फेंके खामनेई शासन

तेहरान, एजेंसी। ईरान और इस्राइल के बीच बढ़ते सैन्य तनाव के बीच एक पुरानी और जानी-पहचानी आवाज फिर से गूंजी है। ईरान के पूर्व शाह मोहम्मद रजा पहलवी के बेटे और निर्वासित राजकुमार रजा पहलवी ने अपने देशवासियों से मौजूदा इस्लामी शासन को समाप्त करने और लोकतांत्रिक बदलाव लाने की अपील की है। मंगलवार देर रात देश को संबोधित करते हुए रजा पहलवी ने कहा कि इस्लामी गणराज्य का अंत आ गया है और यह व्यवस्था अब टूट रही है। अयातुल्ला खामनेई एक डरे हुए चूहे की तरह बंकर में छिपा हुआ है और नियंत्रण खो चुका है।

राष्ट्रव्यापी विद्रोह के आह्वान पर जोर : इतना ही नहीं पहलवी ने ईरानी जनता से राष्ट्रव्यापी विद्रोह का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि ईरान को फिर से आजाद और लोकतांत्रिक रास्ते पर ले जाया जाए। उन्होंने आश्वासन दिया कि हमें इस्लामी गणराज्य के पतन के बाद पहले 100 दिनों की योजना तैयार है। हम संक्रमणकालीन सरकार के लिए तैयार हैं और जनता द्वारा चुनी गई लोकतांत्रिक सरकार की स्थापना करेंगे।

पहलवी ने ईरानी सुरक्षा बलों से की अपील : अपने बयान में आगे रजा पहलवी ने ईरान की सेना, सुरक्षा बलों और सरकारी कर्मचारियों से एक खास संदेश दिया। इशसके की है। उन्होंने सुरक्षाकर्मी और कर्मचारियों से अपील भी की कि वे शासन के साथ खड़े न हों और लोगों का साथ दें। उन्होंने कहा कि अपने जीवन को एक गिरती हुई व्यवस्था के लिए बर्बाद न करें। जनता के साथ खड़े होकर इतिहास बनाएं। बता दें कि पहलवी का यह बयान उस समय आया है जब इस्राइल ने 13 जून को ऑपरेशन राइजिंग लायन के तहत ईरान के परमाणु, मिसाइल और सैन्य ठिकानों पर बड़े हमले किए। इस हमले के जवाब में ईरान ने भी मिसाइलों से पलटवार किया। माना जा रहा है कि यह क्षेत्र एक बड़े युद्ध की ओर बढ़ सकता है। मिलकर लिखेंगे इतिहास का नया अध्याय इसके साथ ही निर्वासन में रहते हुए भी कई ईरानी क्राउन प्रिंस माने जाने वाले रजा पहलवीने कहा कि हमारा भविष्य उज्जवल है। हम मिलकर इतिहास का नया अध्याय लिखेंगे। एक आज़ाद और समृद्ध ईरान हमारा इंतज़ार कर रहा है। हालांकि इससे पहले इस्राइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू और अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी ईरान में शासन परिवर्तन की बात कह चुके हैं। नेतन्याहू ने इसे कट्टरपंथी और तानाशाही शासन बताया, जबकि ट्रंप ने कहा कि रान जैसे कट्टरपंथी देश के पास परमाणु हथियार नहीं होने चाहिए।

अब कनाडा की खुफिया एजेंसी ने भी माना- कनाडा में बैठकर भारत में हिंसा फैला रहे खालिस्तानी चरमपंथी

ओटावा, एजेंसी। आखिरकार कनाडा ने भी मान लिया है कि खालिस्तानी आतंकी कनाडा में बैठकर भारत में हिंसा फैला रहे हैं। भारत सरकार लंबे समय से यह बात कह रही है, लेकिन पूर्व की ट्रूडो सरकार ने इस ओर ध्यान नहीं दिया, लेकिन अब कनाडा में मार्क कार्नी के नेतृत्व में चल रही सरकार ने माना है कि खालिस्तानी कनाडा का इस्तेमाल भारत में हिंसा फैलाने के लिए कर रहे हैं।

कनाडा की खुफिया एजेंसी की रिपोर्ट में दावा : कनाडा की खुफिया एजेंसी कनाडा सिक्योरिटी इंटेलीजेंस सर्विस ने अपनी एक रिपोर्ट में पहली बार आधिकारिक रूप से कनाडा में खालिस्तानी चरमपंथियों की मौजूदगी और उनके भारत में हिंसा से जुड़ाव को स्वीकार किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कनाडा में खालिस्तानी चरमपंथी भारत में हिंसा का समर्थन करने, हिंसा के लिए फंड इकट्ठा करने और हिंसक गतिविधियों की साजिश रचने में शामिल रहे हैं। सीएसआईएस ने अपनी 2024 सालाना रिपोर्ट में भारत की लंबे समय से

चली आ रही चिंताओं पर अपनी मुहर लगाई है और माना है कि कनाडा में खालिस्तानी चरमपंथियों की मौजूदगी है। यह भारत के लिहाज से अहम बात है। रिपोर्ट में लिखा है कि 1980 के मध्य में राजनीति से प्रेरित हिंसक चरमपंथ की शुरुआत कनाडा में मौजूद खालिस्तानी चरमपंथियों से हुई, जो हिंसा के जरिए भारत के पंजाब में एक अलग देश खालिस्तान बनाना चाहते हैं। अब कनाडा में थोड़ी संख्या में मौजूद खालिस्तानी चरमपंथी हिंसा के जरिए अपनी कोशिशों में जुटे हैं। पीएम मोदी के कनाडा दौरे से बदले हालात कनाडा की खुफिया एजेंसी का यह खुलासा ऐसे समय सामने आया है, जब हाल ही में प्रधानमंत्री मोदी ने कनाडा की यात्रा की और वे जी-7 सम्मेलन में शामिल हुए। साल 2023 में कनाडा में खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद भारत और कनाडा के रिश्तों में खटास आ गई थी। कनाडा की जांच एजेंसियों ने निज्जर की हत्या में भारत सरकार की संलिप्तता का दावा किया था।

अमेरिका में दो भारतीय छात्रों को लाखों डॉलर के घोटाले में सजा, बुजुर्गों को बनाते थे निशाना

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में पढ़ रहे दो भारतीय छात्रों को अलग-अलग लेकिन समान धोखाधड़ी के मामलों में जेल की सजा सुनाई गई है। इन दोनों पर बुजुर्ग अमेरिकियों को धोखाधड़ी से निशाना बनाकर लाखों डॉलर का नुकसान करने का आरोप है। 20 वर्षीय किशन राजेशकुमार पटेल को, जो छात्र वीजा पर अमेरिका आया था, इस सप्ताह मनी लॉन्ड्रिंग की साजिश रचने के आरोप में दोषी पाए जाने पर 63 महीने (पांच साल से अधिक) जेल की सजा सुनाई गई। अमेरिकी न्याय विभाग (डीओजे) के अनुसार, पटेल ने एक ऑनलाइन फ़िशिंग धोखाधड़ी में भाग लिया, जिसमें उसने अमेरिका के सरकारी अधिकारी बनकर वरिष्ठ नागरिकों से पैसे और सोना लूटा।

बुजुर्ग अमेरिकियों को सरकारी अधिकारी बनकर लूटा : न्याय विभाग ने कहा, साजिश में विभिन्न ऑनलाइन फिशिंग तरीकों का इस्तेमाल किया गया और आरोपियों ने अमेरिकी सरकारी अधिकारी बनकर लोगों से धोखाधड़ी की। आरोपी छात्र किशन पटेल ने एक हिस्सा सह-साजिशकर्ताओं को दिया और एक प्रतिशत अपने पास रखा। जांच में पाया गया कि कम से कम 25 बुजुर्ग पीड़ितों को ठगा गया, जिससे उन्हें 2,694,156 डॉलर का नुकसान हुआ। पटेल को 24 अगस्त, 2024 को टेक्सास के ग्रेनाइट शोल्स में गिरफ्तार किया गया था, जब वह एक पीड़ित से 130,000 डॉलर वसूलने की कोशिश कर रहा था। वह 29 अगस्त से संघीय हिरासत में है।

एक अन्य भारतीय छात्र को हो चुकी है आठ साल जेल की सजा : एक अन्य आरोपी ध्रुव राजेशभाई मंगुकिया, जो भी एक भारतीय नागरिक भी हैं, ने 16 जून, 2025 को अपना अपराध स्वीकार किया और अब उसकी सजा का एलान होना है। एक अन्य भारतीय छात्र मोइनुद्दीन मोहम्मद को भी इस साल की शुरुआत में इसी तरह के घोटाले के लिए आठ साल की जेल की सजा सुनाई गई थी, जिसमें बुजुर्ग अमेरिकियों से लगभग 60 लाख डॉलर की ठगी की गई थी। तीनों छात्र वीजा पर अमेरिका में थे, अमेरिकी अधिकारियों ने उन शैक्षणिक संस्थानों का खुलासा नहीं किया है जिनमें वे पढ़ाई कर रहे थे।

पाकिस्तान आर्मी चीफ की मांग- ट्रम्प को नोबेल पुरस्कार मिले : भारत-पाक संघर्ष खत्म कराने का क्रेडिट दिया

वॉशिंगटन, एजेंसी। पाकिस्तान के आर्मी चीफ जनरल असीम मुनीर ने ट्रम्प को नोबेल शांति पुरस्कार देने की मांग की है। उन्होंने यह पुरस्कार भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर कराने में ट्रम्प की अहम भूमिका के लिए मांगा। आसिम मुनीर अभी अमेरिका के दौरे पर हैं। यहां ट्रम्प और मुनीर की मीटिंग बंद कमरे में हुई। व्हाइट हाउस की प्रवक्ता एना केली ने कहा कि ट्रम्प, मुनीर की मेजबानी करेंगे क्योंकि मुनीर ने ट्रम्प को नोबेल शांति पुरस्कार देने की मांग की है। ट्रम्प ने मुनीर को इसके लिए शुक्रिया कहा। उन्होंने कहा- मुझे पाकिस्तान से प्यार है। इस मुलाकात से पहले, क्करूमोदी ने ट्रम्प से फोन पर बातचीत की। तब मोदी ने कहा कि सीजफायर सीधी बातचीत से हुई। उन्होंने अमेरिका की मध्यस्थता से इनकार किया। ट्रम्प ने मुनीर की तारीफ की, अमेरिकी-पाकिस्तानियों ने तानाशाह कहा अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प का यह पहला मौका है जब किसी पाक सेना प्रमुख से अकेले, बिना अधिकारियों के, बात की। ट्रम्प ने कहा- मुनीर से मिलकर सम्मानित महसूस हुआ। उन्होंने भारत के साथ युद्ध रोकने में अहम भूमिका निभाई। व्हाइट हाउस में हुई यह बैठक गोपनीय थी। पाकिस्तानी न्यूज डान के मुताबिक ट्रम्प ने मुनीर की तारीफ करते हुए कहा उन्होंने भारत-पाक तनाव को बढ़ने से रोका। असीम मुनीर और ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में ईरान-इजराइल संघर्ष पर भी चर्चा की। पांच दिन की यात्रा पर आए मुनीर ने वाशिंगटन में पाकिस्तानी समुदाय से कहा - भारत पहलगाम हमले का इल्जाम पाकिस्तान पर लगाकर सीमा उल्लंघन कर रहा है। हम शहादत स्वीकार करेंगे, लेकिन अपमान नहीं। मुनीर ने ईरान-इजराइल युद्ध

खत्म करने की वकालत की और अमेरिका के साथ आतंकवाद विरोधी साझेदारी की तारीफ की। दूसरी ओर उन्हें वॉशिंगटन में विरोध का सामना करना पड़ा। अमेरिकी-पाकिस्तानी नागरिकों ने मुनीर के खिलाफ नारेबाजी करते हुए उन्हें तानाशाह और कातिल बताया। ट्रम्प ने फिर कहा- मैंने भारत-पाक युद्ध रुकवाया अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार को एक बार फिर कहा कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध रुकवाया था। ट्रम्प का यह बयान बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर हुई बातचीत के 12 घंटे बाद आया है। दरअसल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से फोन पर बातचीत की, जो लगभग 35 मिनट तक चली। बातचीत के दौरान क्करूमोदी ने राष्ट्रपति ट्रम्प को ऑपरेशन सिंदूर के बारे में बताया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 13वें सरयू जयंती महोत्सव का किया शुभारंभ

कौमी पत्रिका

लखनऊ/आजमगढ़ 20 जून। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार आजमगढ़ में गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे का भव्य लोकार्पण किया। राज्य को विकास के नए आयामों पर ले जाने का प्रतीक बना यह लिंक एक्सप्रेसवे 91.352 किलोमीटर लंबा है जिसे ?7,283 करोड़ की लागत से तैयार किया गया है। सीएम योगी ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच फीता काटकर एक्सप्रेसवे आम जनता के लिए समर्पित किया और फिर अपने काफिले के साथ गोरखपुर के लिए रवाना हो गए। इससे पहले आजमगढ़ के सलारपुर, फूलपुर में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि पहले आजमगढ़ पहचान के संकट से जूझता था, लेकिन आज यह अदम्य साहस का गढ़ बन चुका है। यह उपलब्धि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और डबल इंजन सरकार के प्रयासों का परिणाम है, जो उत्तर प्रदेश को बीमारू राज्य से एक्सप्रेसवे प्रदेश के रूप में स्थापित कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह एक्सप्रेसवे आजमगढ़ के साथ-साथ अंबेडकर नगर, संत कबीर नगर और गोरखपुर को विश्वस्तरीय कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। सीएम योगी ने कहा कि आजमगढ़ से गोरखपुर तक यह लिंक एक्सप्रेसवे पूर्वी उत्तर प्रदेश को विकास की मुख्यधारा से जोड़ रहा है। यह कनेक्टिविटी पटना से दिल्ली तक की यात्रा को आसान बनाएगी। उन्होंने कहा कि 2017 में केवल दो एक्सप्रेसवे (यमुना और आगरा-लखनऊ) थे जिसमें आगरा-लखनऊ अधूरा ही था जिसे डबल इंजन की सरकार ने पूरा किया, लेकिन अब 340 किलोमीटर का पूर्वांचल एक्सप्रेसवे, 300 किलोमीटर का बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे और 91 किलोमीटर का गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे चालू हो चुके हैं। इसके अलावा, गंगा एक्सप्रेसवे (600 किलोमीटर), लखनऊ-कानपुर, बलिया लिंक सहित छह एक्सप्रेसवे निर्माणाधीन हैं। दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे ने 3 घंटे की दूरी को 40-45 मिनट में सिमटने का गौरव हासिल किया है। सीएम योगी ने कहा कि इस वर्ष के अंत तक गंगा एक्सप्रेसवे का लोकार्पण प्रधानमंत्री करेंगे और इंफ्रास्ट्रक्चर इतना मजबूत होगा कि उत्तर प्रदेश को समृद्ध होने से कोई रोक नहीं सकेगा। उन्होंने कहा कि 2047 में भारत एक विकसित भारत होगा उसे विकसित भारत के लिए विकसित और आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश बनाने के दिशा में डबल इंजन की भारतीय जनता पार्टी की सरकार के द्वारा किए गए प्रयासों का एक प्रतिफल है कि उत्तर प्रदेश बीमारू राज्य से अब एक्सप्रेसवे प्रदेश के रूप में अपनी पहचान बना रहा है। सीएम योगी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि 2017 से पहले सड़कों का हाल ऐसा था कि गड्ढे में सड़क थी या सड़क में गड्ढा, पता ही नहीं चलता था। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे का शिलान्यास तो हो गया था, लेकिन जमीन तक नहीं खरीदी गई थी। ?15,200 करोड़ में 110 मीटर चौड़ा एक्सप्रेसवे बनाना चाहते थे, हमने उसे 120 मीटर चौड़ा करके ?11,800 करोड़ में बनवाया। बचे हुए पैसों की डकैती किसकी होती, जनता समझती है। सीएम योगी ने विपक्ष पर आरोप लगाते हुए कहा कि पिछली सरकारें विकास की बजाय डी-कंपनी और दाऊद गिरोह के साथ साझेदारी करती थीं, सुरक्षा में सेंध लगाती थीं और आजमगढ़ को आतंक का गढ़ बना दिया था। 2007-08 में शिवली नेशनल कॉलेज में अजीत राय की हत्या वंदे मातरम गाने की वकालत के लिए हुई

थी, लेकिन अब ऐसा दुस्साहस कोई नहीं कर सकता। आज कोई प्रदेश की सुरक्षा से खिलवाड़ करने की कोशिश करता है तो उसके लिए यमराज का टिकट पहले से कट जाता है। सीएम योगी ने कहा कि अब देश और प्रदेश की सुरक्षा पर कोई समझौता नहीं होगा। ऑपरेशन सिंदूर, सर्जिकल और एयर स्ट्राइक इसके उदाहरण हैं। जो सुरक्षा में सेंध लगाएगा, उसे यमराज का टिकट मिलेगा।

सीएम योगी ने कहा कि महाकुंभ प्रयागराज, अयोध्या में राम जन्मभूमि पर भगवान रामलला के भव्य मंदिर का निर्माण होना काशी में काशी विश्वनाथ धाम का होना मां विंध्यवासिनी धाम का विकसित होना चित्रकूट धाम का विकसित होना यह सभी आज एक नई पहचान दिला रहे हैं। मथुरा-वृंदावन में भी हमारा कार्य प्रारंभ हो चुका है। आजमगढ़ में महाराज सुहेलदेव विश्वविद्यालय और मेडिकल कॉलेज संस्कृति की पहचान को मजबूत कर रहे हैं। सीएम ने 60,244 पुलिस भर्ती का उदाहरण देते हुए कहा कि बिना सिफारिश या पैसे के हर जाति-संप्रदाय के युवा, जिसमें 12,045 बेटियां शामिल हैं, नौकरी पा रहे हैं। 2017 से पहले चाचा-भतीजा वसूली के लिए निकलते थे, लेकिन अब सबका साथ, सबका विकास हो रहा है। उन्होंने एक्सप्रेसवे किनारे औद्योगिक क्लस्टर विकसित करने की बात कही, ताकि नौजवानों को स्थानीय रोजगार मिले और उन्हें देश-दुनिया में सम्मान मिले। सीएम योगी ने कहा कि पहचान के संकट से जूझ रहे आजमगढ़ ने दो-दो मुख्यमंत्री दिए, लेकिन उसे पहचान नहीं मिल सकी। आज डबल इंजन की सरकार की वजह से आजमगढ़ विकास की मुख्यधारा में शामिल हो चुका है। यह लिंक एक्सप्रेसवे न सिर्फ आजमगढ़ को गोरखपुर से जोड़ेगा, बल्कि पूरे पूर्वांचल को एक नई गति देगा। सीएम योगी ने कहा कि पहले आजमगढ़ के नाम से लोग डरते थे। 2017 के बाद डबल इंजन की सरकार ने आजमगढ़ को साड़ी, ब्लैक पॉटरी और हरिहरपुर के संगीत घराने को नई पहचान दिया। पहले इनकी अनदेखी हुई, लेकिन अब निरहुआ (दिनेश लाल यादव) और नीलम सोनकर जब सांसद हुए तो जिले में विकास ने रफ्तार पकड़ी। औद्योगिक विकास की बात करते हुए सीएम योगी ने कहा कि एक्सप्रेसवे किनारे औद्योगिक क्लस्टर विकसित हो रहे हैं, जिससे युवाओं को गांव में ही रोजगार मिलेगा। अब नौजवानों को पहचान का संकट नहीं झेलना पड़ेगा। सीएम योगी ने कहा कि आज प्रदेश में 16 एयरपोर्ट, जिसमें चार अंतरराष्ट्रीय और फोरलेन कनेक्टिविटी है जिसने उत्तर प्रदेश को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है।

योग और ध्यान-अभ्यास: संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

योग सृष्टि की शुरूआत से ही भारत की प्राचीन संस्कृति का एक अहम हिस्सा रहा है। प्राचीन काल के ऋषि-मुनियों ने योग के महत्त्व का जिक्र अनेक धर्मग्रंथों में किया है। ऋग्वेद में कई जगहों पर यौगिक क्रियाओं के विषय में जानकारी मिलती है। महर्षि पतंजलि ने योग की परिभाषा देते हुए कहा है कि श्योगष्चित्तवृत्तिनिरोध:श् अर्थात योग के द्वारा हम अपने चंचल मन को भी काबू में कर सकते हैं। मनुष्य को जब भी कोई शारीरिक अथवा मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ा है तो अपने शरीर को रोग मुक्त करने के लिए उसने किसी न किसी तरीके से योग द्वारा शरीर को स्वस्थ किया है और साथ ही साथ मानसिक शांति भी प्राप्त की है लेकिन आज के आधुनिक युग की इस भाग-दौड़ भरी जिंदगी में हमारे खान-पान व रहन-सहन में कई बदलाव आए हैं जिनके कारण हमें चिंता, तनाव, थकान और चिड़चिड़ापन जैसी अन्य कई बीमारियां घेर लेती हैं। शुरू-शुरू में तो हम अपने स्वास्थ्य की बिल्कुल भी परवाह नहीं करते क्योंकि आजकल की व्यस्त जिंदगी में किसी के पास इतना भी वक्त नहीं है कि वो अपने शरीर की ओर ध्यान दे लेकिन धीरे-धीरे यह छोटी-छोटी बीमारियाँ हमारे शरीर में ब्लड प्रेशर, शुगर, गठिया, मोटापा और माईग्रेन जैसी अनेक गंभीर रोगों को जन्म देती हैं। तब हम थोड़ा जागरूक होते हैं और हमारा ध्यान किसी योग की ओर जाता है क्योंकि केवल योग ही है जो इस प्रकार के रोगों को जड़ से खत्म कर सकता है। सिर्फ प्राचीन काल के योगियों ने ही नहीं बल्कि आज के आधुनिक युग के डॉक्टर्स ने भी इस बात को पूरी तरह साबित करके दिखाया है कि सिर्फ योग ही ऐसी रामबाण दवा है जिसके द्वारा हम शारीरिक रूप से स्वस्थ रह सकते हैं और यह हमें इस हलचल भरी दुनिया में मानसिक शांति भी प्रदान कर सकता है। अगर हम योग के फायदों का ज़िक्र करें तो हम पाएंगे कि योग के फायदों की सूची कभी न खत्म होने वाली है। जैसे प्रतिदिन योग करने से शारीरिक तंदुरुस्ती तो आती ही है, इसके अलावा इसके द्वारा सबसे ज्यादा मानसिक शांति मिलती है, जिससे कि हमारे अंदर का तनाव खत्म होता है बल्कि इसके द्वारा हमारा मन भी शांत रहता है। इसके साथ-साथ बड़ी से बड़ी बीमारी से लड़ने के लिए हमारे शरीर में रक्त का संचार सुचारू रूप से होता है, जिससे कि हमारे अंदर रोगों से लड़ने की ताकत बढ़ जाती है। योग से हमारी पाचन क्रिया भी दुरूस्त होती है, जिसके कारण हमारे अंदर ऊर्जा का विकास होता है और हमारा शरीर लचीला बनता है। नियमित योग करने से जीवन के प्रति उत्साह बढ़ता है और हमारे अंदर मनोबल की भी वृद्धि होती है। इस प्रकार योग के द्वारा हम अपने तन को ही नहीं बल्कि मन को भी स्वस्थ रख सकते हैं। योग के कई प्रकार हैं जैसे, हठ योग, प्राण योग, राज योग, कुंभक और ज्ञान योग आदि। जितने भी प्रकार के ये योग हैं इन्हें करने के लिए एक तो इनमें समय बहुत ज्यादा देना पड़ता है जोकि आजकल की व्यस्त दिनचर्या में मुमकिन ही नहीं है। दूसरे इन्हें करने के लिए शरीर का पूरी तरह से स्वस्थ होने के साथ-साथ लंबी उम्र का होना भी बहुत ही ज़रूरी है जोकि आज के युग में संभव नहीं है। ये सभी यौगिक क्रियाएं सिर्फ हमारे शरीर को स्वस्थ रखती हैं लेकिन सुरत शब्द योग एक ऐसी विधि है जोकि पूर्णतया आध्यात्मिक है और यह न सिर्फ हमारे तन व मन को बल्कि हमारी आत्मा को भी तंदुरुस्त रखता है। परम संत कृपाल सिंह जी महाराज ने इस सुरत शब्द योग के बारे में कहा है कि, अगर हमारी आत्मा तंदुरुस्त होगी तो हमारा मन और शरीर खुद-ब-खुद तंदुरुस्त हो जाएगा। सुरत-शब्द योग हमें समझाता है कि सुरत जो हमारी आत्मा का बाहरी रूप है जब वो प्रभु के शब्द के साथ जुड़ती है तो फिर जहाँ से हम आए हैं, पिता-परमेश्वर के घर वहाँ हम वापिस जा सकते हैं। जब हम प्रभु के शब्द के साथ जुड़ते हैं तो हम अंदर की दुनिया में जाने के लायक होते हैं और हमारी आत्मा का मिलाप परमात्मा से हो सकता है। यह अनुभव हमें शांति देता है, आनंद देता है और हमें मस्ती के आलम में लेकर जाता है क्योंकि अंदर की यात्रा प्रेम और खूबसूरती से भरी हुई है। सुरत-शब्द योग के ज़रिये हम अपना ध्यान जो इस वक्त बाहर की दुनिया में जा रहा है, उसे अंदर की दुनिया में लेकर जाते हैं। इसे मेडिटेशन, भजन-सिमरन और ध्यान टिकाना भी कहा गया है। इसका अभ्यास कोई भी कर सकता है चाहे वो छोटा बच्चा हो या बुजुर्ग, चाहे एक धर्म को मानने वाला हो या किसी दूसरे धर्म को, चाहे वो एक देश में रहता है या किसी दूसरे देश में। ये एक आसान तरीका है, जिसका अभ्यास तंदुरुस्त हो या बीमार कोई भी कर सकता है। इसे हम अपने घर या ऑफिस में भी कर सकते हैं। इसका प्रतिदिन अभ्यास करने से हमें हर जगह प्रभु का रूप दिखाई देने लगता है और फिर हमें यह अनुभव हो जाता है कि जो प्रभु की ज्योति मुझमें है, वही दूसरों में भी है तो हमारे अंदर एक बदलाव आता है। हमारे अंदर खुद-ब-खुद सभी के लिए प्रेम-भाव जागृत हो जाता है। हम एक शांति से भरपूर जीवन व्यतीत करते हैं। जिसके फलस्वरूप हमसे यह शांति धीरे-धीरे हमारे परिवार, समाज, देश में होती हुई संपूर्ण विश्व में फैलती है।

बिजली निगम 24 जून को सुनेगा पंचकूला के उपभोक्ताओं की समस्याएं

चण्डीगढ। उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली की आपूर्ति उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्ध है। उपभोक्ताओं की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए निगम द्वारा अनेक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम सर्कल फोरम पंचकूला के उपभोक्ता शिकायत निवारण मंच के चेयरमैन एवं सदस्य मंच की कार्यवाही 24 जून, 2025 को पंचकूला में की जाएगी। इस दौरान केवल पंचकूला जिला के उपभोक्ताओं की शिकायतों की सुनवाई की जाएगी। बिजली निगम के एक प्रवक्ता ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि मंच के सदस्य, पंचकूला जिले के उपभोक्ताओं की सभी प्रकार की समस्याओं की सुनवाई करेंगे। इनमें मुख्यत: बिलिंग, वोल्टेज, मीटरिंग से सम्बंधित शिकायतें, कनैक्शन काटने और जो ?ने बिजली आपूर्ति में बाधाएं, कार्यकुशलता, सुरक्षा और हरियाणा बिजली विनियामक आयोग के आदेशों की अवहेलना आदि शामिल हैं। बहरहाल, मंच द्वारा बिजली अधिनियम की धारा 126 तथा धारा 135 से 139 के अन्तर्गत बिजली चोरी और बिजली के अनधिकृत उपयोग के मामलों में दंड तथा जुर्माना और धारा 161 के अन्तर्गत जांच एवं दुर्घटनाओं से सम्बंधित मामलों की सुनवाई नहीं की जाएगी।

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 CrPC देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **सोनू कुमार पुत्र शिव कुमार निवासी मकान नंबर सी–166, शालीमार गार्डन, साहिबाबाद, उत्तर प्रदेश** ने **FIR No. 1259/14, U/S 325/341 IPC, अन्तर्गत थाना सीमा पुरी, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **सोनू कुमार** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **सोनू कुमार** फरार हो गया है (या उक्त वारंट के तामील से बचने के लिये अपने आपको छिपा रहा है)।

अतः इसके द्वारा उदघोषणा की जाती है कि **FIR No. 1259/14, U/S 325/341 IPC, अन्तर्गत थाना सीमा पुरी, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **सोनू कुमार** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **08.09.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार,
सुश्री ऐश्वर्या सिंह कश्यप
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–06
कमरा नं. 25, प्रथम तल, शाहदरा जिला
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/7283/SHD/2025(Court Matter)

मुख्य सफाई निरीक्षक ने नालों का निरीक्षण कर जांची सफाई व्यवस्था

यमुनानगर। मानसून से पूर्व सभी नालों की सफाई सुनिश्चित करने को लेकर मुख्य सफाई निरीक्षक अनिल नैन ने शुक्रवार को वार्ड 17 व 18 के विभिन्न नालों का निरीक्षण कर सफाई व्यवस्था जांची। जिन स्थानों पर नाले में गंदगी जमा मिली, ठेकेदार को बुलाकर उसे तुरंत साफ कराया गया। मेयर सुमन बहमनी व नगर निगम आयुक्त अखिल पिलानी के निर्देशों पर मुख्य सफाई निरीक्षक अनिल नैन वार्ड 18 के पार्षद उज्जवल ठाकुर, सफाई निरीक्षक गोविंद शर्मा व अन्य के साथ शुक्रवार को पहले वार्ड नंबर 18 के फर्कपुर पहुंचे। यहां उन्होंने नालों की सफाई का निरीक्षण किया। कई स्थानों नालों में गाद मिली। मुख्य सफाई निरीक्षक ने संबंधित ठेकेदार को तुरंत नाले की गहराई तक सफाई करने के निर्देश दिए। यहां उन्होंने कई नालों का जायजा लिया। इसके बाद मुख्य सफाई निरीक्षक ने जोडियो में रादौर रोड स्थित बड़े नाले का निरीक्षण किया। जोड़ियां गुरुद्वारा के समीप नाले में गंदगी मिली। मुख्य सफाई निरीक्षक ने ठेकेदार को तुरंत जेसीबी लगाकर सफाई कराने के निर्देश दिए। जिसके बाद ठेकेदार ने नाले को साफ किया। इसके बाद वह पार्षद व स्थानीय निवासियों के साथ गुरुद्वारा के नजदीक बने आईपीएस इंटरमीडिएट पंपिंग स्टेशन पर पहुंचे। स्थानीय निवासियों ने बताया कि यह पंपिंग स्टेशन बंद है। जिसके चलते फर्कपुर, कुलदीप नगर, तारापुरी, ससौली, रामनगर व आसपास के क्षेत्रों में बारिश के दौरान जलभराव की समस्या उत्पन्न होती है। निगम अधिकारियों ने बताया कि बारिश के समय पंपिंग स्टेशन शुरू कर दिया जाता है। इससे निचले इलाकों में भरे पानी की निकासी कर दी जाती है। मुख्य सफाई निरीक्षक अनिल नैन ने बताया कि निगमायुक्त अखिल पिलानी के निर्देशों पर सभी नालों की सफाई तीव्रता से कराई जा रही है। मानसून से पूर्व सभी नाले साफ करा दिए जाएंगे। उन्होंने आमजन से अपील की कि वे ठोस कचरा नालों में न बहाए। इससे नालों में पानी की निकासी नहीं हो पाती और जलभराव की समस्या उत्पन्न होती है। सभी नागरिक घर व दुकान से निकलने वाला कचरा नालों व खुले में न फेंक कर नगर निगम के वाहन में डाले।

महिला एवं बाल विकास ने एक साथ मिस्ड कॉल से किया अंतर्राष्ट्रीय योग कार्यक्रम में पंजीकरण

यमुनानगर। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस प्रोटोकॉल प्रशिक्षण शिविर में महिला एवं बाल विकास और लाभार्थियों ने भाग लिया। इस दौरान जिला परिषद सीईओ वीरेंद्र सिंह ढुल साइकिल से योग शिविर तक पहुंचे और योगाभ्यास में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। उन्होंने महिला शक्ति को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को सफल बनने में सहयोग की अपील करते हुए कहा कि सभी योग को अपनाएं और अपने जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाएं। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास यमुनानगर तरविंदर कौर ने बताया कि जिला प्रशासन के सहयोग से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारी के दृष्टिगत अनाज मंडी जगाधरी में आयुष विभाग की ओर से योग प्रोटोकॉल रिहर्सल कराई गई जिसके दौरान महिला एवं बाल विकास की आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, सुपरवाइजर, महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारियों और लाभार्थियों ने भाग लिया। आयुष विभाग के योग प्रशिक्षकों और सहायकों ने योगाभ्यास के साथ ही इनके लाभ भी सभी को बताए।

डाबर ने 'रियल चीयर्स' के साथ कॉकटेल मिक्सर कैटेगरी में किया प्रवेश

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। भारत के नंबर वन पैकेज्ड फ्रूट ज्यूस एवं बेवरेज ब्राण्ड रियल ने अपनी नई पेशकश 'रियल चीयर्स' के लॉन्च के साथ अपने रियल पोर्टफोलियो का विस्तार की घोषणा की है, जो गुणवत्ता और स्वाद की अपनी विरासत पर आधारित कॉकटेल मिक्सर की एक प्रीमियम रेंज है। इस लॉन्च के साथ रियल ने कॉकटेल मिक्सर श्रेणी में प्रवेश किया है। पहले चरण में डाबर ने रियल चीयर्स के तहत चार म?दार वेरिएन्ट्स बा?ार में उतारे हैं- टॉनिक वॉटर, जिंजर एल, जामुनटिनी और ग्रीन एप्पल मोहितो। रियल चीयर्स को आज के ग्राहकों को लुभाने के लिए बेहद बोल्ड, वाइब्रेन्ट और आकर्षक पैकेजिंग में लाया गया है। हर मिक्सर सोच-समझ कर चुने गए बेहतरीन इन्ग्रीडिएन्ट्स से बना है जो स्वाद और फ्लेवर का बेहतरीन संतुलन पेश करता है। कुल मिलाकर रियल चीयर्स अपने बेहतरीन गुणवत्ता के इन्ग्रीडिएन्ट्स और स्वादिष्ट फ्लेवर्स के साथ उपभोक्ताओं को ड्रिंकिंग का म?दार अनुभव प्रदान करने के लिए तैयार है। लॉन्च के अवसर पर श्री मयंक कुमार, वाईस प्रे?ीडेन्ट- मार्केटिंग, डाबर इंडिया लिमिटेड ने कहा, रियल में हम लगातार इनोवेट करते हुए उपभोक्ताओं की बदलती ?रूरतों को पूरा करने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। इस लॉन्च के साथ रियल ने बेवरेज कैटेगरी में अपनी स्थिति को और मजबूत बना लिया है। रियल चीयर्स का लॉन्च न सिर्फ हमारे प्रोडक्ट पोर्टफोलियो को मजबूत बनाएगा बल्कि उपभोक्ताओं की बदलती पसंद और एवं ?रूरतों पर भी खरा उतरेगा। साथ ही ब्राण्ड को आज के दौर के उपभोक्ताओं खासतौर पर मिलेनियल्स एवं जनरेशन ?ी के साथ जो?ने में भी कारगर होगा। इस अवसर पर ब्राण्ड नया कैंपेन भी लेकर आया है जो दर्शाता है कि किस तरह रियल अपने पोर्टफोलियो को मजबूत बना रहा है और उच्च गुणवत्ता के बेवरेजे? में अपनी विशेषज्ञता को अब कॉकटेल की दुनिया में लेकर आया है। हमें खुशी है कि रियल चीयर्स के लॉन्च के साथ, हम अपनी सिग्नेचर क्वालिटी और स्वाद को कॉकटेल मिक्सर्स की दुनिया में लेकर आए हैं। रियल चीयर्स के तहत हर मिक्सर को इस तरह परफेक्शन के साथ डि?ाइन किया गया है कि यह इस्तेमाल में आसान और स्वादिष्ट हो। रियल चीयर्स सुविधा, गुणवत्ता एवं स्वाद के साथ आपके मॉकटेल एवं कॉकटेल के अनुभव को कई गुना बेहतर बना देता है। मिस मोनिशा पाराशर, जी.एम. मार्केटिंग- फूड्स डाबर इंडिया लिमिटेड ने कहा। रियल चीयर्स मिक्सर 250एमएल के कैन फोर्मेट में आते हैं, ऐसे में इन्हें इस्तेमाल करना बेहद आसान हैं, बस पॉर करें, अपने पसंदीदा ड्रिंक में मिक्स करें और चीयर्स करने के लिए तैयार हो जाएं। रियल चीयर्स टॉनिक वॉटर और जिंजर एले की कीमत रु 65 है, वहीं रियल चीयर्स जामुनटिनी एवं ग्रीन एप्पल मोजितो रु 99 में आता है। रियल चीयर्स सभी मुख्य क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स- ब्लिंकिट, स्विगी इंस्टामार्ट और ?प्टो से खरीदा जा सकता है। जल्द ही यह रीटेल चैनलों पर भी उपलब्ध होगा। डाबर इंडिया लिमिटेड के बारे में= डाबर इंडिया लिमिटेड भारत की अग्रणी [illegible] कंपनियों में से एक है। 141 वर्षों से गुणवत्ता और अनुभव की विरासत पर आधारित, डाबर आज भारत का सबसे भरोसेमंद नाम और दुनिया की सबसे बड़ी आयुर्वेदिक और प्राकृतिक स्वास्थ्य सेवा कंपनी है। डाबर इंडिया के [illegible] पोर्टफोलियो में आठ पावर ब्रांड शामिल हैं - हेल्थकेयर क्षेत्र में डाबर च्यवनप्राश, डाबर हनी, डाबर हनीटस, डाबर पुदीन हरा और डाबर लाल तेल; पर्सनल केयर के लिए डाबर आंवला और डाबर रेड पेस्ट; और खाद्य और पेय पदार्थ श्रेणी में रियल।

रेवाड़ी के खोरी गांव में उप-स्वास्थ्य केंद्र को मंजूरी मिली

चंडीगढ़। हरियाणा की स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री कुमारी आरती सिंह राव के दूरदर्शी नेतृत्व में हरियाणा स्वास्थ्य विभाग ने रेवाड़ी जिले के खोरी गांव में उप-स्वास्थ्य केंद्र की स्थापना को मंजूरी देकर ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। इस प्रस्ताव को मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी से औपचारिक मंजूरी मिल गई है। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि सरकार राज्य के स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने और हर नागरिक की जरूरतों को प्राथमिकता देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी को उनकी त्वरित मंजूरी और समर्थन के लिए धन्यवाद दिया, जिससे इस अति आवश्यक परियोजना के समय पर क्रियान्वयन का मार्ग प्रशस्त हुआ है। यह उप-स्वास्थ्य केंद्र टीकाकरण, बुनियादी चिकित्सा उपचार और निवारक देखभाल के साथ-साथ स्वास्थ्य जागरूकता अभियान जैसी महत्वपूर्ण सेवाएं प्रदान करेगा। यह पहल हरियाणा के ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य सेवा तक समान पहुंच सुनिश्चित करने के लिए राज्य के चल रहे प्रयासों का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार का यह कदम 'स्वस्थ हरियाणा' के व्यापक दृष्टिकोण के अनुरूप है, और ग्रामीण क्षेत्रों में जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। रेवा?ी जिला के गांव खोरी के ग्रामीण लंबे समय से अपने क्षेत्र में अपनी प्राथमिक चिकित्सा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एक स्वास्थ्य सुविधा की स्थापना का अनुरोध कर रहे थे। उन्होंने इस मुद्दे पर कुछ महीने पहले स्वास्थ्य मंत्री कुमारी आरती सिंह राव से भी मुलाकात की थी। स्वास्थ्य मंत्री ने इस मामले में तुरंत कार्रवाई की और सुनिश्चित किया कि प्रस्ताव को तेजी से मंजूरी मिले। लंबे समय से चली आ रही इस मांग के पूरा होने से अब हजारों निवासियों को घर के नजदीक आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं तक आसान पहुंच का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य विभाग ने यह सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त स्टाफ और संसाधन उपलब्ध कराने का भी आश्वासन दिया है कि यह स्वास्थ्य केंद्र शुरू से ही प्रभावी ढंग से काम करे।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

NAME CHANGE
I, RIINKU KUMARI W/o ARUN KUMAR R/o M2, GOVERNMENT EMPLOYEES SOCIETY, SECTOR-3, REWARI HARYANA-123401 DECLARE THAT RINKU KUMARI AND RINKU SINGH THESE ARE SAME PERSON

NAME CHANGE
I, DLIEEP KUMAR TEKWANI S/O KISHAN CHAND TEKWANI R/O H.NO-2808,SECOND FLOOR,DLF PHASE -4,GURGAON,HARYANA-122002,HAVE CHANGED MY NAME TO DILEEP TEKWANI FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I, ANISHA TEKWANI W/O DILEEP TEKWANI R/O H.NO-2808, SECOND FLOOR, DLF PHASE -4, GURGAON, HARYANA-122002, HAVE CHANGED MY NAME TO MUKTA TEKWANI FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I, RAJ TEKWANI S/O DILEEP TEKWANI R/O H.NO-2808,SECOND FLOOR,DLF PHASE -4, GURGAON, HARYANA-122002, HAVE CHANGED MY NAME TO ANUBHAV TEKWANI FOR ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE
I, Munajir S/O Md Majir R/O T-12 ,Gali no- 03, Prem Nagar-2, Kirari Suleman Nagar, North West Delhi, Delhi-110086, do hereby solemnly affirm and declare that I have embraced HINDUISM and renounced MUSLIM with effect from 07.01.2022.

NAME CHANGE
I, hitherto known as Munajir S/O Md Majir R/O T-12 ,Gali no-03, Prem nagar-2, Kirari Suleman Nagar, North West Delhi, Delhi-110086, have changed my name and shall hereafter be known as MUNNA.

NAME CHANGE
It is for general information that I Surinder Kaur W/O Santokh Singh R/O H.No- C-1/153, 1st Floor, D.D.A. Market, Sector- 16, PO: Rohini Sector15, DIST: North West Delhi, Delhi - 110089,declare that name of mine has been wrongly written as Dalbir Kaur in my husband PPO NO 14879/ IA/ RPH/5754. The actual name of mine is Surinder Kaur,respectively which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
All concerned are hereby informed to this through this public notice that my client KARNAIL SINGH 5/0 LATE SH CHANDRAM R/O WZ-1124, PALAH VILLAGE, NEW DELHI-1100045 ha disowned and debarred his son namely MANOJ KUMAR SOLANKI 5/0 SH. KARNAIL SINGH RESIDING AT ME-1124, PALAM VILLAGE, NEW DELHI-1100045 from all their moveable and immoveable properties and cancelled all his relation with his as the aforesaid family of MANOJ KUMAR SOLANKI, of my client is totally out of his control and used to harass, tortured and misbehave with my client, My client shall not be held responsible for any of his act, deed and things in whatsoever in any manner and if any one deals with him/her shall be deal as per his/her own risk. consequences. and
RAMBIR SINGH ADVOCATE
CH No 757, LAWYERS CHAMBER, DWARKA COURT. DELHI

सार्वजनिक सूचना
मैं भोपाल सिंह सुपुत्र स्व. राम सिंह व मेरी धर्मपत्नी धर्मवती, निवासी L4/4, F.F.. सेक्टर 84. बी.पी.टी.पी पार्कलैंड्स, फरीदाबाद, हरियाणा-121002 हम दोनों अपने पुत्र अमित चौहान व उसकी पत्नी मनीषा कुमारी और उनके वारसान को अपनी तमाम चल अचल संपत्ति से बेदखल करते हैं। भविष्य में उनसे लेनदेन करने वाला स्वयं जिम्मेदार होगा व हमारे परिवार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।
ABHAY BHATI Advocate
CHAMBER NO. 338,
SAKET COURT COMPLEX,
NEW DELHI-110017

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को यह जानकारी दी जाती है कि हमारी ग्राहक श्री सोमेश गुप्ता पुत्र श्री डीसी गुप्ता फ्रीहोल्ड आवासीय बिल्ट-अप प्रथम तल संपत्ति संख्या 6378, निर्मित संपत्ति संख्या 6379, 6380, 6381 और 6382 के मालिक हैं, जिसका क्षेत्रफल 100 वर्ग गज यानी 83.61 वर्ग मीटर है, सभी छत के अधिकारों के साथ, नगरपालिका संख्या 6378 से 6382, नया बांस दिल्ली में स्थित है। बिक्री विलेख दिनांक 29.10.2019 के आधार पर जो एसआर-I, दिल्ली/नई दिल्ली में दस्तावेज संख्या 10995 के रूप में विधिवत पंजीकृत है, पुस्तक संख्या 1, खंड संख्या 7878, पृष्ठ संख्या 184-193, दिनांक 29.10.2019 में, नीचे दिए गए श्रृंखला दस्तावेज़ में दस्तावेज़ उपलब्ध नहीं हैं, अर्थात स्वर्गीय श्याम सुंदर के मृत्यु प्रमाण पत्र, अब हमारा ग्राहक यह घोषित कर रहा है कि किसी अन्य व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं है। और वही संपत्ति वर्तमान में एचडीएफसी बैंक द्वारा वित्तपोषित है। और अब उसे महिंद्रा हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (एमएचएफएल) द्वारा पुनर्वित्तपोषित किया जाएगा। शाखा- दिल्ली यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति में अधिकारञ्चस्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा
Naveen Kumar Verma (advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

PUBLIC NOTICE
Notice is hereby given on behalf of Mr. Manoj Kumar Sahu to inform to the public at large that Mr. Manoj Kumar Sahu is purchasing the Residential Part of Plot No.138, area measuring 70 Sq. yards, out of total area 100 Sq. Yards, i.e. 83.61 Sq. Meters, Out of Khasra No.222Mi, Situated at Residential Colony Nasib Vihar, Village Ilaichipur, Pargana & Tehsil Loni, Dist. Ghaziabad, Uttar Pradesh-201102 from Mrs. Monika Chaudhary who became owner vide Sale Deed Dated 12.05.2023 (Doc. No. 6740) executed by Mrs. Mani Begum and same to be finance & mortgage by Hinduja Housing Finance Ltd., having its Branch at Gandhi Nagar, Delhi. That, Original Sale Deed Dated 21.06.2008 executed by Mr. Gajendar Singh in favour of Mrs. Mani Begum in respect of the said property, Doc. No. 18101, Book No. 01, Volume No. 10799, On Pages No. 333-350, On Dated 21.06.2008, SRO-IV, Ghaziabad has lost/misplaced. So, to comply the requirements of BANK/NBFC, we give this public notice that if any Person having any type of claim /right/title/interest/creating mortgage over the said property, may inform in writing, at the address mentioned below, about his objections, within a week from today, failing which it shall be presumed that the said property is free from all type of Encumbrances, lien etc.
Advocate Abhishek Singh
A-2/367, Nand Nagri,
Near GTB Enclave,
SDM Court Nand Nagri,
Delhi-110093
Mobile: 7706007066
Email:
advabhisingh1993@gmail.com

NAME CHANGE
I, MAHADEV S Father of No. 2616122X Rank- NK Name- SAGAR KANKANWADI residing at- VILL-KESTI, TEHSIL-HUKKERI, DIST-BELAGAVI, KARNATAKA-591236, have changed my name from MAHADEV S to MAHADEV KANKANAWADI for all future purposes vide Affidavit Dated 20/06/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, PARVATI M KANKANWADI Mother of No. 2616122X Rank- NK Name- SAGAR KANKANWADI residing at- VILL-KESTI, TEHSIL-HUKKERI, DIST-BELAGAVI, KARNATAKA-591236, have changed my name from PARVATI M KANKANWADI to PARWATHI MAHADEV KANKANAWADI for all future purposes vide Affidavit Dated 20/06/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, hitherto known as KUMARI BHURI D/O PREM PAL R/O 90 S/F, VILLAGE MANDAWALI, NEAR GOURI SHANKAR MANDIR, FAZALPUR, DELHI-110092 have changed my name and shall hereafter be known as BHUMI. It is certified that I have complied with other legal requirements in the connection

NAME CHANGE
I, PRETIBHA YADAV W/O SANDEEP YADAV R/O KHALETA (17), KHOL, REWARI, HARYANA-123103,HAVE CHANGED MY NAME TO PRATIBHA YADAV FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I, Gudiya W/o Raj Virendra R/o Sector-73, Sharfabad, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201304 have changed the name of my minor son Guru Gorakhnath aged 12 years and he shall hereafter be known as Virat.

NAME CHANGE
I hitherto known as Kela W/o Kamal Singh R/o 65, Distt Hapur, Havaspur Bigas, Ghaziabad, Uttar Pradesh-245201 have changed my name and shall hereafter be known as Kela Devi.

NAME CHANGE
I, PURAN SINGH S/O PRAHLAD SINGH R/O EIL NTPC 50C, ANUKAMPA APARTMENT, ABHAY KHAND-4, INDIRAPURAM, GHAZIABAD, UP-201014, HAVE CHANGED MY NAME TO PURAN SINGH RAWAT FOR ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE
I, No.- 15683260L Rank-HAV Name-V SURESH residing at-90/84 SCHOOL STREET, VILLAGE-VARADHARAJPURAM, PO-OZHUGUR-POST, TEHSIL-WALAJAPET, DISTT-RANIPET, TAMIL NADU-632501, have changed my wife's name from S KALPANA to KALPANA S for all future purposes vide affidavit dated 20/06/2025 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, HANAMANT Father of No. 15332698A Rank-HAV Name-LANDGE PRASHANT HANAMANT Residing at VPO-LHASURNE, TALUK-KOREGAON, DISTT-SATARA, MAHARASHTRA-415501, have changed my name from HANAMANT to HANMANT RAGHUNATH LANDGE for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1956 instead of my correct date of birth as 01/06/1956 vide Affidavit dated 20/06/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, MOHD TAUQEER RAZA S/O MOHD SALEEM residing at I-2/166, GALI NO-4, SANGAM VIHAR, NEW DELHI-110062 have changed my name to MOHAMMAD TOUQIR for all future purpose.

NAME CHANGE
I, NO-6944627F Rank-NK Name-SUBHASH CHANDRA S/o SHRI MAMCHAND R/o NIWAI, JHUNJHUNU, RAJASHTHAN-333305, my name is wrongly recorded as CHAUDHARY SUBHASH CHAND MAMCHAND in my service record whereas my correct name is SUBHASH CHANDRA S/O MAMCHAND affidavit through Notary Public 24/04/2025.

ए ए श्रीनिवास होंगे हरियाणा के नए मुख्य चुनाव अधिकारी

चंडीगढ़। राज्य सरकार ने प्रदेश के मुख्य चुनाव अधिकारी (सीईओ) पंकज अग्रवाल की जगह वर्ष 2004 बैच के आईएएस अधिकारी ए श्रीनिवास को सीईओ नियुक्त किया है। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी की ओर से नई नियुक्ति के आदेश जारी कर दिए गए हैं। आदेश के मुताबिक वर्तमान में ऊर्जा विभाग के सचिव और दक्षिणी हरियाणा बिजली वितरण निगम के प्रबंधक निदेशक ए श्रीनिवास को मुख्य चुनाव अधिकारी बनाया गया है, जबकि पंकज अग्रवाल को मुख्य चुनाव अधिकारी के पद से रिलीव कर दिया गया है। फिलहाल उन्हें नई नियुक्ति का इंतजार है।

रैपिड एक्शन फोर्स ने शहर में निकाला फ्लैग मार्च

फरीदाबाद। रैपिड एक्शन फोर्स की एक प्लाटून 16 से 21 जून 2025 तक जिले में परिचित अभ्यास कर रही है। इसी क्रम में रैपिड एक्शन फोर्स की प्लाटून ने पुलिस थाना कोतवाली के थाना प्रभारी मंजीत सिंह, सारण के थाना प्रभारी रण सिंह, डबुआ के थाना प्रभारी महावीर सिंह, एस जी एम नगर के थाना प्रभारी रणबीर तथा धौज के थाना प्रभारी नरेश कुमार से मुलाकात की एवं उनके क्षेत्राधिकार में आने वाले गांवों में जाकर उनकी पूर्व में घटित हुई घटनाओं और इलाके की संवेदनशीलता के बारे मे जानकारी प्राप्त की एवं गांवों में फ्लैग मार्च एवं मोबाइल पैट्रोलिंग के द्वारा ग्रामीणों को शांति व सद्भावना का संदेश दिया। साथ ही प्लाटून ने थानाक्षेत्रों के वरिष्ठजनों एवं गणमान्य व्यक्तियों से भेंट कर इलाके के बारे में विस्तार से चर्चा की व शांति व्यवस्था बनाए रखने में उनके योगदान की सराहना की। भीम सिंह मीणा सहायक कमान्डेंट ने बताया कि अभ्यास का उद्देश्य क्षेत्र के बारे में अच्छे से परिचित होना, नागरिक व प्रशासन से अच्छा तालमेल बनाना व आमजन में विश्वास बनाए रखते हुए क्षेत्र की पूर्ण जानकारी प्राप्त करना है ताकि भविष्य में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए तैनात होना पड़े तो जल्दी से जल्दी तैनात होकर स्थिति को नियंत्रित कर सकें तथा सार्वजनिक संपत्ति और आमजन को सुरक्षित रखा जा सके।

बरोदा में राजकीय कॉलेज मंजूर,जताया मुख्यमंत्री का आभार

सोनीपत। सोनीपत के गांव बरोदा में राजकीय कॉलेज की स्वीकृति मिलने से क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई है। प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सैनी द्वारा इस कॉलेज को स्वीकृति दिए जाने पर बरोदा हलके से भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रत्याशी प्रदीप सांगवान ने उनका आभार व्यक्त किया है। प्रदीप सांगवान ने कहा कि यह कॉलेज क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए शिक्षा के नए द्वार खोलेगा और उच्च शिक्षा को स्थानीय स्तर पर सुलभ बनाएगा। उन्होंने कहा कि हलका बरोदा के साथ-साथ आसपास के गांवों के विद्यार्थियों को भी इससे लाभ मिलेगा, जिन्हें अब दूरस्थ शहरों में शिक्षा के लिए नहीं जाना पड़ेगा। उन्होंने मुख्यमंत्री की कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि प्रदेश की नायब सरकार वास्तव में नायाब कार्य कर रही है। सांगवान ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी की जनहितकारी नीतियों से हर वर्ग लाभान्वित हो रहा है। उनकी सरकार सबका साथ, सबका विकास की नीति पर ईमानदारी से काम कर रही है और केंद्र सरकार की सभी कल्याणकारी योजनाओं को जमीनी स्तर पर लागू कर रही है। उन्होंने उम्मीद जताई कि कॉलेज का निर्माण शीघ्र शुरू होगा और आने वाले वर्षों में यह शिक्षण संस्थान बरोदा क्षेत्र को शिक्षा के क्षेत्र में नई पहचान दिलाएगा। इस निर्णय से ग्रामीणों में उत्साह है और वे सरकार के इस कदम को ऐतिहासिक बता रहे हैं।

प्रधानमंत्री का कार्यक्रम मन की बात और योग दिवस होगा यादगार

सोनीपत। भारतीय जनता पार्टी गोहाना जिला की प्रभारी डॉ. किरण कलकल और जिलाध्यक्ष बिजेंद्र मलिक ने बुटाना मंडल की सभा में भाग लिया। यह सभा गांव ईसापुर खेड़ी में आयोजित की गई, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों की उपस्थिति रही। सभा को संबोधित करते हुए डॉ. किरण कलकल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को हर महीने के अंतिम देशभर में उत्साहपूर्वक सुना जाता है। गोहाना जिले के आठों मंडलों में पिछले माह इस कार्यक्रम को प्रत्येक बूथ स्तर पर शत-प्रतिशत लोगों ने सुना, जो अनुशासन और संगठन की ताकत को दर्शाता है। यह यादगार रहेगा। भाजपा

जिलाध्यक्ष बिजेंद्र मलिक ने बताया कि आगामी 21 जून को विश्व योग दिवस के अवसर पर पार्टी कार्यकर्ता मंडल स्तर पर योग कार्यक्रम आयोजित करेंगे। उन्होंने कहा कि योग को लेकर जनता में व्यापक उत्साह है, और यह भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है। इस मौके पर ओलंपियन पहलवान योगेश्वर दत्त, पूर्व विधायक रामफल चिड़ाना, डॉ. ओमप्रकाश शर्मा, रीना शर्मा, महेंद्र चिड़ाना, राजेश भावड़, कश्मीरी खासा सहित अनेक गणमान्य लोग व पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम में संगठनात्मक योजनाओं और सामाजिक जुड़ाव पर विशेष बल दिया गया।

एक देश एक चुनाव से भारत का और तेजी से होगा विकास : सांसद धर्मवीर

एजेंसी

झज्जर। भिवानी-महेन्द्रगढ़ से लोकसभा सदस्य धर्मबीर सिंह ने कहा कि एक देश एक चुनाव भारत के विकास की जरूरत है। एक साथ चुनाव होने से भारत और ज्यादा तेजी से विकास करेगा। धर्मवीर बहादुरगढ़ में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। बहादुरगढ के एक निजी रेस्टोरेंट में हरियाणा ओलंपिक संघ के उपाध्यक्ष अनिल खत्री ने सांसद धर्मबीर का स्वागत किया। इस मौके पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि देश में बार-बार चुनाव होने से पैसे और समय की बर्बादी होती है और लोगों के बीच गुटबाजी बढ़ती है। उन्होंने कहा कि आज पूरा देश एक देश एक चुनाव की मांग कर रहा है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में यह व्यवस्था अवश्य लागू की जाएगी।सांसद धर्मबीर सिंह ने मोदी

सरकार के 11 बरसों को भारत के बेमिसाल साल बताया। उन्होंने कहा कि इन 11 सालों में भारत ने हर क्षेत्र में तेजी से विकास किया है। सड़क और रेल नेटवर्क को मजबूत किया गया है। हैल्थ सेक्टर में देश को मजबूती मिली है। हर जिले में मेडिकल कॉलेज बनाए गए हैं। लोगों को जैनरिक दवाइयों के जरिये महंगी दवाओं के जाल से छुटकारा दिलवाया और हर व्यक्ति को आयुष्मान योजना के तहत 5 लाख तक का इलाज फ्री देने का काम किया गया है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने देश के जरूरतमंद लोगों को मुफ्त अनाज देने का काम भी किया। सांसद धर्मबीर सिंह ने कहा कि अगर देश का समर्थन यूं ही मिलता रहा तो भारत 2047 से पहले ही विकसित भारत बन जाएगा।धर्मबीर ने कहा कि अब देश में पौधारोपण बढ़ाने की जरूरत है और इस दिशा में तेजी से काम हो रहा है। इस मौके पर हरियाणा तैराकी संघ के सदस्य सुरेश जून, सुनील खत्री और बलवान कादयान भी मौजूद रहे।

हरियाणा के मुख्यमंत्री ने गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री के निधन पर जताया दुःख

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गुजरात के गांधीनगर पहुंचकर पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी के आकस्मिक निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया और परिजनों को ढांढस बंधाया। अपनी संवेदनाएं प्रकट करते हुए नायब सिंह सैनी ने कहा कि विजय रूपाणी जी का एक लंबा राजनीतिक सफर रहा है। उनका जीवन सादगी भरा रहा और वे सदैव जनसेवा के लिए समर्पित रहे। हम लगातार संपर्क में थे, हमेशा एक-दूसरे से मिलते थे। उनके निधन से सिर्फ परिवार को ही नहीं, बल्कि गुजरात की जनता और पूरे देश में लोगों को गहरा सदमा पहुंचा है। मेरी भगवान से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और अपने श्रीचरणों में स्थान दें। नायब सिंह सैनी ने कहा कि हाल ही में अहमदाबाद में हुआ विमान हादसा बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण घटना थी, जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। उन्होंने इस घटनाक्रम में सभी मृतकों को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए ईश्वर से परिजनों को दुःख सहन करने और दिवंगत आत्माओं को श्रीचरणों में स्थान देने की प्रार्थना भी की। इस मौके पर हरियाणा भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल कौशिक भी मौजूद रहे।

केएमपी एक्सप्रेसवे के दोनों तरफ होगा पौधरोपण : राव नरबीर

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के पर्यावरण, वन एवं वन्य जीव मंत्री राव नरबीर सिंह ने कुंडली-मानेसर-पलवल एक्सप्रेसवे के दोनों ओर पेड़ लगाने की प्रक्रिया को तेज करने के निर्देश दिए हैं। पौधे वन विभाग उपलब्ध करवाएगा, लेकिन इनकी देखभाल, सुरक्षा और रखरखाव की जिम्मेदारी पूरी तरह एचएसआईआईडीसी की होगी। इसके मानसून से पहले एचएसआईआईडीसी एक कार्य योजना तैयार कर प्रस्तुत करे। इन पौधों पर वन विभाग का मालिकाना हक नहीं रहेगा।मंत्री राव नरबीर सिंह चंडीगढ़ में विभिन्न विभागों की समन्वय बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में जानकारी दी गई कि 15 जुलाई को राज्यभर में एक साथ वृहदद्ध पौधारोपण अभियान चलाया जाएगा। इसके तहत सार्वजनिक स्थलों, तालाबों, नदियों के किनारे और पंचायत भूमि पर पौधारोपण करेगा। इसमें एनजीओ, सामाजिक संस्थान, औद्योगिक घरानों का सहयोग लिया जाएगा। शहरी क्षेत्रों के प्रमुख चौराहों पर पौधारोपण का

जिम्मा उद्योगों को सौंपा जाएगा और इन स्थानों पर संबंधित कंपनी की पट्टिका लगाई जाएगी। मंत्री नरबीर ने बताया कि केएमपी एक्सप्रेसवे पर पौधारोपण दो चरणों में किया जाए। पहला चरण कुंडली से मानेसर और दूसरा मानेसर से पलवल तक। उन्होंने कहा कि यदि आवश्यक हो तो किसी अनुभवी लैंडस्केप एजेंसी की सेवाएं ली जा सकती हैं। उन्होंने अधिकारियों को 26 जून तक विस्तृत कार्य योजना प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने कहा कि रायपुर नर्सरी में नीम, पीपल, पिलखन, अर्जुन, बड़ जैसे पेड़ों को तीन-चार वर्षों तक पाल-पोसकर परिपक्व बनाया जाएगा ताकि बाद में उन्हें विभिन्न स्थानों पर रोपित किया जा सके। दक्षिण हरियाणा में खेजड़ी, रोहेड़ा, जाल, रोंझ जैसे प्रजातियों को प्रोत्साहित करने हेतु किसानों को योजना के तहत लाभ देने पर भी चर्चा हुई।

प्रशासन ने तंबाकू के दुष्प्रभावों से अवगत कराया

एजेंसी

पानीपत। राष्ट्रीय तम्बाकू नियन्त्रण कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रशासन ने इससे होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में लोगों को जागरूक किया। बताया गया कि तंबाकू के सेवन से मरने वालों की संख्या दो हजार दो सौ व्यक्ति प्रतिवर्ष है। जिला उपायुक्त डॉ वीरेंद्र कुमार दहिया ने बताया कि कोटपा एक्ट के अन्तर्गत किसी भी सार्वजनिक स्थल जैसे अस्पताल, रेलवे स्टेशन, शिक्षण संस्थान, अदालती इमारत, होटल, पार्क, गेस्ट हाउस, ढाबे, पुस्तकालय, स्टेडियम, बस स्टैंड, बस स्टॉप, बैंक आदि पर धूम्रपान करना कानूनन जुर्म है। इस एक्ट की अवहेलना करने पर 200 रुपये तक का जुर्माना किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि इस कानून के तहत उपरोक्त सभी सार्वजनिक स्थलों पर धूम्रपान निषेध क्षेत्र का बोर्ड लगाना अनिवार्य है तथा बोर्ड पर स्थान के मुखिया का नाम व नम्बर अंकित होना भी आवश्यक है।

तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. ललित कुमार ने बताया कि कोटपा सेक्शन-6 ए के

अनुसार किसी भी नाबालिग को तम्बाकू उत्पाद बेचना या उससे बिकवाना दण्डनीय अपराध है। तम्बाकू विक्रेता इस बात को भी सुनिश्चित करे कि जिसे वह तम्बाकू उत्पाद बेच रहा है वह 18 वर्ष से कम आयु का न हो। इस एक्ट के अनुसार विक्रेता को अपनी दुकान पर एक चेतावनी बोर्ड भी लगाना अनिवार्य है, जिस पर लिखा हो कि 18 वर्ष से कम आयु के व्यक्ति को तम्बाकू पदार्थ बेचना दंडनीय अपराध है।

उन्होंने बताया कि प्रतिवर्ष विश्व में लगभग 55 लाख व्यक्ति तम्बाकू के कारण होने वाली बीमारियों से मृत्यु को प्राप्त होते हैं तथा 2200 से अधिक लोग भारत में तम्बाकू के कारण होने वाली बीमारियों से मरते हैं। इस अवसर पर एडीसी डा. पंकज यादव, सीईओ जिला परिषद डा. किरण सिंह. एसडीएम पानीपत मनदीप सिंह, एसडीएम इसराना नवदीप सिंह, सहित शिक्षा व स्वास्थय विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

गुरुग्राम विवि में तीन व चार जुलाई को होगा शहरी स्थानीय निकायों का राष्ट्रीय सम्मेलन

एजेंसी

गुरुग्राम। जिला में आगामी 3-4 जुलाई को होने वाले शहरी स्थानीय निकायों के राष्ट्रीय सम्मेलन की तैयारी आरंभ हो चुकी है। लोकसभा सचिवालय ने इस महत्वपूर्ण सम्मेलन के आयोजन की जिक्कमेवारी हरियाणा विधानसभा को दी है। हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण लाल मिड्ढा ने राष्ट्रीय शहरी स्थानीय निकाय सम्मेलन की तैयारियों को लेकर पीडबल्यूडी रेस्ट हाऊस में अधिकारियों की बैठक ली।डा. कृष्ण लाल मिड्ढा ने कहा कि इस सम्मेलन में देश के सभी राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों से शहरी स्थानीय निकाय संस्थाओं के मंत्री व वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे। राष्ट्रीय शहरी स्थानीय निकाय सम्मेलन का आयोजन 3-4 जुलाई को गुरुग्राम विश्वविद्यालय

परिसर में होगा। इस सम्मेलन में देश के सभी राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों के 500 से अधिक डेलिगेट्स भागीदारी करेंगे। इस सम्मेलन के लिए डेलिगेट्स का आगमन दो जुलाई को होगा, ऐसे में सभी के ठहरने की व्यवस्था गुरुग्राम में की जाएगी। उन्होंने डेलिगेट्स के स्वागत, ठहरने, आयोजन स्थल तक आवागमन, सम्मेलन के लिए पंजीकरण, राउंड द क्लॉक स्वास्थ्य सुविधाएं, यातायात प्रबंधन व सुरक्षा सहित अन्य इंतजामों को लेकर जिला प्रशासन गुरुग्राम के अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उद्घाटन के साथ पांच अलग-अलग सत्र भी होंगे आयोजित विधानसभा उपाध्यक्ष ने बताया कि लोकसभा सचिवालय से मिली जानकारी के अनुसार गुरुग्राम विश्वविद्यालय के मुख्य सभागार में उद्घाटन व समापन सत्र आयोजित होंगे।

परिसर में ही पांच अलग-अलग थीम पर आधारित डेलिगेट्स के लिए विशेष सत्र आयोजित किए जाएंगे। आयोजन स्थल पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन व व्यापक प्रचार-प्रसार सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग, हरियाणा द्वारा की जाएगी। सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग, हरियाणा के महानिदेशक के. मकरंद पांडुरंग वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से बैठक में शामिल हुए। उन्होंने विभिन्न व्यवस्थाओं को लेकर विभाग की तैयारियों से आयोजन समिति को अवगत कराया।

डीएचबीवीएन ने उपभोक्ता को थमाया 30 करोड़ का बिजली बिल

एजेंसी

सिरसा। राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र के निदेशक अनुज महाजन व गुरप्रीत लहल ने जिला सिरसा का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने उपायुक्त शांतनु शर्मा से मुलाकात की और जिले में केंद्र व राज्य सरकार की चल रही तथा प्रस्तावित आईटी परियोजनाओं और ई-गवर्नेंस पहलों की प्रगति पर चर्चा की। बैठक में एनआईसी के जिला सूचना विज्ञान अधिकारी सिकंदर और अतिरिक्त जिला सूचना विज्ञान अधिकारी हरीश भी मौजूद रहे।डीआईओ सिकंदर ने निदेशक अनुज महाजन व गुरप्रीत लहल से जिले में डिजिटल पहल और आईटी अवसंरचना की वर्तमान स्थिति से संबंधित विस्तृत जानकारी दी। निदेशक अनुज महाजन ने साइबर सुरक्षा को मजबूत करने और डिजिटल बुनियादी ढांचे की रक्षा के लिए जागरूकता कार्यक्रमों की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने सभी अधिकारियों को सरकारी ईमेल

आईडी का उपयोग सुनिश्चित करने के लिए प्रोत्साहित किया गया, ताकि आधिकारिक संचार अधिक सुरक्षित और विश्वसनीय बन सके। उन्होंने कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी ई-गवर्नेंस को सशक्त बना रही है जिस कारण नागरिक सेवाओं की पहुंच को सरल बना रही है। उन्होंने कहा कि जिले में आईटी तंत्र को सशक्त बनाएं ताकि भविष्य की डिजिटल जरूरतों को बेहतर ढंग से पूरा किया जा सके।

बिना परमिट मिट्टी की खुदाई करते मिली पोकलेन मशीन जब्त

एजेंसी

फरीदाबाद। खनन एवं अन्य सम्बंधित विभागों की संयुक्त टीम ने मांगर-धौज क्षेत्र में निरीक्षण के दौरान एक पोकलेन मशीन बिना किसी वैध परमिट के मिट्टी की खुदाई करते पायी गयी। डीसी विक्रम सिंह ने बताया कि बगैर परमिट के अवैध रूप से मिट्टी की खुदाई करते हुए पकड़े जाने पर मौके पर तैनात पुलिस टीम द्वारा मशीन को रोका गया और नियमानुसार कार्रवाई करते हुए पोकलेन मशीन को जब्त कर लिया गया और थाना धौज में जमा करा दिया गया है। डीसी ने कहा कि हरियाणा सरकार अवैध खनन पर प्रभावी रोक लगाने के लिए लगातार कठोर कदम उठा रही है।डीसी विक्रम सिंह के मार्गदर्शन में निर्देशों की पलना करते हुए जिला खनन अधिकारी कमलेश बिधलान के नेतृत्व में खनन विभाग की टीम ने जिले में प्रभावी जांच अभियान चलाया हुआ है। इसी क्रम में बुधवार देर शाम मांगर-धौज क्षेत्र में एक पोकलेन मशीन को बिना वैध परमिट के मिट्टी की खुदाई करते हुए पकड़ा गया। यह मशीन धौज क्षेत्र में खनिज

सामग्री निकालने के काम में लगी हुई थी। पोकलेन मशीन द्वारा लगभग तीन एकड़ क्षेत्र में गहराई तक मिट्टी की खुदाई करते हुए पकड़ा गया। यह कार्य बिना किसी वैध परमिट या ई-रवाना बिल के किया जा रहा था, जिसके चलते मशीन को मौके पर ही जब्त कर नज़दीकी थाना धौज में भेज दिया गया है। खनन अधिकारी ने बताया कि विभागीय नियमों के तहत उचित कानूनी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि हरियाणा सरकार अवैध खनन के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपना रही है। इसके लिए नियमित रूप से औचक निरीक्षण, वाहनों की जांच एवं अन्य आवश्यक कार्रवाई की जा रही हैं।

भाजपा कार्यकर्ता हर स्तर पर लोगों को योग के लिए करें जागरूक: राजेश सपरा

एजेंसी

यमुनानगर। भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश सपरा ने भाजपा जिला यमुनानगर कार्यालय में कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर संगठन के आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी। भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश सपरा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए बताया कि मोदी सरकार के 11 साल बेमिसाल रहे हैं। मोदी सरकार की 11 साल की उपलब्धियों पर हो रहे कार्यक्रमों को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह, ऊर्जा और समर्पण का अद्वितीय वातावरण देखने को मिला, जो संगठन की ताकत और जनभागीदारी का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि अब 21 जून को होने वाले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर भाजपा कार्यकर्ता प्रदेश, जिला,मंडल,शक्ति केंद्र,बूथ स्तर पर लोगों को साथ लेकर योग करें और योग के प्रति जागरुक करें। उन्होंने कहा कि 23 जून को डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस के मौके पर सभी बूथ केंद्रों पर कार्यक्रम आयोजित कर डा. मुखर्जी के जीवन और बलिदान के बारे में लोगों को बताएं। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए कहा कि 23

जून से 6 जुलाई तक चौपाल, मोहल्ला बैठक और संकल्प सभाएं होनी हैं। इन दिनों में सेवा के कार्य करें और पर्यावरण को स्वच्छ बनाने के लिए अधिक से अधिक पौधारोपण करें। आज देश का हर नागरिक बदलते भारत को देख रहा है। उन्होंने कहा कि लोगों को हमें मोदी सरकार की हर योजना और उपलब्धियों की जानकारी कार्यक्रमों के माध्यम से देनी है।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत का डंका पूरी दुनिया में बज रहा है : कंवरपाल

एजेंसी

यमुनानगर। भाजपा सरकार के 11 साल के संकल्प से सिद्धि कार्यक्रम के तहत पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवरपाल गुर्जर ने जगाधरी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत जगाधरी शहर के विभिन्न वार्डो में कार्यक्रम किए। उनका भव्य स्वागत हुआ। जगाधरी शहर के वार्ड नंबर एक में गुरुवार को नागरिकों को सम्बोधित करते हुए पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवरपाल गुर्जर ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केंद्र की भाजपा सरकार ने महिला सशक्तिकरण के लिए लोकसभा और विधानसभा चुनाव में 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया है। इसी प्रकार से प्रत्येक घर में शौचालय बनवाने का काम किया है, जिससे विशेष कर गरीब महिलाओं को बहुत ही राहत मिली है। प्रधानमंत्री मोदी ने भारत में ही डीएपी खाद बनाने के कारखाना लगाने का निर्णय लिया जबकि पहले डीएपी खाद विदेश से ही आती थी। उन्होंने कहा कि खेती की जोत कम होने के चलते प्रधानमंत्री ने किसानों को किसान सम्मान निधि के रूप में आर्थिक सहायता देने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि इन 11 वर्षों में देश की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है और आज भारत विश्व की चौथी अर्थव्यवस्था बन गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत का डंका बज रहा है।

भाजपा सरकार के शासनकाल में चौमुखी विकास हुआ है। आज देश के हर राज्य में राष्ट्रीय राजमार्ग, प्रदेशों में सड़कों का जाल, हवाई अड्डे, अस्पताल और आईआईटी जैसे संस्थानों का निर्माण हुआ है। वहीं

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का विजन है कि भारत को 2047 तक विकसित देश बनाना है और इसके लिए सभी प्रदेश की सरकारों ने अपने-अपने राज्यों में विकास की गति दी है।

सिंगल यूज पॉलीथिन के स्थान पर दूसरे विकल्पों को अपनाएं: निगमायुक्त

एजेंसी

हिसार। नगर निगम आयुक्त नीरज ने कहा है कि सिंगल यूज प्लास्टिक के सामान व सिंगल यूज पॉलीथिन हमारे पर्यावरण के लिए बहुत हानिकारक है। यह न केवल भूमि और जल को प्रदूषित करता है, बल्कि जीव-जंतुओं के जीवन को भी खतरे में पहुंचता है। शहर को साफ, स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए शहरवासियों को उनके विकल्पों को अपनाएं। निगमायुक्त नीरज ने गुरुवार को कहा कि ऐसी वस्तुओं का इस्तेमाल करें जिन्हें कई बार इस्तेमाल किया जा सके। जैसे कपड़े के शॉपिंग बैग, स्टेनलेस स्टील की बोतलें, स्टुअल कप आदि। इससे सिंगल यूज प्लास्टिक व सिंगल यूज पॉलीथिन से होने वाले प्रदूषण व कचरे को कम करने में मदद मिलती है और लंबे समय में पैसे भी बचा सकते हैं। इस तरह की पहल से हम अपने शहर के पर्यावरण को स्वच्छ और सुंदर बनाने में सहयोग कर सकते हैं। शहर को सिंगल यूज प्लास्टिक के सामान व सिंगल

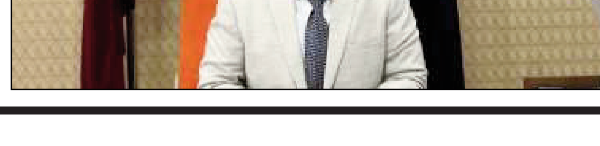

यूज पॉलीथिन मुक्त बनाने के लिए शहरवासियों, समाजसेवी संगठनों, व्यापारियों, धार्मिक संगठनों के सहयोग की आवश्यकता है। उन्होंने जनता से अपील की कि सिंगल यूज प्लास्टिक के सामान व सिंगल यूज पॉलीथिन मुक्त बनाने के लिए न तो इनका इस्तेमाल करें और न इनको बेचें। व्यापारी इसके बारे में अधिक जानकारी के लिए नगर निगम कार्यालय या प्रदूषण बोर्ड में संपर्क कर सकते हैं। निगमायुक्त नीरज ने कहा कि नगर निगम द्वारा समय-समय पर शहरवासियों को इसके लिए जागरूक भी किया जा रहा है। इसके साथ-साथ नगर निगम द्वारा सिंगल यूज प्लास्टिक के सामान व सिंगल यूज पॉलीथिन को जब्त भी किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि 24 जून से सिंगल यूज प्लास्टिक के सामान व सिंगल यूज पॉलीथिन का इस्तेमाल करने वालों पर सख्त कार्रवाई करते हुए सामान जब्त के साथ-साथ चालान भी किए जाएंगे।

सभी व्यवसाय बंद रखने से हमें अरबों डॉलर का नुकसान होता हैः ट्रंप

- ट्रंप ने अमेरिका में नॉन-हॉलिडे के आर्थिक प्रभाव के बारे में चिंता व्यक्त करते हुए कहा

न्यूयॉर्क ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका में नॉन-हॉलिडे के आर्थिक प्रभाव के बारे में चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि सभी व्यवसायों को बंद रखने से हमें अरबों डॉलर का नुकसान होता है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ पर लिखा, अमेरिका में बहुत सारी गैर-कामकाजी छुट्टियां हैं। इससे हमारे देश को अरबों डॉलर का नुकसान हो रहा है, क्योंकि इन छुट्टियों में सारी दुकानें और व्यवसाय बंद रहते हैं। कर्मचारी भी ऐसा नहीं चाहते हैं।

जल्द ही हम साल के हर एक कार्य दिवस पर छुट्टी मनाने लगेंगे। अगर हम अमेरिका को फिर से महान बनाना चाहते हैं तो इसे बदलना होगा। हालांकि, अपने इस पोस्ट में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अवकाश का नाम स्पष्ट रूप से नहीं बताया, लेकिन यह पोस्ट 20 जून 2025 को जूनटीन्थ के दिन पोस्ट किया गया है, जो 19 जून 1865 की घटना की याद में मनाया जाता है।

19 जून 1865 के दिन टेक्सास के गैल्वेस्टन में सैनिकों ने आकर अंतिम अश्वेत दासों को मुक्त करने का आदेश दिया था, जिसे गुलामी के अंत की शुरुआत का प्रतीक माना जाता है। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, जूनटीन्थ के सम्मान में अधिकतर राष्ट्रीय बैंक, संघीय कार्यालय और संयुक्त राज्य डाक सेवा बंद रहे। हालांकि, वॉलमार्ट, कॉस्टको, टारगेट और स्टारबक्स जैसे प्रमुख स्टोर छुट्टी के दिन भी खुले रहे। इससे पहले, पत्रकारों ने व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट से दिन में पूछा कि जूनटीन्थ को लेकर ट्रंप का प्लान क्या है? उन्होंने जवाब दिया कि मैं आज किसी आधिकारिक बयान या दस्तावेज पर उनके हस्ताक्षर के बारे में नहीं जानती। मुझे बस इतना पता है कि आज एक सरकारी छुट्टी है।

केंद्र सरकार ने सोना युक्त कीमती मिश्र धातुओं के आयात पर लगाई रोक

नई दिल्ली ।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के संगठन विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने वजन के हिसाब से 1 प्रतिशत से अधिक सोने वाले पैलेडियम, रोडियम और इरिडियम के मिश्रधातुओं के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया है। वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार यह उपाय प्लेटिनम के आयात पर मौजूदा प्रतिबंध का विस्तार करता है। बयान में कहा गया है कि इसमें अब 4 अंकों के स्तर पर संपूर्ण कस्टम्स टैरिफ हेडिंग (सीटीएच) 7110 शामिल है, जिससे कीमती धातुओं और उनके मिश्र धातुओं को नियंत्रित करने वाली आयात नीति में एकरूपता सुनिश्चित होती है। बयान में आगे कहा गया है कि यह नीति 1 प्रतिशत से कम सोने वाले मिश्र धातुओं के मुफ्त आयात की अनुमति देकर व्यापार को सुविधाजनक बनाती है, जिससे इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटो कंपोनेंट और स्पेशल केमिकल इंडस्ट्री सहित औद्योगिक और विनिर्माण क्षेत्रों के लिए बिना किसी व्यवधान के इनपुट की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित होती है। यह कैलिब्रेटेड दृष्टिकोण व्यापार सुविधा को नियामक निगरानी की आवश्यकता के साथ संतुलित करता है।

खाद्य तेल की कमी और कीमतों में बढ़ोतरी की आशंका

- कांडला पोर्ट पर जहाजों की भारी भीड़ और माल उतराई में हो रही देरी

नई दिल्ली ।

आने वाले दिनों में खाने के तेल की कमी और कीमतें बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। बताया जा रहा है` कि कांडला पोर्ट पर जहाजों की भारी भीड़ और माल उतराई में हो रही देरी होने की वजह से यह` स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए) और कई व्यापारिक संगठनों ने सरकार को चेताया है कि यदि पोर्ट की स्थिति में सुधार नहीं हुआ, तो देशभर में सप्लाई चेन बाधित हो सकती है और तेल महंगा हो सकता है। एसईए के अनुसार, नवंबर 2024 से मई 2025 के बीच भारत का खाद्य तेल आयात 9 फीसदी गिरकर 78.8 लाख टन रहा, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 86.7 लाख टन था। भारत हर महीने लगभग 7.5 लाख टन पाम ऑयल आयात करता है और यह दुनिया का सबसे बड़ा खाद्य तेल आयातक है। कांडला पोर्ट पर फिलहाल 157,000 टन तेल लादे 8 जहाज बर्थिंग का इंतजार कर रहे हैं। सिर्फ 2 जहाजों से 45,000 टन तेल की अनलोडिंग हो रही है। अगले कुछ दिनों में 159,000 टन तेल के साथ 5 और जहाज पहुंचने वाले हैं। पोर्ट अधिकारियों के अनुसार फिलहाल 6 खाद्य तेल और 6 रसायन वाले जहाज एंकर पर हैं। शुल्क कटौती बनी आयात बढ़ने की वजह से कांडला पोर्ट अथॉरिटी के एक प्रमुख अे धिकारी के अनुसार मई में आयात शुल्क में कटौती के बाद खाद्य तेल की आवक में अचानक तेज़ी आई है। उन्होंने कहा कि औसतन 8-10 दिन की प्रतीक्षा हो रही है लेकिन संचालन प्रक्रियाओं को सख्त किया गया है और समाधान की कोशिशें जारी हैं।

कोर्ट ने नीरव मोदी की करोड़ों की संपत्तियों को रिलीज करने की दी अनुमति

- कोर्ट ने यह आदेश पीएनबी द्वारा दायर एक अर्जी पर दिया

नई दिल्ली ।

मुंबई की एक विशेष अदालत ने भगोड़े हीरा व्यापारी नीरव मोदी और उसकी बहन पूर्वी मोदी की पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा जब्त की गई 66.33 करोड़ की संपत्तियों को रिलीज करने की अनुमति दे दी है। कोर्ट ने यह आदेश पीएनबी द्वारा दायर एक अर्जी पर दिया, जिसमें कहा गया था कि इन संपत्तियों को बेचकर या नीलामी के माध्यम से बैंक को हुए नुकसान की आंशिक भरपाई की जा सके। विशेष न्यायाधीश एवी गुजराती ने 17 जून को यह आदेश पारित किया। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि पीएनबी को यह अंडरटेकिंग देनी होगी कि अगर भविष्य में जरूरत पड़ी, तो इन संपत्तियों की बिक्री से प्राप्त राशि को फिर से वसूला जा सकेगा। रिलीज की गई संपत्तियों में नीरव मोदी के मुंबई के वर्ली इलाके स्थित समुद्र महल आवास से बरामद ज्वेलरी, सिक्के, घड़ियां और नकदी शामिल हैं, जिनकी कुल कीमत करीब 40.83 करोड़ है। इसके अलावा, पूर्वी मोदी के नाम पर 19.50 करोड़ का एक फ्लैट और अन्य चल संपत्तियां भी इसी पते से जब्त की गई थीं। प्रवर्तन निदेशालय ने कोर्ट को बताया है कि उसे जब्त संपत्तियों को वापस देने पर कोई आपत्ति नहीं है, बशर्ते कुछ शर्तें पूरी की जाएं। इसके बाद कोर्ट ने पंजाब नेशनल बैंक की अर्जी को मंजूरी देते हुए नीरव मोदी की संपत्तियां उसे लौटाने का आदेश दे दिया। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि नीरव मोदी अब भी भगोड़ा है और भारत लौटने को तैयार नहीं है। नीरव मोदी और उनके मामा मेहुल चोकसी 13,500 करोड़ के पंजाब नेशनल बैंक घोटाले के मुख्य आरोपी हैं। मेहुल चोकसी इस समय बेल्जियम में कानूनी प्रक्रिया का सामना कर रहे हैं, जबकि नीरव मोदी 2019 से ब्रिटेन की जेल में बंद हैं।

दूरसंचार कंपनियों का एजीआर बढ़कर 79,226 करोड़ हुआ

नई दिल्ली । दूरसंचार कंपनियों का मार्च 2025 को समाप्त तिमाही में समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) सालाना आधार पर 12.44 प्रतिशत बढ़कर 79,226 करोड़ रुपये हो गया। दूरसंचार नियामक ट्राई ने हाल ही में एक रिपोर्ट में यह कहा। रिलायंस जियो 29,464 करोड़ रुपये के एजीआर के साथ सूची में सबसे ऊपर है। यह वह राशि है जिससे सरकार लाइसेंस शुल्क और स्पेक्ट्रम उपयोग शुल्क के रूप में अपना हिस्सा एकत्र करती है। ट्राई की रिपोर्ट के मुताबिक, भारती समूह 26,324 करोड़ रुपये के एजीआर के साथ जियो के बाद दूसरे स्थान पर है। हालांकि, कंपनी ने आलोच्य तिमाही में इस खंड में 25.64 प्रतिशत की उच्चतम वृद्धि हासिल की। कर्ज में फंसी वोडाफोन आइडिया का एजीआर 3.84 प्रतिशत बढ़कर 7,653.53 करोड़ रुपये रहा। वहीं बीएसएनएल का समायोजित सकल राजस्व 12.45 प्रतिशत बढ़कर 2,239.54 करोड़ रुपये रहा।मार्च तिमाही के दौरान टाटा टेलीसर्विसेज का एजीआर 2.31 प्रतिशत बढ़कर 677 करोड़ रुपये और एमटीएनएल का एजीआर 6.04 प्रतिशत घटकर 147 करोड़ रुपये रहा। ट्राई की रिपोर्ट के अनुसार, मार्च 2025 की तिमाही में दूरसंचार सेवा प्रदाताओं का सकल राजस्व सालाना आधार पर 11.74 प्रतिशत बढ़कर 98,250 करोड़ रुपये रहा। दूरसंचार सेवा प्रदाताओं के राजस्व में वृद्धि मुख्य रूप से जुलाई, 2024 में मोबाइल सेवाओं की दर में वृद्धि के कारण हुई। इस कदम से दूरसंचार कंपनियों के लिए प्रति उपयोगकर्ता औसत राजस्व (एआरपीयू) 19.16 प्रतिशत बढ़कर 182.95 रुपये हो गया। एजीआर पर लगाये गये लाइसेंस शुल्क के रूप में सरकार का संग्रह सालाना 12.46 प्रतिशत बढ़कर 6,340 करोड़ रुपये, जबकि स्पेक्ट्रम उपयोग शुल्क 15.08 प्रतिशत बढ़कर 1,000 करोड़ रुपये हो गया।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपया 10 पैसे की तेजी के साथ ही 86.63 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और डॉलर के कमजोर रुख के बीच रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में 13 पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.60 पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.65 पर खुला। बाद में पिछले बंद भाव के मुकाबले 13 पैसे की बढ़त के साथ 86.60 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। रुपया गुरुवार को 30 पैसे टूटकर दो महीने के निचले स्तर 86.73 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। पिछले तीन सत्र में यह कुल 69 पैसे टूटा था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.31 फीसदी की गिरावट के साथ 98.59 पर रहा।

Quality, Reliability, Excellence
OSWAL PUMPS
OSWAL
PUMPS & MOTORS

ओसवाल पंप्स का शेयर तीन प्रतिशत से अधिक बढ़त पर सूचीबद्ध

नई दिल्ली । ओसवाल पंप्स का शेयर अपने 614 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले तीन प्रतिशत से अधिक बढ़त के साथ शुक्रवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर निर्गम मूल्य से 2.93 प्रतिशत की बढ़त के साथ 632 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। बाद में यह 5.35 प्रतिशत चढ़कर 646.90 रुपये पर पहुंच गया। एनएसई पर शेयर ने 3.25 प्रतिशत की बढ़त के साथ 634 रुपये पर कारोबार शुरू किया। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 7,389.73 करोड़ रुपये रहा। ओसवाल पंप्स के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को मंगलवार को बोली के अंतिम दिन 34.42 गुना अभिदान मिला था। कंपनी का आईपीओ 890 करोड़ रुपये मूल्य के नए शेयरों और प्रवर्तक विवेक गुप्ता द्वारा 81 लाख शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन है। इस तरह निर्मग का कुल आकार 1,387.34 करोड़ रुपये है। इसके लिए 584-614 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा रखा गया था। ओसवाल पंप्स ने बड़े (एंकर) निवेशकों से 416 करोड़ रुपये से अधिक राशि जुटाई है। नए निर्गम से प्राप्त राशि का उपयोग कंपनी के कुछ पूंजीगत व्ययों के वित्तपोषण, ऋण या इक्विटी के रूप में पूर्ण-स्वामित्व वाली अनुषंगी ओसवाल सोलर में निवेश, हरियाणा के करनाल में नई विनिर्माण इकाइयां स्थापित करने, ऋण का भुगतान करने और सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा।

एचडीबी फाइनेंशियल का आईपीओ 25 जून को खुलेगा

- मूल्य दायरा 700-740 रुपये प्रति शेयर

नई दिल्ली । एचडीएफसी बैंक की अनुषंगी इकाई एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज ने अपने 12,500 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 700-740 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। कंपनी ने शुक्रवार को एक बयान जारी करते हुए कहा कि एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज का आईपीओ 25 जून को खुलेगा और 27 जून को संपन्न होगा। बड़े निवेशक 24 जून को बोली लगा पाएंगे। यह कंपनी का पहला आईपीओ है। आईपीओ 2,500 करोड़ रुपये के नए शेयर और प्रवर्तक एचडीएफसी बैंक द्वारा 10,000 करोड़ रुपये की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन है। एचडीएफसी बैंक की उसकी गैर-बैंकिंग वित्तीय इकाई एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज में वर्तमान में 94.36 प्रतिशत हिस्सेदारी है।कंपनी के शेयर के दो जुलाई को बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध होने की उम्मीद है।

वोल्वो कार्स ने टाटा टेक्नोलॉजीज को बनाया रणनीतिक साझेदार

- दोनों मिलकर करेंगे ऑटोमोबाइल का डिजिटल भविष्य तय

नई दिल्ली । स्वीडिश ऑटोमोबाइल कंपनी वोल्वो कार्स ने भारतीय कंपनी टाटा टेक्नोलॉजीज को रणनीतिक सप्लायर बना लिया है। यह साझेदारी टाटा टेक्नोलॉजीज के लिए एक बड़ा मील का पत्थर है। इस गठजोड़ के तहत दोनों कंपनियां मिलकर एक स्मार्ट, सुरक्षित और सस्टेनेबल ऑटोमोटिव भविष्य की दिशा में काम करेंगी, खासकर इलेक्ट्रिक व्हीकल्स और सॉफ्टवेयर-डिफाइंड व्हीकल (एसडीवी) के क्षेत्र में। इस रणनीतिक साझेदारी के तहत टाटा टेक्नोलॉजीज, वोल्वो कार्स को प्रोडक्ट इंजीनियरिंग, एम्बेडेड सॉफ्टवेयर सॉल्यूशंस और प्रोडक्ट लाइफसायकल मैनेजमेंट (पीएलएम) सेवाओं में सहायता करेगी। यह सहयोग न केवल भारत से बल्कि रोमानिया, पोलैंड और स्वीडन के गोथेनबर्ग स्थित टाटा के ऑटोमोटिव सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से भी दिया जाएगा। टाटा टेक्नोलॉजीज की यह भूमिका वोल्वो के इलेक्ट्रिफिकेशन और सॉफ्टवेयर-ड्रिवन मोबिलिटी प्लेटफॉर्म्स को विकसित करने में मदद करेगी। कंपनी की विशेषज्ञता वोल्वो की वैश्विक इंजीनियरिंग क्षमताओं को मजबूती देने का काम करेगी। वोल्वो कार्स लंबे समय से ऑटोमोबाइल सेफ्टी और पर्यावरणीय स्थिरता की दिशा में अग्रणी भूमिका निभा रही है। अब कंपनी मोबिलिटी को पूरी तरह से सॉफ्टवेयर-डिफाइंड प्लेटफॉर्म पर पुनर्परिभाषित करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। ऐसे में टाटा टेक्नोलॉजीज जैसी कंपनियों की भूमिका बेहद अहम हो जाती है, जो अत्याधुनिक तकनीकी समाधान प्रदान कर सकती हैं।

इजरायल का सरकारी खजाना खाली होने की कगार पर

जेरुसलम । मिडिल ईस्ट में जारी ईरान-इजरायल संघर्ष अब महज सैन्य टकराव नहीं रहा, बल्कि एक गंभीर आर्थिक जंग में बदल चुका है। इजरायल हर दिन करीब 63 अरब रुपए (725 मिलियन डॉलर) खर्च कर रहा है, जिससे उसकी अर्थव्यवस्था पर भारी दबाव बन गया है और सरकारी खजाना तेजी से खाली होता जा रहा है। यह खुलासा इजरायली सेना (आईडीएफ) के पूर्व वित्तीय सलाहकार ब्रिगेडियर जनरल (रिजर्व) रीम अमीनाच ने किया है। उनके अनुसार, युद्ध शुरू होने के सिर्फ पहले दो दिन में ही इजरायल ने 1.45 अरब डॉलर खर्च कर दिए जिसमें हमला और रक्षा दोनों खर्च शामिल हैं। इजरायल ने ईरान पर जो पहला हमला किया, उसमें विमानों के उड़ने और हथियारों के इस्तेमाल का खर्च 593 मिलियन डॉलर था। बाकी पैसा मिसाइलों को रोकने वाले सिस्टम और रिजर्व सैनिकों को बुलाने में खर्च हुआ। अमीनाच ने यह भी कहा कि यह सिर्फ सीधा खर्च है। इनडायरेक्ट कॉस्ट, जैसे जीडीपी पर असर अभी नहीं मापा जा सकता। असली बिल तो तब पता चलेगा जब नागरिक संपत्ति को हुए नुकसान और काम में कमी जैसे खर्चों को जोड़ा जाएगा। युद्ध के चलते इजरायल की आर्थिक विकास की उम्मीदें कम हो गई हैं। वित्त मंत्रालय ने पहले ही इस साल के लिए जीडीपी का 4.9 फीसदी घाटा तय किया था। यह लगभग 27.6 अरब डॉलर है। देश के बजट में इमरजेंसी के लिए कुछ पैसा रखा गया था लेकिन वह ज्यादातर गाजा युद्ध में ही खर्च हो गया। अब ईरान के साथ चल रहे युद्ध के लिए अलग से कोई व्यवस्था नहीं है।

शेयर बाजार भारी तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स में 1046 और निफ्टी में 319 अंकों की बढ़त

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को भारी तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। इसी के साथ ही पिछले तीन दिनों से जारी गिरावट भी रुक गयी। आज दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1046.30 अंक बढ़कर 82,408.17 अंकों पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी भी 319.15 अंकों के उछाल के साथ ही साथ 25,112.40 अंकों पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ था। आज कारोबार के दौरान भारती एयरटेल के शेयरों में सबसे ज्यादा 3.17 फीसदी की बढ़त दर्ज की गयी। सेंसेक्स की 30 में से 27 कंपनियों के शेयर आज बढ़त के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए जबकि केवल 3 कंपनियों के शेयर ही टूटकर लाल निशान पर बंद हुए। निफ्टी की 50 में से 44 कंपनियों के शेयर बढ़त के साथ हरे निशान पर बंद हुए , वहीं 6 कंपनियों के शेयर नीचे आने के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए। आज सेंसेक्स की कंपनियों में केवल भारती एयरटेल के शेयर सबसे ज्यादा 3.17 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुए जबकि एक्सिस बैंक के शेयरों में आज सबसे ज्यादा 0.16 फीसदी की गिरावट रही।

इनके अलावा नेस्ले इंडिया के शेयर 2.98 फीसदी, महिंद्रा एंड महिंद्रा 2.86फीसदी, पावरग्रिड 2.18फीसदी, रिलायंस इंडस्ट्रीज 2.08फीसदी, एचडीएफसी बैंक 1.54फीसदी, एनटीपीसी 1.43फीसदी, एसबीआई 1.40फीसदी, एचसीएल टेक 1.37फीसदी, सनफार्मा 1.24फीसदी, अडाणी पोर्ट्स 1.08फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक 1.02फीसदी तेजी के साथ बंद हुए। वहीं अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर 0.07 फीसदीऔर मारुति सुजुकी के शेयर 0.02 फीसदी की हल्की गिरावट के साथ बंद हुए।

वहीं आज सुबह सकारात्मक एशियाई संकेतों की वजह से बाजार की बढ़त के साथ शुरुआत की। पीएसयू बैंक, आईटी और ऑटो सेक्टर में खरीदारी देखने को मिली। सेंसेक्स 228.15 अंक बढ़कर 81,590.02 पर कारोबार कर रहा था, जबकि निफ्टी 55.10 अंक बढ़कर 24,848.35 पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी बैंक 102.35 अंक बढ़कर 55,679.80 पर कारोबार कर रहा था। अमेरिकी शेयर बाजार गुरुवार को जूनटीन्थ नेशनल इंडिपेंडेंस डे के अवसर पर बंद था। बुधवार को आखिरी कारोबारी सत्र में अमेरिका में डॉव जोन्स 44.14 अंक की गिरावट के साथ 42,171.66 पर बंद हुआ। एसएंडपी 500 इंडेक्स 1.85 अंक की गिरावट के साथ 5,980.87 पर बंद हुआ और नैस्डैक 25.18 अंक की बढ़त के साथ 19,546.27 पर बंद हुआ।

नामी कारोबारी संजय कपूर की संपति के तीन वारिस, लेकिन अभी कंपनी को मौजूदा बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स संभालेगा

मुंबई।

करिश्मा कपूर के पूर्व पति और नामी कारोबारी संजय कपूर के आकस्मिक निधन ने न सिर्फ उनके परिवार को गहरे शोक में डुबो दिया, बल्कि अब उनके कारोबार और अरबों की संपत्ति को लेकर चर्चाएं तेज हैं। दुनिया की टॉप ऑटो पाट्र्स कंपनियों में शुमार उनकी फर्म को उन्होंने खुद अपने पिता के निधन के बाद 2015 में संभाला था, और कुछ ही सालों में इंटरनेशनल लेवल पर स्थापित किया।

संजय कपूर की कुल संपति कितनी है?

फोर्ब्स की रिपोर्ट के मुताबिक, संजय कपूर की कुल नेटवर्थ 1.2 बिलियन डॉलर (करीब 10,300 करोड़) थी। 2022 से 2024 के बीच उनकी संपत्ति अपने शीर्ष स्तर 1.6 बिलियन डॉलर (13,000 करोड़) तक पहुंची थी। वे भारत और विदेशों में फैले कई व्यवसायों और निवेश योजनाओं से जुड़े थे, जिसमें ऑटो सेक्टर, टेक इनोवेशन, और लग्जरी रियल एस्टेट प्रमुख हैं।

संजय कपूर के परिवार में तीन बच्चे हैं-

संजय और करिश्मा कूपर की बेटी समायरा कपूर, बेटा कियान कपूर है। वहीं संजय की दूसरी पत्नी प्रिया सचदेव से एक बेटा अजरियास कपूर जो अभी सिर्फ 6 साल का है।

कंपनी की बागडोर अब सीधे तौर पर किसी वारिस को नहीं मिलेगी है, क्योंकि तीनों बच्चे अभी सक्रिय रूप से कारोबार से जुड़े नहीं हैं। इसकारण कंपनी का संचालन मौजूदा बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स संभालेगा। हालांकि, रिपोर्ट के अनुसार, संपत्ति का प्रमुख प्रबंधन उनकी पत्नी प्रिया सचदेव को सौंपा गया है।

रिपोट्र्स बताती हैं कि संजय ने करिश्मा से हुए दोनों बच्चों को पहले ही 14 करोड़ रुपये के बॉन्ड्स गिफ्ट किए थे। साथ ही, उन्हें जीवन भर के लिए 10 लाख रुपये प्रति माह की मासिक आय की सुविधा दी गई है। इससे यह स्पष्ट होता है कि उन्होंने अपने बच्चों के भविष्य की आर्थिक सुरक्षा पहले ही सुनिश्चित कर दी थी।

संजय कपूर की कई संपत्तियां अमेरिका, यूके और सिंगापुर जैसे देशों में भी हैं। अब सवाल उठता है कि इन विदेशी संपत्तियों का भविष्य क्या होगा? अगर संजय कपूर ने वसीयत तैयार की थी, तब विदेशी संपत्तियों का बंटवारा उसी के अनुसार होगा। लेकिन अगर वसीयत नहीं है, तब संबंधित देश के उत्तराधिकार कानून के तहत वैध उत्तराधिकारी को वह संपत्ति दी जाएगी। यह उस देश के कानूनी ढांचे पर निर्भर करेगा जहां वह संपत्ति स्थित है।

संभव स्टील ट्यूब्स का आईपीओ 25 जून को खुलेगा

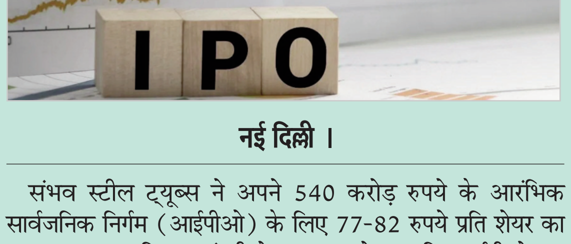

नई दिल्ली ।

संभव स्टील ट्यूब्स ने अपने 540 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 77-82 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया। कंपनी ने शुक्रवार को कहा कि आईपीओ 25 जून को खुलेगा और 27 जून को बंद होगा। यह आईपीओ 440 करोड़ रुपये के नए शेयर और 100 करोड़ रुपये के शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन है। नए निर्गम से हासिल राशि का इस्तेमाल ऋण भुगतान और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। संभव स्टील ट्यूब्स भारत में इलेक्ट्रिक रेजिस्टेंस वेल्डेड (ईआरडब्ल्यू) स्टील पाइप और स्ट्रक्चरल ट्यूब (खोखले अनुभाग) के प्रमुख विनिर्माताओं में से एक है।

एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य: योग से वैश्विक संतुलन की ओर

योगेश कुमार गोयल

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के लिए 21 जून का ही दिन निर्धारित किए जाने की भी खास वजह रही। दरअसल यह दिन उत्तरी गोलार्ध का पूरे कैलेंडर वर्ष का सबसे लंबा दिन होता है। इस दिन की तिथि को ग्रीष्म संक्रांति के साथ मेल खाने के लिए बनाया गया था, जो उत्तरी गोलार्ध में वर्ष का सबसे लंबा दिन होता है और प्रकाश और स्वास्थ्य का प्रतीक है।

योग: *मेड इन इंडिया, मेड फॉर द वर्ल्ड*

दुनिया भर के 170 से भी ज्यादा देश प्रतिवर्ष 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाते हैं और योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने का संकल्प लेते हैं। संयुक्त राष्ट्र ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 69वें सत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा रखे गए प्रस्ताव के जवाब में 11 दिसंबर 2014 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की स्थापना की थी और वैश्विक स्तर पर पहला अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2015 को मनाया गया था। इस वर्ष पूरी दुनिया 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग' थीम के साथ 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मना रही है। इस वर्ष भारत में 'योग संगम 2025' के तहत आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में भव्य आयोजन हो रहा है, जिसमें प्रधानमंत्री मोदी के साथ-साथ आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री और हजारों संगठनों के प्रतिनिधि भाग लेंगे। अनुमान है कि इस आयोजन में 5 लाख से अधिक लोग एक साथ योगाभ्यास करेंगे, जो अपने आप में एक नया रिकॉर्ड होगा।

प्रतिवर्ष यह दिवस मनाने का उद्देश्य योग को एक ऐसे आंदोलन के रूप में बढ़ावा देना है, जो व्यक्ति की तन्यकता को उन्नत करता है और समाज के प्रत्येक व्यक्ति के लिए कल्याण को बढ़ावा देता है। वैसे तो योग को विश्व स्तर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सतत प्रयासों के चलते वर्ष 2015 में अपनाया गया था किंतु भारत में योग का इतिहास सदियों पुराना है। माना जाता रहा है कि पृथ्वी पर सभ्यता की शुरूआत से ही योग किया जा रहा है लेकिन साक्ष्यों की बात करें तो योग करीब पांच हजार वर्ष पुरानी भारतीय परंपरा है। करीब 2700 ईसा पूर्व वैदिक काल में और उसके बाद पतंजलि काल तक योग की मौजूदगी के ऐतिहासिक प्रमाण मिलते हैं। महर्षि पतंजलि ने अभ्यास तथा वैराग्य द्वारा मन की वृत्तियों पर नियंत्रण करने को ही योग बताया था।

हिंदू धर्म शास्त्रों में भी योग का व्यापक उल्लेख मिलता है। विष्णु पुराण में कहा गया है कि जीवात्मा तथा परमात्मा का पूर्णतया मिलन ही अद्वेतानुभूति योग कहलाता है। इसी प्रकार भगवद्गीता बोध में वर्णित है कि दुःख-सुख, पाप-पुण्य, शत्रु-मित्र, शीत-उष्ण आदि द्वंदों से अतीतय मुक्त होकर सर्वत्र समभाव से व्यवहार करना ही योग है। भारत में योग को निरोगी रहने की करीब पांच हजार वर्ष पुरानी मानसिक, शारीरिक और आध्यात्मिक पद्धति के रूप में मान्यता प्राप्त है, जो भारतीयों की जीवनचर्या का अहम हिस्सा है। सही मायनों में योग भारत के पास प्रकृति प्रदत्त ऐसी अमूल्य धरोहर है, जिसका भारत सदियों से शारीरिक और मानसिक लाभ उठाता रहा है, लेकिन कालांतर में इस दुर्लभ धरोहर की अनदेखी का ही नतीजा है कि लोग तरह-तरह की बीमारियों के मकड़जाल में जकड़ते गए। वैसे तो स्वामी विवेकानंद ने भी अपने शिकागो सम्मेलन के भाषण में सम्पूर्ण विश्व को योग का संदेश दिया था लेकिन कुछ वर्षों पूर्व योग गुरु स्वामी रामदेव द्वारा योग विद्या को घर-घर तक पहुंचाने के बाद ही इसका व्यापक प्रचार-प्रसार संभव हो सका और आमजन योग की ओर आकर्षित होते गए। देखते ही देखते कई देशों में लोगों ने इसे अपनाना शुरू किया। साल 2023 में ही लगभग 190 देशों में योग दिवस के तहत 25 करोड़ से अधिक लोगों ने भाग लिया था।

आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली में योग का महत्व कई गुना बढ़ गया है। योग न केवल कई गंभीर बीमारियों से छुटकारा दिलाने में मददगार साबित होता है बल्कि मानसिक तनाव को खत्म कर आत्मिक शांति भी प्रदान करता है। दरअसल यह एक ऐसी साधना, ऐसी दवा है, जो बिना किसी लागत के शारीरिक एवं मानसिक बीमारियों का इलाज करने में सक्षम है। यह मस्तिष्क की सक्रियता बढ़ाकर दिनभर शरीर को ऊजार्वान बनाए रखता है। यही कारण है कि अब युवा एरोबिक्स व जिम छोड़कर योग अपनाने लगे हैं। माना गया है कि योग तथा प्राणायाम से जीवनभर दवाओं से भी ठीक न होने मधुमेह रोग का भी इलाज संभव है। यह वजन घटाने में भी सहायक माना गया है। योग की इन्हीं महत्ताओं को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 27 सितम्बर 2014 को संयुक्त राष्ट्र महासभा से आह्वान किया था कि दुनियाभर में प्रतिवर्ष योग दिवस मनाया जाए ताकि प्रकृति प्रदत्त भारत की इस अमूल्य पद्धति का लाभ पूरी दुनिया उठा सके। यह भारत के बेहद गर्व भरी उपलब्धि रही कि संयुक्त राष्ट्र महासभा में प्रधानमंत्री के इस प्रस्ताव के महज तीन माह के भीतर 177 देशों ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाए जाने के प्रस्ताव पर स्वीकृति की मोहर लगा दी, जिसके उपरांत संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 11 दिसम्बर 2014 को घोषणा कर दी गई कि प्रतिवर्ष 21 जून का दिन दुनियाभर में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाया जाएगा।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के लिए 21 जून का ही दिन निर्धारित किए जाने की भी खास वजह रही। दरअसल यह दिन उत्तरी गोलार्ध का पूरे कैलेंडर वर्ष का सबसे लंबा दिन होता है। इस दिन की तिथि को ग्रीष्म संक्रांति के साथ मेल खाने के लिए बनाया गया था, जो उत्तरी गोलार्ध में वर्ष का सबसे लंबा दिन होता है और प्रकाश और स्वास्थ्य का प्रतीक है। भारतीय संस्कृति के नजरिये से देखें तो ग्रीष्म संक्रांति के बाद सूर्य दक्षिणायन हो जाता है तथा यह समय आध्यात्मिक सिद्धियां प्राप्त करने में लाभकारी माना गया है। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान भी योग के महत्व को स्वीकारने लगा है। इसलिए स्वस्थ जीवन जीने के लिए जरूरी है कि योग को अपनी दिनचर्या का अटूट हिस्सा बनाया जाए। योग केवल एक व्यायाम नहीं है बल्कि यह शरीर और मन के साथ-साथ स्वयं को सशक्त बनाने का एक बेहतरीन तरीका है। यह भारत की उस धरोहर का पुनर्जागरण है, जिसे आज पूरा विश्व अपनाकर अपने तन, मन और आत्मा को संतुलन में ला रहा है। (लेखक 35 वर्षों से पत्रकारिता में निरन्तर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

संपादकीय

खामेनेई की खरी-खरी

ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने अमेरिकी राष्ट्रपति ड़ोनाल्ड़ ट्रंप को जो खरी-खरी सुनाई है, ट्रंप उसी के हकदार थे। एक तो ट्रंप इस्राइल और ईरान के संघर्ष में जबरदस्ती अपनी नाक घुसा रहे हैं दूसरे वह इस्राइल के पक्ष में ऊटपटांग बयान देकर ईरान को धमका और चिढ़ा रहे हैं। किसी भी संप्रभु राष्ट्र का नेता ऐसे हालात में वही करेगा जो खामेनेई ने किया है। उन्होंने आत्मसमर्पण करने की ट्रंप की नसीहत को खारिज कर दिया और उल्टे चेतावनी दे ड़ाली कि संघर्ष में अमेरिका की किसी भी कूद-फांद से उसे ही अपूरणीय क्षति होगी। हालांकि इस्राइल अमेरिका की मदद के बल पर ही सीनाजोर बना हुआ है। ट्रंप ने एक ही दिन पहले ईरान से बिना शर्त आत्मसमर्पण करने को कहा था। इससे भी बढ़कर उन्होंने कहा था कि खामेनेई को मारने की फिलहाल कोई योजना नहीं है। ये सब कौन बर्दाश्त करता। तकनीकी रूप से ईरान कितना ही कमजोर हो, लेकिन इस्राइल की बेजा हरकतों का मुकाबला तो वह कर ही

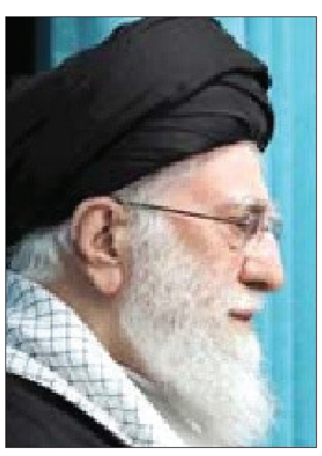

रहा है। इसी कारण से नेतन्याहू बिलबिला रहे हैं और चाहते हैं कि अमेरिका इस युद्ध में कूद जाए। ट्रंप हैं कि रोज बयान बदलकर ही ईरान को झुका लेना चाहते हैं। ईरान को धमकाने के लिए अमेरिका ने इस क्षेत्र में कुछ और युद्धक विमान भेजे हैं। खामेनेई ने ट्रंप के धमकी भरे और बेतुके बयानों को खारिज करते हुए कहा इस तरह की धमकियां समझदारी नहीं है। सीधे अमेरिकियों को संदेश देते हुए खामेनेई ने चेताया कि अमेरिका की किसी भी सैन्य भागीदारी से क्षेत्र में पूर्ण युद्ध छिड़.जाएगा और उसे ही अपूरणीय क्षति होगी। लगता है इस मामले में अलग थलग पड़े.ईरान के पक्ष में अरब देशों में एकजुटता की सुगबुगाहट होने लगी है। इसी कड़ी में इराक ने क्षेत्रीय चुनौतियों से निपटने के लिए इस्तांबुल में होने वाले इस्लामिक सहयोग संगठन सम्मेलन के दौरान अरब देशों के विदेश मंत्रियों की आपातकालीन बैठक बुलाने का आह्वान किया है। प्रस्तावित बैठक का उद्देश्य तेजी से बदल रहे घटनाक्रमों के मद्देनजर अरब देशों की स्थिति में समन्वय करना और साझा जिम्मेदारी की भावना के साथ मौजूदा चुनौतियों से निपटना है। हालांकि अमेरिका की चालबाजियों को देखते हुए अरब और इस्लामिक देशों की एकजुटता बहुत दूर की कौड़ी है। युद्ध के छठे दिन ईरान और इस्राइल के बीच महत्त्वपूर्ण संस्थानों पर हमले का सिलसिला जारी है।

सूक्ति

हम प्रयास के लिए उत्तरदायी हैं, न कि परिणाम के लिए।
– गीता
बुद्धि से विचारकर किए गए कर्म ही सफल होते हैं।
– महाभारत

चिंतन-मनन

खुद में करो भगवान के दर्शन

यज्ञ ज्ञात्वा न पुनर्मोहमेवं यास्यसि पाण्डव।
येन भूतान्यशेषाणि द्रक्षस्यात्मन्यथो मयि।।

अथार्तः हे पांडव! जिस ज्ञान को जानकर फिर तुम मोह में नहीं पड़ोगे, उस ज्ञान से तुम यह जान सकोगे कि जो कुछ भी है वह उसी परमात्मा की वजह से ही है। गुरु, शिष्य को ज्ञान नहीं देता, बल्कि शिष्य की श्रद्धा गुरु से ज्ञान लेती है। उस ज्ञान से साधक का नजरिया बदलने लगता है। उसमें काम, प्रोध, लोभ, मोह जैसी बुराइयां कमजोर पड़ने लगती हैं। ज्ञान बढ़ता जाता है और अज्ञान खत्म होता जाता है। धीरे-धीरे शिष्य की सभी बुराइयां खत्म होने लगती हैं। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि ज्ञान की अग्नि मन में पड़े संस्कारों के बीज भी जला डालती है और मोह आदि विकार भस्म हो जाते हैं। इसलिए आत्मज्ञान हो जाने के बाद इंसान को मोह परेशान नहीं करता, क्योंकि यह मोह ही था, जिसके कारण अर्जुन कौरव सेना से युद्ध नहीं कर रहे थे।

आगे भगवान कहते हैं कि इस आत्मज्ञान को पाकर पहले तुम अपने में सभी पुराने कर्मों को देखोगे और फिर उनको मुझ में देखोगे। यानी ज्ञान हो जाने के बाद साधक को पहले भगवान अपने भीतर दिखता है, फिर वही भगवान सब जगह दिखाई पड़ने लगता है। वरना हम मूर्ति में तो भगवान को देख लेते हैं, लेकिन अपने भीतर नहीं देख पाते, जबकि प्रक्रिया इससे उलट है। पहले अपने में भगवान का दर्शन करो, फिर सब में उसी को ही देखो।

इजराईल - ईरान युद्ध में भारत निभा सकता है अहम भूमिका

प्रहलाद सबनानी

रूस - यूक्रेन एवं इजराईल - हम्मास के बीच युद्ध अभी समाप्त भी नहीं हुआ है और तीसरे मोर्चे इजराईल - ईरान के बीच भी युद्ध प्रारम्भ हो गया है। हालांकि इस बीच भारत - पाकिस्तान के बीच भी युद्ध छिड़ गया था परंतु भारत की बड़े भाई की भूमिका के चलते इस युद्ध को शीघ्रता से समाप्त करने में सफलता मिल गई थी। दो देशों के बीच युद्ध में किसी एक देश का फायदा नहीं होकर बल्कि दोनों ही देशों का नुक्सान ही होता है। परंतु, आवेश में आकर कई बार दो बड़े देश भी आपस में टकरा जाते हैं एवं इन दोनों देशों के पक्ष एवं विपक्ष में कुछ देश खड़े हो जाते हैं जिससे कुछ इस प्रकार की परिस्थितियां निर्मित हो जाती हैं कि विश्व युद्ध छिड़ जाते हैं। वर्ष 1914 से वर्ष 1918 के बीच प्रथम विश्व युद्ध एवं वर्ष 1939 से वर्ष 1945 के बीच द्वितीय विश्व युद्ध इसके उदाहरण हैं। इजराईल - ईरान के बीच हाल ही में प्रारम्भ हुए युद्ध में अमेरिका भी कूदने की तैयारी करता हुआ दिखाई दे रहा है। अगर ऐसा होता है तो बहुत सम्भव है कि ईरान की सहायता के लिए रूस एवं चीन भी इस युद्ध में कूद पड़ें एवं यह युद्ध तृतीय विश्व युद्ध का स्वरूप ले ले। ऐसा कहा जा रहा है कि इजराईल एवं अमेरिका ईरान में सत्ता परिवर्तन करवाना चाह रहे हैं ताकि ईरान में उनके हितों को साधने वाली सरकार स्थापित हो सके।

वैश्विक स्तर पर आज परिस्थितियां बहुत सहज रूप से नहीं चल रही है। विभिन्न देशों के बीच विश्वास की कमी हो गई है जिसके चलते छोटे छोटे मुद्दों को तूल दी जाकर आपस में खटास पैदा करने के प्रयास हो रहे हैं। कुछ देश, दो देशों के बीच, इन मुद्दों को हवा देते हुए भी दिखाई दे रहे हैं। जैसे आतंकवाद के मुद्दे को ही लें, यदि ये देश आतंकवाद से स्वयं ग्रसित हैं तो इनके लिए आतंकवाद बुराई की जड़ है और यदि कोई अन्य देश आतंकवाद को लम्बे समय से झेल रहा है तो इन देशों के लिए आतंकवाद कोई बहुत बड़ा मुद्दा नहीं है। बल्कि, आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले देशों को प्रोत्साहन दिया जाता हुआ दिखाई दे रहा है। चौधरी बन रहे कुछ देश अपनी विस्तरवादी नीतियों के चलते कई देशों में अपने हित साधने वाली सरकारों की स्थापना करना चाह रहे हैं एवं इन देशों में इस प्रकार की परिस्थितियां निर्मित करने के प्रयास कर रहे हैं ताकि ये देश आपस में लड़ाई प्रारम्भ करें। रूस एवं यूक्रेन के बीच युद्ध इसका जीता जागता उदाहरण है । साथ ही, कुछ देशों की कथनी और करनी में पाए जाने वाले फर्क के चलते भी वैश्विक स्तर पर परिस्थितियां बिगड़ रही हैं। चौधरी बन रहे देशों को तो उदाहरण पेश करते हुए अपनी कथनी एवं करनी में फर्क को समाप्त करना ही होगा। अन्यथा, वैश्विक स्तर पर परिस्थितियां भयावह स्तर तक पहुंच सकती हैं।

चूंकि इजराईल भी आतंकवाद से पीड़ित देश है एवं इजराईल की सीमाएं चार मुस्लिम राष्ट्रों से जुड़ी हुई हैं; यथा, उत्तर में लेबनान, दक्षिण पश्चिम में ईजिप्ट (एवं गाजा), पूर्व में जॉर्डन (एवं वेस्ट बैंक) एवं उत्तर पूर्व में सीरिया। अतः इजराईल अत्यधिक आक्रात्मकता के साथ आतंकवादियों (हम्मास एवं हूथी आदि संगठनों) से युद्ध करता रहता है। इस्लाम के अनुयायी यहूदियों के कट्टर दुश्मन हैं, इसके चलते भी इजराईल के नागरिकों को आतंकवाद को लम्बे समय से झेलना पड़ रहा है।

ईरान के बारे में तो कहा जा रहा है कि ईरान स्थित लगभग 60 प्रतिशत मस्जिदों में इबादत के लिए कोई भी व्यक्ति पहुंच ही नहीं रहा है क्योंकि ईरान में एवं ईरान द्वारा पड़ौसी देशों में फैलाए गए आतंकवाद से ईरान के मूल नागरिक अत्यधिक परेशान हैं। महिलाओं पर आतंकवादियों द्वारा किए जा रहे अत्याचारों से स्थानीय नागरिक बहुत दुखी हैं। अतः अब वे अपने पुराने धर्म जोरोस्ट्रीयन को अपनाने के लिए आतुर दिखाई दे रहे हैं अथवा इस्लाम धर्म का परित्याग करना चाह रहे हैं। जोरोस्ट्रीयन, ईरान का मूल धर्म हैं एवं यह अब ईरान के कुछ (बहुत कम) क्षेत्रों में सिमट कर रह गया है। भारत में भी जोरोस्ट्रीयन धर्म को मानने वाले पारसी समुदाय के कुछ नागरिक शांतिपूर्वक रह रहे हैं एवं भारत के आर्थिक विकास में अपना भरपूर योगदान दे रहे हैं।

वैश्विक स्तर पर निर्मित हो रही उक्त वर्णित परिस्थितियों के बीच भारत की विशेष भूमिका रह सकती है क्योंकि भारत के इजराईल एवं ईरान दोनों ही देशों के साथ आर्थिक रिश्ते बहुत मजबूत हैं। भारत, ईरान से भारी मात्रा में कच्चा तेल खरीदता रहा है एवं भारत ने ईरान में चाबहार बंदरगाह के निर्माण में भारी आर्थिक एवं तकनीकी सहायता प्रदान की है। चाबहार बंदरगाह का संचालन भी ईरान की सरकार के साथ भारतीय इंजीनियरों द्वारा ही किया जा रहा है। भारत और ईरान के बीच प्रतिवर्ष 200 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की राशि का विदेशी व्यापार होता है। दूसरी ओर, इजराईल भारत का रणनीतिक साझीदार है। भारत इजराईल से भारी मात्रा में सुरक्षा उपकरण भी खरीदता है। भारत और इजराईल के बीच प्रतिवर्ष 650 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की राशि का विदेशी व्यापार होता है, इसमें भारत द्वारा इजराईल से आयात किये जाने वाले सुरक्षा उपकरणों की राशि शामिल नहीं है। कुल मिलाकर, भारत के इजराईल एवं ईरान, दोनों देशों के साथ बहुत पुराने व्यापारिक एवं सांस्कृतिक रिश्ते हैं।

भारतीय सनातन हिंदू संस्कृति में ह्लवसुधैव कुटुम्बकमह्व; ह्लसर्वजन हिताय सर्वजन सुखायह्व एवं ह्लसर्वे भवंतु सुखिनःह्व की भावना पर विश्वास किया जाता है। अतः भारतीय नागरिक सामान्यतः शांत स्वभाव के होते है एवं पूरे विश्व में ही भ्रातत्व के भाव का संचार करते हैं। आज 4 करोड़ से अधिक भारतीय मूल के नागरिक विभिन्न देशों के आर्थिक विकास में अपना भरपूर योगदान दे रहे हैं। इन देशों में होने वाले अपराधों में भारतीय मूल के नागरिकों की संलिप्तता लगभग नहीं के बराबर पाई गई है। इसी कारण के चलते आज वियतनाम, जापान, इजराईल, आस्ट्रेलिया एवं सिंगापुर जैसे कई देश भारतीय मूल के नागरिकों को अपने देश में कार्य करने एवं बसाने में सहायता करते हुए दिखाई दे रहे हैं। खाड़ी के देश यथा ओमान, बहरीन, सऊदी अरब, यूनाइटेड अरब अमीरात आदि में भी लाखों की संख्या में भारतीय मूल के नागरिक निवास कर रहे हैं एवं शांतिप्रिय जीवन व्यतीत कर रहे हैं। कुल मिलाकर, विभिन्न देशों में निवासरत भारतीय मूल के नागरिकों का रिकार्ड बहुत ही संतोषजनक पाया जाता है, क्योंकि, भारतीयों की मूल प्रकृति ही सनातन हिंदू संस्कारों के अनुरूप पाई जाती है एवं वे किसी भी प्रकार के कर्म में धर्म को जोड़कर ही इसे सम्पन्न करने का प्रयास करते हैं। और, धर्म के अनुरूप किये गए किसी भी कार्य से किसी का अहित हो ही नहीं सकता।

उक्त वर्णित परिप्रेक्ष्य में वैश्विक स्तर पर जब चौधरी बन रहे देशों द्वारा अन्य देशों के साथ न्याय नहीं किया जाता हुआ दिखाई दे रहा है तो ऐसे में भारत को आगे आकर युद्ध में झौंके जा रहे देशों के नागरिकों की मदद करनी चाहिए। भारत की तो वैसे भी नीति ही ह्लवसुधैव कुटुम्बकमह्व की है। यदि पूरे विश्व में भाईचारा फैलाना है तो सनातन हिंदू संस्कृति के अनुपालन से ही यह सब सम्भव हो सकता है। उक्त परिस्थितियों के बीच सनातन हिंदू संस्कृति की स्वीकार्यता विभिन्न देशों के नागरिकों की बीच तेजी से बढ़ भी रही है क्योंकि कई देश अब आतंकवाद से बहुत अधिक परेशान हो चुके हैं। अतः अब वे किसी तीसरे रास्ते की तलाश में हैं। इन विपरीत परिस्थितियों के बीच उनके पास अब विकल्प केवल सनातन हिंदू संस्कृति के संस्कारों को अपनाने का ही बचता है, जिसके प्रति वे लालायित भी हैं। और फिर, आतंकवाद से यदि छुटकारा पाना है तो इससे लड़ते हुए छुटकारा पाने में तो कुछ देशों को कई प्रकार के बलिदान देने पड़ सकते हैं और यदि सनातन हिंदू संस्कृति के संस्कारों को स्वीकार कर लिया जाता है तो कई देशों के नागरिकों को इस बलिदान से बचाया जा सकता है। अतः विश्व के देशों में सनातन हिंदू संस्कृति के संस्कारों को तेजी से वहां के स्थानीय नागरिकों के बीच किस प्रकार फैलाया जा सकता है, इस विषय पर विश्व में शांति स्थापित करने के उद्देश्य से अब गहन चिंतन एवं मनन करने की आवश्यकता है।

मुद्दा : एमएसएमई की बढ़ती चुनौतियां

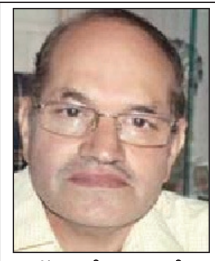

डॉ. जयंतीलाल भंडारी

इन दिनों भारत के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) से संबंधित विभिन्न रिपोर्टों में कहा जा रहा है कि भारत में एमएसएमई की चुनौतियों के बीच मौके भी उभरकर दिखाई दे रहे हैं। हाल ही में वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि सरकार एमएसएमई की चुनौतियों को दूर करने की डगर पर रणनीतिपूर्वक आगे बढ़ रही है। सरकार एमएसएमई से निर्यात बढ़ाने के लिए एक नई स्कीम लाने पर विचार कर रही है। खासतौर से अमेरिका के राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप से टैरिफ की चुनौती के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ कहे जाने वाले एमएसएमई की अमेरिकी बाजार पर निर्भर अधिकांश निर्यातक इकाइयां अमेरिकी खरीदारों द्वारा छूट की नई मांग और अनुबंधों पर नये सिरे से बातचीत के अलावा भुगतान में देरी जैसी चुनौतियों के मद्देनजर एमएसएमई के बचाव के लिए सरकार का रणनीतिक सहयोग जरूरी माना जा रहा हैं। हाल ही में प्रकाशित सिडबी की रिपोर्ट के मुताबिक अभी एमएसएमई के लिए सरल कर्ज की प्राप्ति एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। एमएसएमई की क्रेडिट मांग व पूर्ति में 30 लाख करोड़ रुपये का अंतर है। मांग के मुताबिक लोन मिलने पर एमएसएमई के तहत 5 करोड नये रोजगार के अवसर निर्मित होंगे। नीति आयोग की रिपोर्ट में कहा गया है कि छोटे उद्योगों को जरूरत के मुताबिक क्रेडिट, तकनीकी कौशल तथा विकास एवं अनुसंधान के क्षेत्र में मदद मिल जाए तो एमएसएमई रोजगार और आर्थिक विकास का बड़ा साधन बन सकते हैं। इस परिप्रेक्ष्य में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली के विज्ञान भवन में राष्ट्रीय सिविल सेवा दिवस पर अपने संबोधन में कहा कि इस समय नये व्यापार युग के बदलाव के दौर में भारत के एमएसएमई के पास चुनौतियों के बीच दुनिया में आगे बढ़ने के ऐतिहासिक अवसर भी हैं और ये उद्योग वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में प्रतिस्पर्धी बन सकते हैं। गौरतलब है कि एमएसएमई मंत्रालय के उद्यम पोर्टल पर इस साल मार्च तक पंजीकृत 6.2 करोड़ एमएसएमई 25.95 करोड़ लोगों को रोजगार देते हैं। देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में एमएसएमई का योगदान करीब 30 फीसद है। एमएसएमई से वर्ष 2024-25 में करीब 12.39 लाख करोड़ रुपये का निर्यात किया गया है। देश से निर्यात किए गए कुल उत्पादों में से करीब 46 फीसद उत्पाद एमएसएमई क्षेत्र से हैं। ऐसे में भारत ने हाल ही इंग्लैंड के साथ खे ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) किया है और अमेरिका के अलावा अन्य कई प्रमुख देशों के साथ भी द्विपक्षीय व्यापार समझौतों के पूर्ण होने पर एमएसएमई की भूमिका महत्त्वपूर्ण होगी। अतएव नये अवसरों का लाभ उठाने के लिए एमएसएमई को प्रोत्साहन देकर मजबूत बनाना जरूरी है। इसमें कोई दो मत नहीं है कि टैरिफ वार से एमएसएमई क्षेत्र को जो झटका लग रहा है, उस झटके से एमएसएमई के उबारने के लिए जहां एक ओर सरकार के द्वारा एमएसएमई के समक्ष दिखाई दे रही चुनौतियों के समाधान के लिए रणनीति बनाकर निर्यातकों को सहारा देना होगा, वहीं एमएसएमई क्षेत्र के उद्यमियों और निर्यातकों को भी नई चुनौतियों के मद्देनजर तैयार होना होगा। निश्चित रूप से निर्यातकों को सहारा देने के सरकार के ये कदम सराहनीय हैं, लेकिन ट्रंप के टैरिफ तूफान का मुकाबला करने और निकट भविष्य में निर्मित होने वाले उभरते अवसरों को मुट्ठी में लेने के मद्देनजर एमएसएमई को हरसंभव उपाय से मजबूत बनाना होगा। नये सिरे से एमएसएमई की क्षमताओं को उन्नत करने, संचालन को सुव्यवस्थित करने तथा किसी भी निर्यात झटके से निपटने के लिए एमएसएमई को नीतिगत समर्थन का लाभ दिए जाने के प्रयासों में तेजी लाना होगी। इससे भारत की एमएसएमई उतार-चढ़ाव भरे सफर को आगे बढ़ा सकेगी।

इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि बड़ी संख्या में युवा पीढ़ी के लोग अब नौकरी की बजाय खुद का उद्योग-व्यवसाय शुरू करने की सोच रहे हैं। ऐसे में एमएसएमएई उनके लिए महत्त्वपूर्ण विकल्प है। जरूरी है कि देश के कोने-कोने में, प्रदेशों और जिला स्तर पर एमएसएमई कानक्लेव आयोजित किए जाएं और ऐसे मंच पर एमएसएमई से जुड़े कारोबारी, उद्योग विशेषज्ञ और नीति बनाने वाले लोग एकत्रित होकर एमएसएमई के नये दौर के लिए नई पीढ़ी का जन जागरण करें। नई पीढ़ी को एमएसएमई के उत्पादों और

सेवाओं से परिचित कराएं। नये ग्राहकों से मिलाएं और एमएसएमई को आगे बढ़ाने के नये तरीके सिखाएं। उम्मीद करें कि एमएसएमई की बहुआयामी उपयोगिता के मद्देनजर सरकार एमएसएमई के समक्ष दिखाई देने वाली चुनौतियों के समाधान के लिए तत्परता के साथ रणनीतिपूर्वक आगे बढ़ेगी। उम्मीद करें कि देश में एमएसएमई से संबद्ध उद्यमी और निर्यातक अधिकतम प्रयासों से कम लागत पर अधिकतम उत्पादन करते हुए देश के छोटे उद्योग-कारोबार को तेजी से आगे बढ़ाएंगे। वर्ष 2028 तक देश को दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था और 2047 तक विकसित देश बनाने में एमएसएमई की भूमिका अहम होगी।

शीर्ष खुफिया एजेंसी की रिपोर्ट में खुलासा, कनाडा खालिस्तानी चरमपंथियों के लिए सुरक्षित पनाहगाह

भारतीय कूटनीति की बड़ी जीत

नई दिल्ली (एजेंसी)। कनाडा की शीर्ष खुफिया एजेंसी कनाडाई सुरक्षा खुफिया सेवा (सीएसआईएस) ने 2024 की वार्षिक रिपोर्ट में पहली बार पुष्टि की है कि कनाडा भारत विरोधी खालिस्तानी चरमपंथियों के लिए एक सुरक्षित पनाहगाह बन गया है। यह खुलासा भारत द्वारा लंबे समय से की जा रही चिंता की पुष्टि करता है, जिसमें नई दिल्ली ने कनाडा पर भारत विरोधी तत्वों को शरण देने का आरोप लगाया था।

रिपोर्ट में साफ कहा गया है कि खालिस्तानी चरमपंथी मुख्य रूप से भारत में हिंसा को बढ़ावा देने, धन जुटाने या योजना बनाने के लिए कनाडा को आधार के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। रिपोर्ट में कनाडा स्थित खालिस्तानी चरमपंथियों (सीबीकेई) के सक्रिय समूह का उल्लेख भी किया गया है, जो हिंसक गतिविधियों के जरिए भारत के पंजाब में खालिस्तान राज्य की स्थापना के लिए प्रयासरत हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि 1980 के दशक के मध्य से कनाडा में राजनीतिक रूप से प्रेरित हिंसक उग्रवाद का खतरा मुख्य रूप से कनाडा स्थित खालिस्तानी उग्रवादियों (सीबीकेई) के जरिए से प्रकट हुआ है, जो मुख्य रूप से भारत के पंजाब में खालिस्तान राज्य बनाने के लिए हिंसक साधनों का इस्तेमाल और समर्थन करना चाहते हैं। कनाडा की यह पुष्टि ऐसे समय में भारत और कनाडा के बीच बिगड़ते-संवरते राजनयिक रिश्तों में आया अहम पड़ाव है। 2023 में ब्रिटिश कोलंबिया में खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद दोनों देशों के संबंधों में दरार आ गइ थी।

कनाडाई अधिकारियों ने इस हत्या को भारतीय सरकार के हस्तक्षेप से जोड़ा, जिसका भारत ने खंडन करते हुए इन आरोपों को बेतुका और निराधार बताया था।

बात दें पीएम मोदी के हाल ही में हुए दौरे के ठीक बाद यह खुलासा अल्बर्टा में जी-7 शिखर सम्मेलन में कनाडा के पीएम मार्क कार्नी और पीएम नरेन्द्र मोदी के बीच हुई बैठक के समय हुआ है। इस बैठक में दोनों नेताओं ने नए उच्चायुक्तों की नियुक्ति और व्यापार वार्ता को फिर शुरू करके द्विपक्षीय संबंधों को सामान्य करने की दिशा में कदम उठाने पर सहमति जताई है।

हालांकि, कनाडा में सिख समर्थकों और कुछ सांसदों ने कार्नी द्वारा पीएम मोदी को जी7 में आमंत्रित करने के निर्णय की आलोचना की। इसके बावजूद कार्नी ने भारत के वैश्विक आर्थिक महत्व और रचनात्मक वार्ता की जरुरत पर जोर देते हुए अपने फैसले का बचाव किया। उन्होंने कहा कि भारत के साथ संबंधों को मजबूत करना कनाडा के राष्ट्रीय हित में है, भले ही कुछ सुरक्षा चिंताएं बरकरार हों।

ओडिशा से हजारों महिलाएं गायब, इन्हें खाड़ी देशों में बेचा जा रहा

-कांग्रेस के प्रभारी लल्लू ने बीजेपी सरकार को घेरा, लगाए गंभरी आरोप

नई दिल्ली। यूपी कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ओडिशा का प्रभार देख रहे हैं। ओडिशा में पार्टी को खड़ा करने, बीजेपी सरकार को घेरने और राज्य के सियासी समीकरणों से लेकर यूपी के हालात तक पर उन्होंने कहा कि बीजेपी का एक साल प्रताड़ना का रहा। अब वादों के विश्लेषण और जमीनी सचाई पर बात होगी। अब लोकतंत्र में जवाब तय करने का समय है। उन्होंने कहा कि सत्ता में आते समय बीजेपी ने 2036 का सपना दिखाया था, लेकिन एक साल में न सुशासन दिखाई दिया, न सामाजिक न्याय के लिए काम हुआ। योगी सरकार भ्रष्टाचार को लेकर जीरो टॉलरेंस की बात की थी। सीएम योगी ने कहा था कि जेल तैयार है। तमाम समितियों की रिपोर्ट में भ्रष्टाचार की गाथा है, फिर भी अभी तक कुछ नहीं हुआ।लल्लू ने कहा कि हम इन तमाम मुद्दों को लेकर बाकायदा लोगों के बीच जा रहे हैं। आदिवासियों के जमीन का पट्टा, राज्य से बड़ी तादाद में पलायन, उद्योग न लगना, कोल माइंस की वजह से 70 हजार लोगों का विस्थापन या उस इलाके में स्थानीय बीजेपी विधायक द्वारा 90 हजार पेड़ों को बिना इजाजत काटने का मामला हो, हम लगातार इनको उठा रहे हैं। कांग्रेस चुप नहीं बैठेगी। अपनी मांगों को लेकर हम गांव-गांव, ब्लॉक, पंचायत स्तर से जिला स्तर तक जा रहे हैं। साथ ही हम अपनी संगठनात्मक प्रक्रिया भी चला रहे हैं। भले ही हम वहां मुख्य विपक्षी दल न हों, लेकिन एक अच्छे विपक्ष की तरह हम सदन से लेकर सड़क तक सरकार को घेर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ओडिशा में बीजेडी और बीजेपी की सरकार संयुक्त रूप से पिछले 11 साल से चल रही थी, आखिर के एक साल में ये अलग हुए। अब बीजेपी सरकार में है। राज्य से 44 हजार महिलाएं गायब हैं।

सीपीआई-माओवादी से जुड़े 12 कैडरों ने पुलिस के सामने सरेंडर किया

रायपुर (एजेंसी)। सीपीआई (माओवादी) से जुड़े छत्तीसगढ़ के 12 कैडरों ने पुलिस के सामने सरेंडर किया है। सभी ने तेलंगाना के भद्राद्री-कोठागुडेम जिले में पुलिस के सामने सरेंडर किया। आत्मसमर्पण करने वालों में 2 डिवीजनल कमिटी सदस्य (डीवीसीएम) और 4 एरिया कमिटी सदस्य (एसीएम) शामिल हैं। सभी कैडर लंबे समय से माओवादी गतिविधियों में संलिप्त थे। फिलहाल तेलंगाना राज्य में इस साल अब तक कुल 566 माओवादी कैडर आत्मसमर्पण कर चुके हैं। पूरे देश में साल 2025 में अब तक कुल 1260 माओवादी कैडर आत्मसमर्पण कर चुके हैं। साल 2024 में ये संख्या 881 थी। इसके पहले आंध्र प्रदेश के अल्लूरी सीताराम राजू जिले में मुठभेड़ के दौरान सीपीआई (माओवादी) के तीन बड़े नेता मारे गए थे। आंध्र प्रदेश और ओडिशा बॉर्डर के इलाके में विशिष्ट माओवादी विरोधी बल ग्रेहाउंड्स के जवानों ने तलाशी अभियान चलाया था। उन्हें इस दौरान कुछ माओवादी नजर आए, जिनसे सरेंडर करने के लिए कहा गया था। हालांकि माओवादियों ने गोलीबारी शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई के दौरान तीन माओवादी मारे गए।

मुंबई पुलिस ने बड़े देह व्यापार गिरोह का पर्दाफाश किया

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई पुलिस ने एक बड़े देह व्यापार गिरोह का पर्दाफाश किया है। दरअसल मुंबई में काफी समय से देह व्यापार से जुड़ी कई वारदातें सामने आ रही है। इसके बाद पुलिस ने एक्शन में आकर देह व्यापार गिरोह की जड़ें काटने में जुट गई है। पुलिस ने मिली सूचना के बाद योजना के तहत एक महिला को गिरफ्तार किया है। मुंबई पुलिस ने पश्चिमी उपनगर में स्थित एक रेस्टोरेंट पर छापेमारी कर एक महिला को देह व्यापार गिरोह संचालित करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई में एक नाबालिग लड़की सहित तीन महिलाओं को बचाया गया है। पुलिस अधिकारी के अनुसार, अपराध शाखा को गुप्त सूचना मिली थी, जिसके आधार पर मलाड (पश्चिम) के चिंचोली बुंदर रोड पर स्थित एक रेस्टोरेंट पर छापा मारा गया। उन्होंने बताया कि पुलिस ने जाल बिछाकर एक फर्जी ग्राहक की मदद से आरोपी महिला को रंगे हाथों पकड़ा और मौके से एक नाबालिग लड़की और दो महिलाओं को बचाया।

इजरायल में फंसे बहराइच जिले के 150 मजदूर, परिजन चिंतित

बहराइच (एजेंसी)। ईरान और इजरायल का युद्ध तेज होने के कारण करीब 150 मजदूर कई इजराइल के शहरों में फंसे हैं। इसकारण घर वालों में भी बेचैनी है। इजरायल में फंसे एक श्रमिक ने बताया कि यहां की स्थिति ठीक नहीं है, इसलिए भारत वापस आना चाहता हूं। हालांकि इस समय फ्लाइट नहीं मिल पा रही हैं, इसके बाद उनके सामने सुरक्षा का बड़ा संकट खड़ा हो गया है। रघुनाथपुर निवासी संदीप ने बताया कि यहां मिसाइल गिर रही हैं, लेकिन मिसाइल गिरने से पहले हम लोगों को अलर्ट मिलता है और सायरन बजने लगता है। हम लोग बंकरों में छिप जाते हैं। रोज-रोज के इन हालातों से ड्यूटी का भी हर्जा हो रहा है। अब हम लोग घर वापस जाना चाहते हैं। कमोबेश दूसरे श्रमिकों की स्थिति भी वैसी ही है। इजरायल गए मजदूर की पत्नी ने कहा कि मेरे पति एक साल से वहां काम कर रहे हैं। केंद्र सरकार से मेरी मांग है कि उन्हें सुरक्षित वापस घर तक भेजा जाए। अब इजरायल के हालात देखकर डर लग रहा है। अभी वे लोग सुरक्षित हैं, लेकिन कभी भी दुर्घटना हो सकती है। बता दें कि बहराइच के मिहीपुरवा इलाके से करीब 1500 श्रमिक विभिन्न इलाकों में इजरायल गए हुए हैं। इनमें से अधिकतर के परिजन इस समय काफी दुविधा में हैं। अच्छी तनख्वाह से घर की स्थिति सुधर रही है, लेकिन इजरायल के बिगड़े हालात से परिवार परेशान हैं।

बिहार में तीन साल पहले बना कोठवारा-बैरिया पुल धंसा, लोग पूछ रहे इतनी जल्दी आखिर पुल क्षतिग्रस्त कैसे हुआ

गया (एजेंसी)। बिहार में बारिश के आते ही पुलों के धंसने का मामला सामने आया है। इस बार गयाजी में बने एक पुल का पाया धंस गया है। पुल का पाया धंसने के बाद सड़क पर आवागमन को लेकर लोगों को चेताया गया है। जानकारी के अनुसार गयाजी के डोभी प्रखंड क्षेत्र में पुल का एक पाया धंसा है। बताया जाता है कि जिले में हो रही मूसलाधार बारिश के बीच कोठवारा-बैरिया पुल क्षतिग्रस्त हुआ है। जिससे पुल में कई जगह दरारें आ गई हैं। बता दें कि कोठवारा-बैरिया पुल 3 साल पहले 2022 में बनकर तैयार हुआ था। निर्माण के तीसरे साल ही पुल का एक पाया धंसने से इस पर सवाल खड़े हो रहे हैं। लोगों का कहना है कि यह आश्चर्य की बात है कि इतनी जल्दी आखिर पुल क्षतिग्रस्त कैसे हुआ। पुल का एक पाया धंसने के बाद किसी भी प्रकार के हादसे से बचाव के लिए भारी वाहनों का आवागमन रोक दिया गया है। एक बैनर लगाकर भी चेताया गया है। बैनर में लिखा हुआ है, कि यह पुल आवागमन के लिए सुरक्षित नहीं है। शेरघाटी के एसडीओ ने कहा कि कोठवारा-बैरिया पुल के धंसने की जानकारी अभी तक नहीं मिली है। मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल उन्होंने सीओ को इस संबंध में निर्देश दिए हैं।

अब विमान में 11ए सीट के लिए लोग ज्यादा भुगतान करने को तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। एयर इंडिया विमान हादसे के बाद सीट 11ए पर एक यात्री के जीवित बचने से सबसे सुरक्षित सीटों को लेकर बहस छिड़ गई है। ऐसे में अब फ्लाइट की टिकट बुक करने वाले यात्री इस सीट के लिए एक्स्ट्रा पैसे देने के लिए तैयार हैं। बता दें 12 जून को अहमदाबाद में एयर इंडिया की फ्लाइट एआई-171 के क्रैश होने के बाद, जिसमें 241 लोगों की जान चली गई थी, उसमें 40 साल के विश्वास कुमार रमेश बैठे इस हादसे में वह ही जीवित बचे हैं, जो सीट 11ए पर बैठे थे। जैसे ही इस बारे में लोगों को पता चला कि 11ए सीट पर बैठा शख्स जीवित बच गया है, हर कोई इस सीट के बारे में जानने को उत्सुक था।

ममता सरकार को झटका, हाईकोर्ट ने बर्खास्त स्कूल कर्मचारियों को सहायता देने पर लगाई रोक

कोलकाता (एजेंसी)। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पश्चिम बंगाल सरकार से कहा है कि वह शीर्ष अदालत के आदेश के बाद बर्खास्त किए गए गैर-शिक्षण स्कूल कर्मचारियों को 26 सितंबर तक आर्थिक सहायता न दे। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने 2016 की भर्ती प्रतीक्षा सूची में शामिल उम्मीदवारों की याचिका के बाद नौकरी से निकाले गए ग्रुप-सी और ग्रुप-डी कर्मचारियों को भत्ते प्रदान करने के दिशा-निर्देशों को खारिज कर दिया। बंगाल सरकार के सहायता देने के फैसले पर अंतरिम रोक लगाते हुए जस्टिस अमृता सिन्हा ने कहा कि राज्य सरकार ग्रुप-सी और ग्रुप-डी कर्मचारियों को भत्ते नहीं दे सकती। यह रोक 26 सितंबर तक लागू रहेगी।

याचिकाकर्ताओं ने तर्क दिया कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बावजूद अनियमितताओं के कारण बर्खास्त किए गए लोगों को 25,000 रुपये और 20,000 रुपये भत्ते प्रदान करना भ्रष्टाचार को पुरस्कृत करने के बराबर है। अदालत के इस फ़ैसले को कई लोग ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार के लिए झटका मान रहे हैं। हालांकि, कुछ लोगों का मानना है कि इस आदेश से राज्य को अस्थायी तौर पर कई करोड़ रुपये के वित्तीय बोझ से राहत मिली है। अदालत के हस्तक्षेप से न केवल भत्ते रुक गए हैं, बल्कि बर्खास्त कर्मचारियों से जुड़े सभी मामले न्यायिक जांच के दायरे में आ गए हैं। इससे राज्य सरकार को अपने रुख को अच्छे इरादे और कानूनी बाधाओं के बीच संघर्ष के रूप में पेश करने का मौक़ा मिल सकता है - एक ऐसा कथानक जिसका इस्तेमाल वह अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले संभावित रूप से कर सकती है।

यह मुद्दा सुप्रीम कोर्ट के उस आदेश से उपजा है, जिसमें 2016 के एसएससी पैनल के लगभग 26,000 उम्मीदवारों की नियुक्तियाँ रद्द कर दी गई थीं, जिनमें ग्रुप-सी और ग्रुप-डी के कर्मचारी शामिल थे। यह आदेश एक जांच के बाद आया, जिसमें कथित नकद-से-नौकरी घोटाले का खुलासा हुआ था। मई में, राज्य सरकार ने नौकरी से बाहर हुए ग्रुप-सी कर्मचारियों के लिए ?25,000 और ग्रुप-डी कर्मचारियों के लिए ?20,000 की मासिक सहायता की घोषणा की थी।

लादेन को छिपाने वाली पाकिस्तान की गलती को अमेरिका नहीं भूलेगा: थरूर

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। आतंकी ओसामा विन लादेन को पनाह देने में पाकिस्तान ने कोई कसर नहीं छोड़ी थी। इससे अमेरिका आज भी नाराज है। इस मामले में पाकिस्तान की भूमिका की याद दिलाते हुए कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि वॉशिंगटन ने डोनाल्ड ट्रंप और पाकिस्तानी सेना के जनरल आसिम मुनीर के बीच बैठक का उपयोग इस्लामाबाद को आतंकवाद का समर्थन न करने की सलाह देने के लिए किया होगा। थरूर ने कहा कि पाकिस्तानी सेना के जनरल को यह संदेश भेजना अमेरिका के हित में भी है क्योंकि पाकिस्तान ने ओसामा बिन लादेन को पनाह दी थी, जो हजारों लोगों की जान लेने वाले 11 सितंबर 2001 के आतंकवादी हमलों के लिए जिम्मेदार था।

कांग्रेस सांसद ने यह टिप्पणी ट्रंप द्वारा मुनीर को दोपहर भोज पर आमंत्रित किए जाने के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में यहां की। थरूर ने कहा कि उन्हें लगता है कि अमेरिका ने बातचीत के दौरान पाकिस्तान को आतंकवाद का समर्थन न करने, आतंकवादियों को पनाहगाह न देने तथा आतंकवादियों को भारत में न भेजने, उनकी मदद न करने, उन्हें प्रशिक्षित न करने, हथियार न देने और फंडिंग न करने के महत्व की याद दिलाई होगी। उन्होंने कहा कि यह संदेश कुछ अमेरिकी सीनेटरों और कांग्रेस सदस्यों द्वारा पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल को दिया गया है और उम्मीद है कि अमेरिका सरकार में सभी लोग ऐसा ही करेंगे। कांग्रेस नेता ने कहा, ''ओसामा बिन लादेन ने 9/11 के हमलों में 2,000 से अधिक लोगों को मार डाला था। उसने दो प्रतिष्ठित अमेरिकी इमारतों को नष्ट कर दिया था। इसलिए, इन परिस्थितियों में, इस आदमी को छिपाने में पाकिस्तान की गलती कुछ ऐसी है जिसे अमेरिकी आसानी से नहीं भूल सकते।

यह पूछे जाने पर कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने भारतीय प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात क्यों नहीं की, बल्कि पाकिस्तानी जनरल से मुलाकात की, थरूर ने कहा कि भारतीय प्रतिनिधिमंडल का स्वागत उपराष्ट्रपति जे डी वेंस ने किया, जो एक महत्वपूर्ण सम्मान था। उन्होंने कहा कि आमतौर पर संसदीय प्रतिनिधियों से देश के उप विदेश मंत्रियों जैसे वरिष्ठ अधिकारी मुलाकात करते हैं। थरूर ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बहुत पहले ही ट्रंप से मुलाकात कर चुके हैं। उन्होंने कहा, हमने बिलकुल वही संदेश दिया जो प्रधानमंत्री ने अमेरिकी राष्ट्रपति को दिया था और हमारे संदेश को उपराष्ट्रपति तथा उप विदेश मंत्री ने किसी आपत्ति, असहमति या तर्क के बिना स्वीकार कर लिया। भारत-पाकिस्तान संघर्ष

को समाप्त करने के लिए अमेरिका द्वारा कथित मध्यस्थता पर थरूर ने कहा कि भारत को इसे रोकने के लिए किसी तरह के अनुनय की आवश्यकता नहीं पड़ी, क्योंकि उसने यह स्पष्ट कर दिया था कि यदि पाकिस्तान रुकेगा, तो वह भी रुकेगा। उन्होंने कहा, यदि राष्ट्रपति ट्रंप की ओर से कोई दबाव रहा होगा तो वह केवल पाकिस्तान पर रहा होगा। जब पाकिस्तान ने संघर्ष रोकने की पेशकश की तो हमने रोक दिया। इसलिए, किसी मध्यस्थता या हम पर किसी दबाव की कोई आवश्यकता नहीं थी।

जुमे की नमाज के बाद इजरायल और अमेरिका के खिलाफ नमाजियों ने किया प्रदर्शन

लखनऊ । राजधानी लखनऊ में बड़ा इमामबाड़ा स्थित आसिफी मस्जिद पर शुक्रवार को जुमा की नमाज के बाद शिया धर्म गुरु मौलाना कल्बे जव्वाद की अगुवाई में इजरायल के खिलाफ प्रदर्शन के खिलाफ सैकड़ों नमाजियों ने प्रदर्शन किया । इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इसरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू की तस्वीर भी जलाई। मस्जिद के बाहर प्रदर्शन कर रहे लोगों के हाथ में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की तस्वीर और 'आई स्टैण्ड विद ईरान' की तख्ती थी । इतना ही नहीं प्रदर्शनकारियों अयातुल्ला अली खामेनेई के समर्थन में नारा लगाया । प्रदर्शन कर रहे है शिया समुदाय के लोगों ने कहा कि हिंदुस्तान सम्वत पूरी दुनिया का शिया ईरान के समर्थन में खड़ा है । अयातुल्ला अली खामेनेई और ईरान के दुश्मनों को हमारा पूरा खुला चैलेंज है । इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने इजरायल के झंडे जलाए और वहां के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को कातिल बताते हुए उनकी तस्वीर जलाई । इसके साथ ही अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भी तस्वीर को आग के हवाले किया । मौलाना कल्बे जव्वाद ने कहा कि यह बेहद अफसोसनाक है कि लोग जुल्म करने वाले इजराइल का साथ दे रहे हैं । मौलाना ने कहा कि अपने हिंदुस्तान से हम शर्मिंदा हैं, वो इजराइल का साथ दे रहा है । भारत अमेरिका के साथ खड़ा है, जो इजरायल का साथ दे रहा है । इसलिए हम लोग शर्मिंदा हो रहे हैं । हमला करने वालों का साथ देने वाला भी अन्यायी है । हमारी मांग है कि भारत सरकार ईरान का साथ दे और लोगों का खून बहने वाले इजरायल का विरोध करे ।

महाराष्ट्र और कर्नाटक सीमा विवाद को सुलझाने फडणवीस सरकार ने उच्चस्तरीय समिति का पुनर्गठन किया

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र और कर्नाटक सीमा विवाद की उत्पत्ति राज्य पुनर्गठन अधिनियम, 1956 के माध्यम से भाषा आधार पर राज्यों के पुनर्गठन में हुई है। 1 नवंबर, 1956 से प्रभावी अधिनियम ने राज्यों को भाषा आधार पर विभाजित किया। 1 मई, 1960 को अपने निर्माण के बाद से, महाराष्ट्र ने दावा किया है कि बेलगावी (तब बेलगाम), कारवार और निपानी सहित 865 गांवों को महाराष्ट्र में मिलाना चाहिए। हालांकि, कर्नाटक ने अपने क्षेत्र को छोड़ने से इंकार किया है। इसके बाद से ही यह विवाद सालों से बना हुआ है।

अब महाराष्ट्र की देवेंद्र फडणवीस सरकार ने कर्नाटक के साथ लंबे समय से चले आ रहे सीमा विवाद को सुलझाने अपनी उच्चस्तरीय समिति का पुनर्गठन किया है। एक सरकारी प्रस्ताव (जीआर) ने समिति के पुनर्गठन की पुष्टि की, जिसकी अध्यक्षता अब मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस करने वाले है। पैनल के पुनर्गठन का निर्णय एक व्यापक, प्रतिनिधि और गैर-पक्षपाती निकाय द्वारा सर्वसम्मति-आधारित निर्णय सुनिश्चित करने के लिए हुआ था।

दरअसल समय-समय पर नई सरकार आने पर समिति का पुनर्गठन होता रहा है। बीते साल हुए विधानसभा चुनाव के बाद फडणवीस के मुख्यमंत्री बनने के बाद अब समिति का पुनर्गठन हुआ है। फडणवीस इस 18 सदस्यीय समिति के अध्यक्ष हैं जिसमें उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अजित पवार तथा पूर्व मुख्यमंत्री नारायण राणे, शरद पवार और पृथ्वीराज चह्वाण शामिल हैं।

समिति के अन्य सदस्यों में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के विधायक रोहित पाटिल और जयंत पाटिल, मंत्री चंद्रकांत पाटिल, शंभूराज देसाई, प्रकाश अबितकर, सुरेश खाड़े, भाजपा विधायक सुधीर गाडगिल, सचिन कल्याण शेट्टी, विधानसभा और विधान परिषद में विपक्ष के नेता शामिल हैं। महाराष्ट्र विधानसभा में फिलहाल विपक्ष का कोई नेता नहीं है। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) और कांग्रेस के विधायकों को उच्चस्तरीय समिति में शामिल नहीं किया है।

बात दें कि ये सीमा विवाद 1957 में भाषा आधार पर राज्यों के पुनर्गठन के बाद शुरू हुआ था। महाराष्ट्र ने बेलगावी को राज्य में शामिल करने की मांग की थी, जो तत्कालीन बॉम्बे प्रेसीडेंसी का हिस्सा था, क्योंकि बेलगावी में मराठी भाषी आबादी अधिक है। तब महाराष्ट्र ने 800 से अधिक मराठी भाषी गांवों पर भी दावा किया जो वर्तमान में कर्नाटक में हैं। वहीं, कर्नाटक, राज्य पुनर्गठन अधिनियम और 1967 की महाजन आयोग रिपोर्ट के अनुसार भाषाई आधार पर किए गए सीमांकन को अंतिम मानता है।

15 साल के कियान ने दी पिता संजय कपूर को मुखाग्नि

नई दिल्ली (एजेंसी)। अभिनेत्री करिश्मा कपूर के पूर्व पति और बिजनेसमैन संजय कपूर की दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई थी। वहीं निधन के सात दिन बाद संजय कपूर का गुरुवार को दिल्ली में अंतिम संस्कार हुआ। इस दौरान उनकी एक्स पत्नी करिश्मा कपूर अपने दोनों बच्चों बेटी समायरा और बेटे कियान के साथ मौजूद थीं।

संजय की तीसरी पत्नी प्रिया सचदेव भी परिवार के साथ मौजूद थी।

बता दें कि संजय कपूर का अंतिम संस्कार दिल्ली में लोधी रोड शमशान घाट पर किया गया। इस दौरान करिश्मा कपूर अपने दोनों बच्चों के संग बेहद भावुक नजर आईं। पिता की अंतिम यात्रा के दौरान दोनों बच्चे कियान और बेटी समायरा मां के गले लगकर फूट-फूटकर रोए। इस दौरान करिश्मा की आंखों से भी आंसू छलक पड़े थे। इस दौरान उनकी बहन करीना और जीजा सैफ अली खान ने उन्हें संभाला। करीना भी इस दौरान काफी इमोशनल दिख रही थीं। दरअसल संजय कपूर ने तीन शादियां की थीं। उनकी पहली पत्नी नंदिता महतानी से उनका शादी के चार साल बाद ही तलाक हुआ था। इनका कोई बच्चा नही हैं। साल 2003 में संजय और करिश्मा कपूर शादी के बंधन में बंधे थे। इनके दो बच्चे हैं बेटी समायरा और बेटा कियान। हालांकि साल 2016 में इनका भी तलाक हुआ था। साल 2017 में संजय ने प्रिया सचदेव से शादी की थी। इनका एक बेटा अजारियस है। लेकिन बिजनेसमैन के अंतिम संस्कार की सभी रस्में उनके और करिश्मा कपूर के 15 साल के बेटे कियान ने की। कियान ने ही पिता को मुखाग्नि दी थी।

संजय कपूर की प्रेयर मीट 22 जून को दिल्ली के ताज पैलेस होटल में शाम 4 से 5 बजे के लिए रखी गई है। प्रेस नोट में संजय कपूर की मां रानी सुरिंदर कपूर, प्रिया सचदेव और उनके बच्चे और करिश्मा कपूर के दोनों बच्चों का नाम मेंशन था।

अब टिकट होगी कन्फर्म, रेलवे ने लगाई वेटलिस्ट पर 25 प्रतिशत की सीमा

नई दिल्ली (एजेंसी)। ट्रेनों में भीड़भाड़ को नियंत्रित करने के लिए रेलवे ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। रेल मंत्रालय ने घोषणा की है कि अब किसी भी ट्रेन में वेटलिस्ट टिकटों की संख्या को ट्रेन की कुल क्षमता के 25 प्रतिशत तक सीमित किया जाएगा। इस नए नियम का उद्देश्य यात्रियों को बेहतर यात्रा अनुभव प्रदान करना और ओवरबुकिंग की समस्या को कम करना है। रिपोर्ट के मुताबिक, अब रेलवे हर ट्रेन के एसी फर्स्ट क्लास, एसी सेकंड, एसी थर्ड, स्लीपर और चेयर कार में कुल बर्थ/सीटों का अधिकतम 25 प्रतिशत ही वेटिंग टिकट के रूप में जारी करेगा। यह बदलाव विभिन्न कोटे- जैसे दिव्यांगजन, वरिष्ठ नागरिक, और महिलाओं के लिए आरक्षित सीटों को ध्यान में रखते हुए किया गया है।

रेल मंत्रालय के एक अधिकारी के मुताबिक, प्रत्येक जोनल रेलवे को यह अधिकार दिया गया है कि वह अपने क्षेत्र के ट्रेनों में बुकिंग और कैंसिलेशन के पैटर्न को देखते हुए वेटिंग टिकट की सीमा तय कर सकता है। इससे ट्रेनों की प्रकृति और यात्रियों की मांग के अनुसार लचीलापन भी रहेगा। यह नई व्यवस्था न केवल यात्रियों को असमंजस से बचाएगी, बल्कि ट्रेनों में अनधिकृत भीड़ को भी कम करने में मदद करेगी। इससे बोर्डिंग प्रक्रिया अधिक व्यवस्थित होगी और आरक्षित डिब्बों में यात्रा करने वाले यात्रियों को बेहतर अनुभव मिलेगा।

ट्रेनों में अनावश्यक भीड़ भी कम होगी

रेलवे अधिकारियों के अनुसार, आंकड़ों से यह पता चलता है कि चार्ट बनने तक लगभग 20 प्रतिशत से 25 प्रतिशत वेटिंग टिकट कंफर्म हो जाते हैं। इस आधार पर नई सीमा तय की गई है ताकि यात्रियों को टिकट की स्थिति को लेकर अधिक स्पष्टता मिल सके। रेलवे बोर्ड द्वारा जारी सर्कुलर के बाद, देशभर के विभिन्न जोनल रेलवे इस नई व्यवस्था को लागू करने लगे हैं।रेलवे के अनुसार, यह नियम सभी श्रेणियों की ट्रेनों, जैसे कि राजधानी, शताब्दी, दुरंतो, मेल/एक्सप्रेस और सुपरफास्ट ट्रेनों पर लागू होगा। उदाहरण के लिए, यदि किसी ट्रेन में 1,000 सीटें उपलब्ध हैं, तो उसमें अधिकतम 250 वेटलिस्ट टिकट ही जारी किए जाएंगे। इस कदम से न केवल यात्रियों को अपनी यात्रा की पुष्टि होने की संभावना बढ़ेगी, बल्कि ट्रेनों में अनावश्यक भीड़ भी कम होगी। जनवरी 2013 के सर्कुलर के अनुसार, पहले एसी फर्स्ट क्लास में अधिकतम 30, एसी सेकंड में 100, एसी थर्ड में 300 और स्लीपर क्लास में 400 वेटिंग टिकट जारी किए जा सकते थे। इसके चलते यात्रियों को अक्सर आखिरी वक्त तक टिकट कंफर्म होने की चिंता रहती थी।एक वरिष्ठ रेलवे अधिकारी ने बताया, वेटिंग टिकटों की अधिक संख्या के कारण रिजर्व्ड कोचों में बिना कन्फर्म टिकट वाले यात्री भी चढ़ जाते थे, जिससे कोचों में भारी भीड़ और अव्यवस्था होती थी। नई नीति इस गड़बड़ी को रोकने में मदद करेगी।

धूप में निकलने से पहले..

- सूरज की गर्मी से जलते हुए तन को दें ज्यादा से ज्यादा पानी का सहारा
- गर्मी में निकलने से पहले करें सनस्क्रीन यूज
- घर से टोपी, छाता व काला चश्मा ही पहन के निकलें

सनस्क्रीन 20 मिनट पहले लगाएं : सनस्क्रीन बाहर निकलने से 20 मिनट पहले लगा लें क्योंकि इसे जज्ब होने में इतना समय लगता है। पूरे दिन में कई बार सनस्क्रीन लगाएं। यदि आपको इसकी तैलीय प्रकृति नापसंद हो तो आप इसमें कैलामाइन लोशन या टैल्कम पॉवडर मिला लें।

ब्लेक गॉगल्स व हैट: हमेशा चौड़ा हैट पहनें और ब्लेक गॉगल्स लगाकर ही बाहर निकलें। हो सके तो सफेद या फिर हल्के रंग के कपड़े पहनें क्योंकि ये तापमान नहीं सोखते। कॉटन के कपड़ों हवा पास होती रहती है।

टमाटर टैनिंग से छुटकारा दिलाए : टैनिंग से छुटकारा पाने के लिए टमाटर का जूस का प्रयोग करें। इसका प्रयोग दिन में दो बार किया जा सकता है। टमाटर विटामिन-सी से भरपूर होते हैं। इन्हें रोजाना खाना चाहिए।

पानी, शरबत व रसीले फल खा कर जाएं बाहर : बाहर निकलने से पहले खूब सारा पानी पी लें क्योंकि गर्मियों में शरीर की नमी तेजी से निकल जाती है। हीट स्ट्रोक होने का भी यही एक बड़ा कारण है। छाछ, कैरी का पन्हा, शरबत और रसीले फल शरीर की नमी को बरकरार रखते हैं।

कीवी नमी बनाए रखता है: कीवी शरीर की नमी बनाए रखता है। हो सके तो इन गर्मियों में एक कीवी जरूर खाएं यह शरीर की नमी को बनाए रखने का एक घरेलू उपाय है।

खुबानी और शहद का लोशन यूज करें: खुबानी और शहद से बने लोशन से त्वचा

दोस्तों गर्मियां आ पहुंची हैं। ऐसे में आप अपनी स्किन और शरीर को झुलसा देने वाली गर्मी से परेशान होंगे। गर्मियां तो होती ही हैं परेशानी देने वाली, इसमें आपके पसीने छूटने तो लाजमी ही हैं। अब जबतक गर्मियां हैं तबतक आप अपने काम-काज तो बंद करके तो बैठ नहीं जाएंगे, काम तो 12 महीनों ही करना है। इन 12 महीनों में हम न जाने कौन-कौन से थपेड़ों से जूझते हैं, इन सबसे ज्यादा परेशान तो गर्मी ही करती है। बाहर आना-जाना सबसे ज्यादा परेशान करता है। चिपचिपा पसीना, बढ़ा हुआ तापमान, धूल और पानी की कमी का सीधा असर पूरे शरीर और त्वचा पर पड़ता है। धूप में शरीर का जो हिस्सा खुला रहता है वह झुलस जाता है। बहुत लंबे समय तक सनबर्न होता रहे तो त्वचा पर उम्र का असर दिखाई देने लगता है। त्वचा कांतिहीन हो जाती है और उम्र से पहले ही बुढ़ापा दिखाई देने लगता है। गर्मियों के मौसम में होने वाली समस्याओं से बचा जा सकता है लेकिन इसके लिए आपको अपनी जीवनशैली में चंद परिवर्तन करने होंगे।

गुलाब की पत्तियों जैसी नर्म और मुलायम हो जाती है।

सनबर्न होने पर बर्फ करें यूज : यदि किसी वजह से सनबर्न हो गया है तो वहां बर्फ लगाएं और तापमान को कम करने की कोशिश करें। यहां अन्य कोई लेप या क्रीम या मास्क न लगाएं।

पानी का करें यूज: बाहर निकलने से पहले आप भरपूर पानी पीए, धूप में आपकी बॉडी गर्म हो जाती है पानी आपकी बॉडी को समान्य बनाए रखेगा।

संतरे ठंडक देता है: संतरे का रस भरपूर ठंडक देता है, संतरा और उसका रस उम्र को परे धकेलने में सहायक होता है।

कुछ एंटीबायटिक बार बार लेने से मधुमेह!

कुछ एंटीबायटिक बार बार लेने से मधुमेह होने का खतरा बढ़ जाता है। यूरोपियन जर्नल ऑफ इंडोक्रनालजी के अनुसार कुछ एंटीबायटिक बार-बार लेने से 'टाइप टू डायबिटीज' का खतरा बढ़ जाता है। लिहाजा विशेषज्ञों ने एंटीबायटिक के बेजा इस्तेमाल पर रोक लगाने की मांग की है। पेंसिलवेनिया यूनिवर्सिटी के गैस्ट्रोएन्ट्रालजी एंड मेडिकल ऑनकोलॉजी के शोधकर्ता डा. बेन बोरसी के अनुसार एंटीबायटिक के कारण हमारे पाचनतंत्र पर खराब असर पड़ता है। इससे 'गट बैक्टीरिया' (आंतों के बैक्टीरिया) के सक्रिय होने की आशंका बढ़ जाती है। इससे शरीर के मैकेनिज्म पर खराब असर पड़ता है और मोटापा बढ़ने की आशंका बढ़ जाती है। मोटापा बढ़ना इंसुलिन की रोग प्रतिरोधक क्षमता को कम करता है। वरिष्ठ शोधकर्ता डा. यू झी यांग के अनुसार हमारे शोध ने एंटीबायटिक और मधुमेह के बीच संबंध होने के खतरे को उजागर किया है। ब्रिटेन में टाइप टू डायबिटीज मरीज से पीड़ित लोगों की मेडिकल हिस्ट्री पर नजर डाली गई। इसमें यह निष्कर्ष सामने आया कि टाइप टू डायबिटीज से पीड़ित मरीजों को पहले 'पेनसिलीन्स', 'सेफहेलोस्पोरिन्स', 'क्वीनोलोन्स' और 'मैक्रोलाइड्स' आदि का कम से कम दो बार कोर्स किया था। इसमें से 'क्वीनोलोन्स' सांस के रोगियों और 'यूरीनरी ट्रेक इंफेक्शन' के मरीजों आदि को दी जाती है। ब्रिटेन में 30 लाख लोग टाइप टू डायबिटीज से पीड़ित हैं। भारत सहित कई देशों में मधुमेह पीड़ित मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। आने वाले समय में भारत में मधुमेह मरीजों की संख्या अत्यधिक बढ़ने की आशंका है।

- एंटीबायटिक के कारण हमारे पाचनतंत्र पर खराब असर पड़ता है
- इससे 'गट बैक्टीरिया' (आंतों के बैक्टीरिया) के सक्रिय होने की आशंका बढ़ जाती है
- लिहाजा मोटापा बढ़ता है और इंसुलिन की प्रतिरोधक क्षमता कम होती है

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। घरेलू बहुमूल्य वस्तुओं के क्रय का योग है। शुभांक-3-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती है। स्थाई सम्पति के निर्माण, मरम्मत व पुर्नस्थापना पर व्यय भार बढ़ेगा। किसी की टीका-टिप्पणी से आपको परेशानी हो सकती हैं। शुभांक-2-4-5

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी। शुभांक-2-4-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): पुरानी पारिवारिक समस्याओं का समाधान होगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। परिवार पक्ष से थोड़ी ङ्कचता रहेगी। शुभांक-1-3-5

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): दाम्पत्य जीवन में तनाव का वातावरण बन सकता हैं। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। आत्मङ्कचतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शुभांक-4-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। परिवार में कोई मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। शुभांक-2-3-5

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते हैं। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंगे। दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। पुरुषार्थ का सहारा लें। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। शुभांक-2-5-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में वर्तमान क्षमता को बढ़ाएंगे। उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। आप अच्छी सफलताएं प्राप्त करेंगे। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक दृष्टि से समय उपलब्धिकारक रहेगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-4-6

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं। शुभांक-3-5-6

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): शनैः-शनैः स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा परिणाम शुभ रहेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंगे। शुभांक-2-4-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): विकास के लिए बनाई योजना सफल होगी। अच्छा हो कि आप अपने उद्देश्य को लेकर सचेत रहें। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य सौंपे जा सकते है जो कि अतिविश्वसनीय व्यक्तियों को ही दिये जाते हैं। कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-3-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): व्यापार में स्थिति उत्तम रहेगी। उत्तरदायित्व की अधिकता निजी जीवन में अपने ही ढ़ग की परेशानियां पैदा करेगी। कारोबार की उन्नति के लिये एक से अधिक सीढ़ी चढ़कर लोगों को आश्चर्य में डाल देगें। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। बौद्धिक क्षेत्र में प्रतियोगिता जीतने का मौका मिलेगा। शुभांक-2-5-6

लॉफिंग ज़ोन

एक बहरा अपने बीमार मित्र को देखने जा रहा था. रास्ते में वह मन ही मन सोचने लगा कि ज्यादा बातें करुंगा तो कुछ का कुछ सुनाई देगा इसलिए कम से कम बोलूंगा. सबसे पहले पूछूंगा कि तबीयत कैसी है? मित्र कहेगा ठीक है. फिर पूछूंगा कि किसकी दवा चल रही है? वह डॉक्टर का नाम बता देगा. सोचते-सोचते बीमार का घर आ गया. मित्र से मिलते ही बहरा बोला, 'कहो कैसी तबीयत है?'

बीमार- 'मर रहा हूं.'

बहरा - अगछा ही है. भगवान करे ऐसा ही हो. दवा किसकी चल रही है?

बीमार - यमराज की.

बहरा - अच्छा डॉक्टर है, खाने को क्या बताया है?

बीमार - पत्थर.

बहरा - ठीक है, पचने में हल्के होते हैं.

☺ ☺ ☺

मैनेजर ने अपने एक कर्मचारी के पिता को बुलाकर कहा- आपका लड़का ऐसे काम कर रहा है, जैसे दस वर्ष से नौकरी कर रहा हो.

कर्मचारी के पिता ने पूछा- क्या वह इतने कम दिनों में ही अच्छा काम करना सीख गया है?

'जी नहीं, वह इतना अधिक आलसी हो गया है.' मैनेजर ने जवाब दिया.

☺ ☺ ☺

काकुरो पहेली - 4090

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो 4089 का हल

फिल्म वर्ग पहेली- 4090

बायें से दायें:-

१. 'ये तारा वो तारा' गीत वाली आशुतोष गोवारीकर की फिल्म-३
३. 'तुम्हें अपना बनाने की' गीत वाली संजयदत्त, पूजा भट्ट की फिल्म-३
५. राजकपूर, नर्गिस की 'ये शाम की तन्हाइयाँ' गीत वाली फिल्म-२
७. 'चलती है पुरवाई' गीत वाली जतिन ग्रेवाल, नेहा की फिल्म-३
८. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की 'रामजी की निरली सवारी' गीत वाली फिल्म-४
९. 'मैं शायर तो नहीं' गीत वाली ऋषिकपूर, डिम्पल की फिल्म-२
१०. राजेश खन्ना, शर्मिला की 'कन्हैया कन्हैया तुझे' गीत वाली फिल्म-३
११. 'बंदा ये बिंदास है' गीत वाली अमिताभ, रवीना, नंदिता की फिल्म-२
१२. अमिताभ, जीनत की 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'दिन सारा गुजारा' गीत वाली शम्मी कपूर, सायरा की फिल्म-३
१५. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'वो शाम कुछ अजीब थी' गीत वाली राजेश खन्ना, वहीदा की फिल्म-३
१९. आमिर, जूही, ममता की 'धीरे धीरे आप मेरे' गीत वाली फिल्म-२
२२. फिल्म 'रिफ्यूजी' में अभिषेक के साथ नायिका कौन थी-३
२४. अक्षयकुमार, करीना की 'दिल ले गया परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'बहारों फूल बरसाओ' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वैजयंती की फिल्म-३
२८. किशोरकुमार की 'एक चतुर नार करके सिंगार' गीत वाली फिल्म-४
२९. 'फिर वही चांद वही गम' गीत वाली देवआनंद, नूतन की फिल्म-३
३०. डिनो, बिपाशा की 'जब दिल चुराये कोई' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'कैसे कटे दिन कैसे' गीत वाली राजेश, गोविंदा, जूही की फिल्म-२
२. अमिताभ, जयाप्रदा की 'मंजिलें अपनी जगह हैं' गीत वाली फिल्म-३
३. फिल्म 'तेरे नाम' में नायक कौन था-४,२
४. ऋषि, चंकी, नीलम की 'देखा जो हुस्न आपका' गीत वाली फिल्म-३
५. काहे कोयल शोर, मचाये' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
६. जीतेंद्र, लीना चंदावरकार की 'तूने तूने ओ सनम' गीत वाली फिल्म-४
९. 'है मुबारक आज का' गीत वाली मिथुन चक्रवर्ती, रति की फिल्म-३
११. संजय दत्त, अनिता की 'तुन्ना तुन्ना तक तक तुन्ना' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'हम तुम को निगाहो' गीत वाली सलमान, अरबाज, शिल्पा की फिल्म-२
१६. राजकपूर, वहीदा रहमान की 'सजन रे झूठ मत बोलो' गीत वाली फिल्म-३,३
१८. फिल्म 'मिस ४२०' में नायिका कौन थी-२
२०. सनी देओल, सलमान, करिश्मा, तब्बू की 'तू धरती पे चाहे जहाँ' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की फिल्म-२
२३. अजय देवगन, अमीषा पटेल की 'प्यार तो होता है प्यार' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'मेरे अंगने में तुम्हारा' गीत वाली अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-४
२६. अरविंद स्वामी, प्रभुदेवा, काजोल की 'एक बगिया में रहती है' गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली-4089

श	हु	ल	■	ना	■	गै	ब	ल	र
जा	■	■	घा	य	ल	■	द	■	न
औ	ला	द	■	ब	गा	व	त	■	■
र	■	स	त्या	■	न	■	मी	ना	क्षी
रं	गी	ला	■	टी	■	अ	ज	य	■
क	■	ख	ल	ना	य	क	■	क	था
■	दो	■	की	■	■	ल	क्ष्य	■	ने
खू	ब	सू	र	त	■	मं	■	दा	दा
■	द	■	■	ला	■	द	स	■	र
डॉ	न	■	रो	श	नी	■	नी	तू	■

सूडोकु -'4090

	9				4			7
					7	9		
8								
4		5	8					
3				1				2
					9	7		6
								4
		3	5					
2			6				8	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4089 हल

7	8	5	2	6	3	1	4	9
4	3	1	9	7	5	8	2	6
2	6	9	1	4	8	7	5	3
3	1	4	6	8	9	5	7	2
9	5	8	7	2	4	6	3	1
6	7	2	5	3	1	9	8	4
5	2	7	3	9	6	4	1	8
1	4	6	8	5	2	3	9	7
8	9	3	4	1	7	2	6	5

शब्द पहेली - 4090

बाएँ से दाएँ

1.मन मोहने वाला-5
5.प्रस्थान करना,रवानगी-5
9.राशिचक्र की दसवीं राशि-3
10.तेल में पकाना-3
11.प्रेम,प्यार-2
13.थोड़ा,जरा-2
14.मैं का बहुवचन-2
15.उम्मीद करना-5
18.धन,संपदा-2
19.पक्षियों की चहचहाट-4
20.अभिप्राय-4
21.सद्,अच्छा-2
22.दम,ताकत-2
23.प्रकाशवान-4
26.ठसाठस-4
29.माईल,दूरी नामपे की इकाई-2
30.क्रोधित होना-2,3
33.विदेशी शराब-2
34.झुका हुआ-2
35.भाग्य (अंग्रेजी-2)
36.आखेट मंच-3
38.खुजली-3
41.मनमोहकता-5
42.नाटक लिखने वाला-5

ऊपर से नीचे

1.आकर्षक.चिताकर्षक-5
2.वैक्स,मधुज-2
3.अधिकार-2
4.फिल्म 'मदर इंडिया' की नायिका-4
5.जागरण-4
6.दीवार (अंग्रेजी-2)
7.मां के पिता-2
8.असफल-5
12.गर्भ,कोख-3
13.करामात-3
15.खातिरदारी -5
16.उद्देश्य-2
17.नामकरण-2,3
23.भूस्वामी-2,3
24.सही का विलोम-3
25.मृत्यु-2
27.इमामदस्ता-3
28.कांतिमान, चमकीला-5
31.उदारता,बड़प्पन-4
32.मालगोदाम-4
36.रत्न,नग-2
37.टी,चहा-2
39.याचिका,वाद (अंग्रेजी-2)
40.वहम,संदेह-2

शब्द पहेली 4089 हल

का	ज	■	आ	ग	■	सा	थ	■	सु	रा
ल	■	ता	ना	■	आ	स	■	ख	ब	र
■	ली	ला	■	सा	या	■	क	ल	ह	■
म	न	■	रा	त	■	र	म	ल	■	वि
स्ती	■	फि	जा	■	अ	ग	ला	■	सा	दा
■	शू	र	■	की	च	ड़	■	ता	र	■
कु	ल	■	अ	म	ल	■	ख	त	■	मी
ली	■	ग	ल	त	■	प	ता	■	जा	न
■	दो	ज	ख	■	क	ल	■	ता	ल	■
घा	य	ल	■	दा	म	■	उ	म्र	■	मो
त	म	■	प	ग	■	कृ	ष्ण	■	क	र

मप्र में लाड़ली बहनों को बड़ी सौगात, दीपावली से प्रतिमाह मिलेंगे 1500 रुपये

एजेंसी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने लाड़ली बहनों के लिए बड़ी घोषणा की है। उन्होंने इंदौर में लाड़ली बहनों को बड़ी सौगात देते हुए कहा कि आगामी दीपावली से लाड़ली बहना योजना के तहत हितग्राही बहनों को 1500 रुपये प्रति माह की राशि नियमित दी जाएगी। उन्होंने कहा कि अभी वर्तमान में योजना के तहत 1250 रुपये प्रति माह की राशि लाड़ली बहनों को दी जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि योजना के तहत अगले महीने प्रदेश की सभी लाड़ली बहनों को रक्षाबंधन मनाने के लिए 250 रुपए की अतिरिक्त राशि उनके बैंक खाते में भेजी जाएगी। योजना के तहत चरणबद्ध रूप से राशि बढ़ाकर तीन हजार रूपये प्रति माह तक की जायेगी। उन्होंने कहा कि बहनों को सशक्त बनाने के लिये अनेक कल्याणकारी योजनाएं शुरू की गई हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव इंदौर में कलेक्टर कार्यालय में विश्व सिकल दिवस पर बड़वानी में आयोजित कार्यक्रम को वर्चुअली सम्बोधित करने के बाद मीडिया से चर्चा कर रहे थे।

बिहार पुलिस कांस्टेबल भर्ती घोटाले में ईडी का उप्र, बिहार, बंगाल, झारखंड में छापा

नई दिल्ली/पटना। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने वर्ष 2023 के बिहार पुलिस कांस्टेबल परीक्षा भर्ती में कथित घोटाले की मनी लॉन्ड्रिंग जांच के सिलसिले में उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल और झारखंड में करीब एक दर्जन ठिकानों पर छापेमारी की। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि ईडी ने बिहार के पटना और नालंदा, झारखंड के रांची, उत्तर प्रदेश के लखनऊ और पश्चिम बंगाल के कोलकाता में कम से कम एक दर्जन ठिकानों पर छापेमारी की। ईडी की ये कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत की जा रही है। ये ठिकाने एजेंट, प्रश्नपत्र लीक कराने वाले गिरोह के सदस्यों और उनके सहयोगियों से जुड़े हुए हैं। केंद्रीय जांच एजेंसी ने कोलकाता में एक प्रेस पर भी छापा मारा है, जहां प्रश्नपत्रों की छपाई हुई थी। सूत्रों ने बताया कि बिहार के कुछ पुलिस अधिकारी भी ईडी की जांच के दायरे में हैं। उल्लेखनीय है कि इस घोटाले को अंजाम देने वाले लोग वही हैं, जो 2024 में नीट यूजी के प्रश्नपत्र लीक घोटाले में आरोपित हैं। बिहार पुलिस कांस्टेबल 2023 भर्ती के जरिए 21,391 रिक्तियों को भरना था।

राज्य का एकमात्र होम्योपैथिक कॉलेज बर्बादी के कगार पर : अजय साह

रांची। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता अजय साह ने गोड्डा के राजकीय होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल की अव्यवस्था और इसकी मान्यता पर मंडरा रहे संकट को लेकर गहरी चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की लापरवाही और संवेदनहीनता के चलते यह संस्थान अपने अस्तित्व और पहचान दोनों को खोने की कगार पर है अजय साह ने कहा कि कॉलेज में स्थायी प्राचार्य की नियुक्ति नहीं हो पाई है, जिससे संस्थान में प्रशासनिक कार्य ठप हैं। कॉलेज में 42 स्वीकृत पदों के मुकाबले मात्र 8-10 शिक्षक कार्यरत हैं, जो शिक्षा की गुणवत्ता और छात्रों के भविष्य पर प्रश्नचिन्ह लगाता है। कॉलेज में छात्रावास की बेहद कमी है। इंटर्न हॉस्टल के अभाव में छात्रों को प्रतिदिन 40 किलोमीटर दूर गोड्डा शहर से कॉलेज तक आना-जाना पड़ता है, जिससे सड़क दुर्घटनाओं की घटनाएं सामने आ रही हैं। उन्होंने कहा कि इंटर्नशिप कर रहे विद्यार्थियों को 10 हजार मासिक स्टाइपेंड दिया जा रहा है, जो आयुष मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के विपरीत है। इसके अलावा छात्रों को यह नाममात्र राशि भी समय पर नहीं मिलती, जिससे उन्हें गंभीर आर्थिक संकट का सामना करना पड़ता है। यदि यह स्थिति बनी रही, तो केंद्रीय होम्योपैथी परिषद द्वारा इस कॉलेज की मान्यता कभी भी रद्द की जा सकती है। राज्य सरकार की लापरवाही ने इस संस्थान को बर्बादी के रास्ते पर लाकर खड़ा किया है।

ईरान-इजरायल युद्ध में फंसे हरिद्वार के कई लोग, परिजनों ने की सकुशल वापसी लगायी गुहार

रुड़की। ईरान और इजरायल के बीच जारी युद्ध के चलते उत्तराखंड के हरिद्वार जनपद के मंगलौर, टांडा भनेड़ा और जैनपुर झंझेड़ी क्षेत्र के कई लोग ईरान में फंसे हुए हैं। इनमें धार्मिक यात्रा और इस्लामिक स्टडी के लिए गए पुरुष, महिलाएं व बच्चे शामिल हैं। परिजनों ने भारत सरकार से इनकी सुरक्षित और शीघ्र वापसी की गुहार लगाई है। जिला प्रशासन ने स्थिति को गंभीरता से लेते हुए प्रभावित नागरिकों का डाटा संकलन शुरू कर दिया है, जिसे गृह मंत्रालय को भेजा जाएगा। इस संबंध में जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने बताया कि जिन लोगों के परिजन ईरान में हैं, वे संबंधित दस्तावेजों के साथ प्रशासन से संपर्क करें। उन्होंने आश्वस्त किया कि केंद्र एवं राज्य सरकार समन्वय कर समुचित कार्रवाई करेगी। स्थानीय निवासी मंजूर अहसान ने बताया कि उनके माता-पिता हाल ही में ईरान से इराक पहुंचे हैं, जबकि मंगलौर क्षेत्र की सना ने बताया कि उनके माता-पिता अब भी ईरान में ही हैं। उन्होंने कहा कि परिजनों से संपर्क बना हुआ है और वे सुरक्षित हैं, परंतु युद्ध के हालातों के चलते चिंता बनी हुई है। गौरतलब है कि वर्तमान हालातों को देखते हुए ईरान ने अपना एयरस्पेस बंद कर दिया है, जिससे हवाई मार्ग से आवाजाही संभव नहीं है। भारत सरकार की ओर से लगातार स्थिति पर नजर रखी जा रही है और विदेश मंत्रालय के माध्यम से समाधान के प्रयास जारी हैं।

उत्तराखंड में 32 आईएएस सहित कुल 57 अधिकारियों का तबादला

एजेंसी

देहरादून। उत्तराखंड शासन ने भारतीय प्रशासनिक सेवा (आइएएस) के 32 और 24 पीसीएस के अलावा 01 सचिवालय साहित कुल 57 अधिकारियों के तबादले कर दिए हैं। इनमें से पौड़ी, रुद्रप्रयाग, उत्तरकाशी और चंपावत जिलों के जिलाधिकारी भी बदले गए हैं। संयुक्त सचिव राजेन्द्र सिंह की ओर से जारी स्थानांतरण आदेश में मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन से जलागम विभाग का मुख्य परियोजना निदेशक जलागम हटा लिया गया है। सचिन कुर्वे से सचिव पर्यटन एवं धर्मस्व, मुख्य कार्यकारी अधिकारी पर्यटन विकास परिषद को बदल कर धीरज सिंह गर्ब्याल को यह जिम्मेदारी दी गई है। बीवीआरसी पुरषोत्तम से सचिव सहकारिता बदलकर दिलीप जावलकर सचिव सहकारिता के साथ सचिव जलागम निदेशक,आडिट मुख्य परियोजना निदेशक जलागम का दायित्व सौंपा गया है। डॉ पंकज पाण्डेय से सचिव-श्रम, उत्तराखण्ड भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड अध्यक्ष का दायित्व बदल दिया गया है। शेष पदभार यथावत है। चंद्रेश कुमार यादव का खाद युक्त की जिम्मेदारी दी गई है। डॉ आर राजेश कुमार से सचिव सिंचाई लघु सिंचाई और डॉ. वी. षणमुगम से निदेशक आडिट हटा लिया गया है। डॉ नीरज खैरवाल से सचिव, समाज कल्याण, आयुक्त, समाज कल्याण, अध्यक्ष, बहुउद्देशीय वित्त विकास निगम का दायित्व बदलकर सचिव-भाषा की जिम्मेदारी दी गई है। श्रीधर बाबू को सचिव, श्रम, समाज कल्याण आयुक्त, अध्यक्ष, बहुउद्देशीय वित्त विकास निगम, अध्यक्ष-उत्तराखण्ड भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड मिला है। युगल किशोर पंत को सचिव-सिंचाई,

परियोजना विकास एवं निर्माण निगम लि. सिंचाई की जिम्मेदारी दी गई है। रंजना राजगुरु को अपर सचिव-बाल विकास, महिला कल्याण, निदेशक-आई.सी.डी.एस. निदेशक-महिला कल्याण नवीन जिम्मेदारी दी गई है। रीना जोशी को राज्यपाल अपर सचिव की जिम्मेदारी दी गई है। हरीश कांडपाल को बाध्य प्रतीक्षा में रखा गया है। संजय कुमार को निदेशक सेवायोजन का अतिरिक्त प्रभार और मनुज गोयल को अपर सचिव तकनीकी शिक्षा मिशन निदेशक एनएचएम का दायित्व दी गई है। हिमांशु खुराना से मुख्य कार्यकारी अधिकारी पीएमजीसवाई बदल दिया गया है। अभिषेक रुहेला से परियोजना निदेशक यूयूएसडीए भेजा गया है। पराग मधुकर धकाते को विशेष सचिव, अल्पसंख्यक विभाग कल्याण अध्यक्ष-अल्पसंख्यक कल्याण व वक्फ विकास निगम मिला है। सोनिका से अपर सचिव-सहकारिता,नागरिक उड्डयन, निबंधक सहकारिता, मुख्य कार्यकारी अधिकारी-उत्तराखण्ड सिविल एवियेशन डेवलपमेंट अथॉरिटी हटा लिया गया है। आनंद स्वरूप से अपर सचिव नियोजन बदल दिया गया है।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने खेत में चलाया ट्रैक्टर, शिमला मिर्च की खेती की

एजेंसी

विदिशा। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अपने विदिशा प्रवास के दौरान खेत में उतरकर खुद ट्रैक्टर चलाया और शिमला मिर्च की खेती की शुरुआत की। उन्होंने खेत में मल्चिंग मशीन का उपयोग कर खेती के आधुनिक तरीकों को अपनाने का संदेश दिया।शिवराज ने इसका वीडियो सोशल मीडिया एक्स पर शेयर किया है। वीडियो में उन्होंने कहा कि बिना खेत में जाए किसानी नहीं हो सकती। आज मैंने अपने खेत पहुंचकर शिमला मिर्च के लिए मशीन से मल्चिंग का काम किया। खेती का आनंद अद्भुत है। जब मेहनत से बोया हुआ बीज पौधा बनकर फलता है, तो लगता है कि जीवन सार्थक हो गया है। उन्होंने कहा कि अच्छी किसानी के लिए खुद की भागीदारी जरूरी है। खेती में मशीनीकरण से तेजी और उत्पादकता बढ़ती है। उन्होंने यह भी कहा कि उनका जुड़ाव केवल मंत्रालय तक सीमित नहीं है।

वे खुद एक किसान हैं और जब भी समय मिलता है, खेती से जुड़ना पसंद करते हैं। अपने निजी फार्म पर काम कर उन्होंने इस बात को दर्शाया कि नेता होने के बावजूद वे किसान की जड़ों से जुड़े हुए हैं। इस मौके पर उन्होंने अपने छोटे बेटे कुणाल सिंह चौहान का जन्मदिन भी सादगी से परिवार के साथ अपने फार्म हाउस पर मनाया, जिससे उनका पारिवारिक पक्ष भी सामने आया।

ब्रह्मपुत्र नदी में नाव पलटी, लापता छह लोगों की तलाश जारी

नलबाड़ी (असम)। नलबाड़ी जिले के बरखेत्री सर्कल इलाके में ब्रह्मपुत्र नदी में सुबह नाव पलटने से पांच स्कूली बच्चों समेत छह लोग लापता हो गए। हालांकि, नाव पर सवार अन्य लोगों को बचा लिया गया है। लापता लोगों की तलाश में राहत एवं बचाव कार्य जारी है।घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) और राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) की टीम पहुंचकर राहत एवं बचाव अभियान चलाया। देर शाम तक बचाव अभियान को कोई सफलता नहीं मिली। एनडीआरएफ के अनुसार शुक्रवार की सुबह फिर से नये सिरे से बचाव अभियान चलाया जाएगा।जिला प्रशासन के अनुसार नाव पलटने की घटना उस वक्त हुई जब नलबाड़ी जिलांतर्गत बरखेत्री सर्कल में ब्रह्मपुत्र नदी में एक यंत्र चालित नाव नादिया चर (नदी का छाड़न वाला क्षेत्र) से लारकुची पाराधरा पारघाट आ रही थी। इसी दौरान नाव दुर्घटना का शिकार हो गयी। दुर्घटना के बाद एक वयस्क

व्यक्ति और पांच स्कूली छात्र-छात्राएं लापता हैं, जिनकी तलाश के लिए देर शाम तक तलाशी अभियान चलाया गया। दुर्घटना की सूचना मिलते ही सबसे पहले एसडीआरएफ और पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंचकर राहत एवं बचाव अभियान आरंभ किया। स्थिति गंभीर देख एसडीआीएफ और एनडीआरएफ की टीम भी मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव अभियान आरंभ किया। स्थानीय लोगों के अनुसार नाव पर 20 से 25 लोग सवार थे, जिसमें स्कूली बच्चों की संख्या अधिक थी।

महिलाएं संसार को व्यवस्थित रूप से चलाने में निभा रही हैं अहम भूमिका: केन्द्रीय मंत्री सावित्री ठाकुर

एजेंसी

खरगोन। महिलाओं के लिए सुरक्षित पर्यटन स्थल परियोजना के अंतर्गत महेश्वर में अनुभव साझा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर रहीं। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि महिलाएं न केवल परिवार को सहेजती हैं, बल्कि देश के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। महिलाएं संसार को व्यवस्थित रूप से चलाने में अहम भूमिका निभा रही हैं। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नारी शक्ति को सशक्त बनाने की दिशा में अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। महेश्वर का पर्यटन सुविधा केंद्र अब प्रशिक्षित महिलाओं द्वारा संचालित किया जाएगा, जो इस परियोजना की सफलता का प्रमाण है। उन्होंने घोषणा की कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रदेशभर में प्रशिक्षण शिविर लगाए जाएंगे। इससे महिलाएं स्वरोजगार से जुड़कर आर्थिक रूप से मजबूत बन सकेंगी और पर्यटन क्षेत्र में भी उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित होगी।

यह कार्यक्रम मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड एवं वसुधा विकास संस्थान द्वारा किया। साथ ही फेडरेशन के बारे में चर्चा कर उनका उद्देश्य व महत्व बताया। कहा कि यह परियोजना महिलाओं को न केवल आत्मनिर्भर

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के निर्भया फंड के सहयोग से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पीएस टू मिनिस्टर निमिषा झा एवं सलाहकार, जेंडर, मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड के डॉ. आलोक चौबे भी मंचासीन थे। डॉ. आलोक चौबे ने प्रशिक्षण प्राप्त महिलाओं से संवाद कर उन्हें आगे और सशक्त बनने के लिए प्रेरित बना रही है, बल्कि उन्हें पर्यटन क्षेत्र में एक नई पहचान भी दिला रही है। कार्यक्रम में वसुधा विकास संस्थान के परियोजना अधिकारी सतीश वाणी ने परियोजना की प्रगति व उपलब्धियों की जानकारी दी। बताया कि अब तक कई महिलाएं प्रशिक्षण प्राप्त कर पर्यटन क्षेत्र में रोजगार से जुड़ चुकी हैं।

कालीगंज विस सीट उपचुनाव: 69.85 फीसदी मतदान, 23 जून को मतगणना

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की कालीगंज विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में 69.85 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया है। इसके साथ इस विधानसभा सीट से चुनाव लड़ रहे तृणमूल कांग्रेस, भाजपा और वाम मोर्चा समर्थित कांग्रेस उम्मीदवारों की किस्मत ईवीएम में कैद हो गई। कालीगंज विधानसभा सीट से तृणमूल कांग्रेस विधायक नासिरुद्दीन अहमद के निधन के बाद हुए उपचुनाव में आज यहां मतदान हुआ। इस सीट पर टीएमसी ने नासिरुद्दीन अहमद की 38 वर्षीय बेटी और कॉरपोरेट पृष्ठभूमि से आने वाली अलिफा अहमद को प्रत्याशी बनाया है। भाजपा ने आशीष घोष मैदान में उतारा है, जबकि कांग्रेस ने काबिलउद्दीन शेख को वामदलों के समर्थन से उतारा है। सुबह नौ बजे

तक मात्र 10.83 फीसदी वोट पड़े थे लेकिन दोपहर तक मतदान की रफ्तार बढ़ी और शाम तक आंकड़ा 69.85 फीसदी पर पहुंच गया। चुनाव आयोग के अनुसार, बारिश थमने के बाद महिलाओं सहित बड़ी संख्या में मतदाता बूथों पर पहुंचे। भाजपा प्रत्याशी आशीष घोष ने आरोप लगाया कि कई मतदान केंद्रों पर अमिट स्याही ठीक से नहीं लगाई गई। इसके अलावा भाजपा और कांग्रेस ने कुछ बूथों पर अपने एजेंटों को बैठने से रोके जाने का आरोप तृणमूल पर लगाया, जिसे टीएमसी ने खारिज कर दिया। वोटरों को नदी पार कराते समय भैरवी नदी में हुई दुर्घटना से कुछ समय के लिए मतदान प्रभावित हुआ। वहीं 167 नंबर बूथ पर ईवीएम में तकनीकी खराबी आने से मतदा प्रक्रिया देर से शुरू हो सकी। इस उपचुनाव के नतीजे 23 जून को घोषित किए जाएंगे। सभी प्रमुख दलों ने अपनी जीत के दावे किए हैं। इस बार कालीगंज सीट पर कुल मतदाता संख्या दो लाख 52 हजार 670 है। चुनाव आयोग द्वारा हाल में जारी अंतिम मतदाता सूची से पांच हजार 840 नाम हटाए गए हैं, जिनमें तीन हजार 426 मतदाता मृत पाए गए।

राजा हत्याकांड में सोनम और राज की पुलिस हिरासत दो दिन बढ़ी

शिलांग। इंदौर के व्यवसायी राजा रघुवंशी की हत्या के मामले में उनकी पत्नी सोनम रघुवंशी और उसके कथित प्रेमी राज कुशवाहा की पुलिस हिरासत को शिलांग के जिला एवं सत्र न्यायालय ने दो दिन के लिए बढ़ा दिया। इस सनसनीखेज हत्या मामले में मेघालय पुलिस ने सभी पांच आरोपितों सोनम

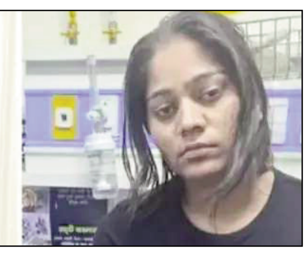

रघुवंशी, राज कुशवाहा, विशाल चौहान, आकाश राजपूत और आनंद कुर्मी को अदालत में पेश किया। पुलिस ने सोनम और राज की हिरासत बढ़ाने की मांग करते हुए कहा कि जांच के शेष हिस्से पूरे करने के लिए और समय चाहिए। इस पर कोर्ट ने दोनों की पुलिस हिरासत दो दिनों के लिए बढ़ा दी। कोर्ट ने तीन अन्य आरोपितों विशाल चौहान, आकाश राजपूत और आनंद कुर्मी को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

आईआईटी खड़गपुर और स्वानसी यूनिवर्सिटी में फिर साझेदारी, उन्नत तकनीक और शोध को मिलेगी नई उड़ान

एजेंसी

कोलकाता। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) खड़गपुर ने अंतरराष्ट्रीय सहयोग को विस्तार देते हुए वेल्स स्थित स्वानसी विश्वविद्यालय के साथ महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। यह साझेदारी उन्नत स्मार्ट विनिर्माण और सामग्री इंजीनियरिंग के क्षेत्र में अनुसंधान, नवाचार और शैक्षणिक आदान-प्रदान को और अधिक सशक्त बनाएगी।आईआईटी खड़गपुर के उन्नत विनिर्माण प्रौद्योगिकी उत्कृष्टता केंद्र के संस्थापक अध्यक्ष प्रोफेसर सुरजय के. पाल, जुलाई 2025 में स्वानसी विश्वविद्यालय का दौरा करेंगे। जिसमें वे कंप्यूटर साइंस, मटेरियल्स इंजीनियरिंग और अंतरराष्ट्रीय शिक्षा विभागों के शिक्षकों के साथ शैक्षणिक संवाद और रणनीतिक बैठकों में हिस्सा लेंगे। इससे पहले, 27 जनवरी को

स्वानसी विश्वविद्यालय के प्रतिनिधि ताशी ग्यात्सेन ने आईआईटी खड़गपुर का दौरा किया था। इन परस्पर दौरों की अनुशंसा उद्योग क्षेत्र की प्रमुख संस्था टाटा स्टील यूके ने की थी। इसका उद्देश्य दीर्घकालिक सहयोग की संभावनाओं को तलाशना, ज्ञान का आदान-प्रदान करना और संयुक्त अनुसंधान की नींव तैयार करना था। इस अवसर पर प्रो. पाल ने कहा है कि यह द्विपक्षीय सहयोग उन्नत अनुसंधान को नई दिशा देगा और स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग तथा सामग्री इंजीनियरिंग जैसे उभरते क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रगति को गति देगा। यह समझौता दोनों संस्थानों की तकनीकी विशेषज्ञता को एकजुट करते हुए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित विनिर्माण और सामग्री नवाचार को वैश्विक स्तर पर नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगा। इस सहयोग के तहत दोनों संस्थान न केवल संयुक्त शोध परियोजनाओं को बढ़ावा देंगे, बल्कि उद्योग-प्रायोजित पहल, छात्र आदान-प्रदान और ज्ञान हस्तांतरण जैसे क्षेत्रों में भी साथ काम करेंगे। आईआईटी खड़गपुर के लिए यह पहल वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान और मजबूत करने, अनुसंधान क्षमता में वृद्धि करने और भारतीय इंजीनियरिंग शिक्षा को विश्व मानकों तक पहुंचाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। यह समझौता दोनों संस्थानों के साझा दृष्टिकोण को दर्शाता है, जिसका उद्देश्य है व्यावहारिक प्रभाव डालने वाले अनुसंधान को बढ़ावा देना और वैश्विक शैक्षणिक साझेदारियों के माध्यम से समाज की वास्तविक समस्याओं का समाधान खोजना।

लोगों की ताकत और डर को खुद पर हावी न होने देने का शांत संकल्प कश्मीर की असली आत्मा है: केंद्रीय मंत्री शेखावत

एजेंसी

अनंतनाग। केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने पहलगाम आतंकी हमले वाली जगह का दौरा किया और कहा कि लोगों की ताकत और डर को खुद पर हावी न होने देने का शांत संकल्प कश्मीर की असली आत्मा है। शेखावत ने दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले के मट्टन में प्राचीन मार्तंड सूर्य मंदिर का भी दौरा किया तथा अमरनाथ यात्रा के तीर्थयात्रियों के लिए सर्वोच्च सुरक्षा का वादा किया। जम्मू-कश्मीर की अपनी दो दिवसीय यात्रा के तहत बुधवार की सुबह श्रीनगर पहुंचे केंद्रीय मंत्री शेखावत ने पहले मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने केंद्र शासित प्रदेश में पर्यटन क्षेत्र के विकास पर सकारात्मक चर्चा की। दूसरे दिन यानी शेखावत ने अनंतनाग जिले के पहलगाम में हरे-भरे पर्यटन स्थल का दौरा किया और

स्थानीय लोगों तथा पर्यटकों से बातचीत की। केंद्रीय मंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि आज दोपहर पहलगाम में दिल भारी है, लेकिन उम्मीद से भरा हुआ है। मैंने नृशंस आतंकी हमले की जगह का दौरा किया और स्थानीय लोगों और पर्यटकों से बातचीत की, जिन्होंने इस क्षेत्र को फिर से जीवंत और रोजमर्रा की लय में ला दिया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि लोगों की ताकत उनका अटूट आतिथ्य और डर को खुद पर हावी न होने देने का शांत संकल्प है। उन्होंने कहा कि यही कश्मीर की असली आत्मा है। उन्होंने पर्यटकों के एक समूह के साथ अपनी बातचीत का एक वीडियो क्लिप भी साझा किया। बीते 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद जम्मू-कश्मीर में पर्यटन बुरी तरह प्रभावित हुआ है जिसमें 26 लोग मारे गए थे। इनमें से ज्यादातर पर्यटक थे। पीड़ितों में एक स्थानीय टट्टू संचालक और एक नेपाली नागरिक भी शामिल हैं। इससे पहले शेखावत ने तुलामुल्ला में माता खीर भवानी मंदिर और मध्य कश्मीर के गांदरबल में नारानाग मंदिर परिसर में पूजा-अर्चना की।

मार्तंड सूर्य मंदिर के दर्शन करने के बाद मंत्री ने तीर्थयात्रियों से घाटी के पर्यावरण और प्राकृतिक सुंदरता को संरक्षित करने की अपील की। मंदिर में दर्शन करने के बाद शेखावत ने कहा कि लोगों को अमरनाथ यात्रा के लिए आना चाहिए। अमरनाथ यात्रा सुरक्षित है, भारत सरकार और राज्य सरकार प्रतिबद्ध हैं और आपको एक खरोंच भी नहीं आएगी।

वन्य जीवों की रक्षा करें : भूपेंद्र यादव

लखीमपुर खीरी। केंद्रीय वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने दुधवा टाइगर रिजर्व में आयोजित वन्य जीव एवं मानव संघर्ष प्रबंधन कार्यशाला में हिस्सा लिया। लखीमपुर खीरी पहुंचने पर

उत्तर प्रदेश के वन मंत्री डॉ अरुण सक्सेना एवं वन राज्य मंत्री केपी मलिक ने भूपेंद्र यादव का स्वागत किया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए भूपेंद्र यादव ने कहा कि हम अपने वन्य जीवों और उनके आसपास रहने वाले उन पर निर्भर समुदायों दोनों की रक्षा करें। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रही है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इस बारे में जागरूकता अभियान चला कर मानव व वन्यजीवों के संघर्ष को रोका जा सकता है। उत्तर प्रदेश के वन मंत्री डॉ अरुण कुमार सक्सेना ने कहा कि मानव व वन्य जीव के बीच संघर्ष को रोकने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार प्रतिबद्ध है। इसके लिए हम प्रदेश भर में समय-समय पर विशेष कर जंगलों के किनारे रहने वाले लोगों को जागरुक करते हैं। इस कार्यशाला में वन विभाग के अधिकारी बड़ी संख्या में शामिल रहे।

मुठभेड़ में मारे जा चुके हैं 45 में से 32 नक्सली, अब बचे 7.36 करोड़ के 13 ईनामी सदस्य

एजेंसी

जगदलपुर। आंध्रप्रदेश के अल्लूरी सीतारामराजू जिले के मारेडूमिली के जंगल में 18 जून को हुए मुठभेड़ में शीर्ष नक्सली कैडर के स्टेट कमेटी मेंबर गजराला रवि उर्फ उदय के ढेर होने के बाद नक्सली संगठन में अब सीसी मेंबर्स की संख्या 13 रह गई है। सुरक्षाबल अब उन 13 टॉप मोस्ट वांटेड नक्सली संगठन के सीसी मेंबर्स तक पहुंचने का प्रयास कर रही है, जिन पर केवल छत्तीसगढ़ में ही 7.36 करोड़ का ईनाम घोषित है। इनमें 4 करोड़ के ईनामी चार पोलित ब्यूरो व 3.36 करोड़ के ईनामी 9 सेंट्रल कमेटी मेंबर शामिल हैं। बस्तर पुलिस सरकार की मंशा के अनुरूप सरेंडर करो या मरो की रणनीति पर काम करते हुए छत्तीसगढ़ के सुरक्षाबलों के अलावा पड़ोसी राज्य ओडिशा, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना व महाराष्ट्र स्टेट की फोर्स के साथ आपसी समन्वय स्थापित कर लगातार नक्सल विरोधी अभियान चला रही है। पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पी. ने बताया कि एक समय में नक्सली संगठन में 45 सेंट्रल कमेटी मेंबर थे, जिनमें से केवल 14 सेंट्रल कमेटी मेंबर ही बचे हुए थे। बाकी 31 सेंट्रल कमेटी मेंबर्स को विभिन्न मुठभेड़ों में ढेर किया जा चुका है। बुधवार को सेंट्रल कमेटी मेंबर गजराला रवि उर्फ उदय के मारे जाने के बाद अब सेंट्रल कमेटी मेंबर्स की संख्या 13 रह गई है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह द्वारा मार्च, 2026 तक देश से नक्सलवाद के सफाए के ऐलान के बाद बस्तर संभाग का नक्सल प्रभाावित क्षेत्र कुछ अंदरूनी इलाकों तक सिमट चुके कोर इलाके अबूझमाड़ व नेशनल पार्क क्षेत्र में लगातार नक्सल विरोधी अभियान चला रही है। इसके परिणाम स्वरूप पिछले 18 माह में नक्सली संगठन के शीर्ष कैडर से लेकर निचले कैडर के 23.68 करोड़ के 411 ईनामी नक्सलियों को मुठभेड़ में ढेर कर चुकी है। छत्तीसगढ़ में सुरक्षाबलों के बढ़ते दबाव के बाद छत्तीसगढ़ के आंध्र व तेलंगाना से लगे सीमाई जिले सुकमा, दंतेवाड़ा, बीजापुर में सक्रिय नक्सली अब धीरे-धीरे आंध्र और तेलंगाना की तरफ पलायन करने लगे हैं। शीर्ष नक्सली कैडर के स्टेट जोनल कमेटी मेंबर चैतू, केसा, मनीला, गजराला रवि, अरूण, अंजू सहित करीब 200 से ज्यादा की संख्या में नक्सलियों के साथ सुकमा जिले के सीमावर्ती क्षेत्रों में घूम रहे थे। जब उन्हें कहीं भी सुरक्षित ठिकाना नहीं मिला तो आंध्रप्रदेश की तरफ बढ़ने का निर्णय लिया। इन नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद आंध्रप्रदेश के अल्लूरी सीतारामराजू जिले के मारेडूमिली के जंगल में ऑपरेशन शुरू किया गया।

थ्री डी टेक्नोलॉजी एक मनमोहक दुनिया

बच्चों, थ्री डी टेक्नोलॉजी की कल्पना भले ही बेजान तस्वीरों को जीवंत बनाने के लिए की गयी हो, पर अब इसका दायरा काफी विस्तृत हो चुका है। यहां तक कि थ्री डी टेक्नोलॉजी से अब मनचाही चीजों के निर्माण की कोशिश की जा रही है। इसमें जादू की छड़ी साबित हो रहा है थ्री डी प्रिंटर, जिससे कुछ साल बाद मानव अंग निर्माण की भी उम्मीद है। हम इस बार तुम्हें थ्री डी तकनीक और थ्री डी प्रिंटर की जानकारी दे रहे है।

कहते हैं आंखों देखा ही सच होता है, लेकिन थ्री डी टेक्नोलॉजी के मामले में यह सच नहीं है। थ्री डी तस्वीरें आपके मस्तिष्क को कुछ इस तरह से धोखा देती हैं कि वो यह मानने पर मजबूर हो जाता है कि जो कुछ वह देख रहा है, बिल्कुल सच है। थ्री डी तस्वीरें किसी खूबसूरत पेंटिंग या फोटोग्राफी तस्वीर की तरह सपाट नहीं होतीं, बल्कि उनमें 'गहराई' होती है, बिल्कुल हमारे आसपास की असली दुनिया की तरह। तभी तो आप थ्री डी फिल्म देखते समय परदे पर दिखायी जा रही चीजों को हाथ बढ़ा कर पकड़ने की कोशिश करते हैं।

टू डी और थ्री डी

हम जिस दुनिया में रहते हैं और रोजमर्रा के कामकाज करते हैं, वह दुनिया विज्ञान की भाषा में टू डी है। यहां डी का अर्थ है 'डायमेंशन' यानी विमा। इसे इस तरह से समझ सकते हैं। अगर आप दीवार पर टंगी किसी तस्वीर को देखते हैं, तो वह सपाट नजर आती है, क्योंकि उसमें दो ही विमाएं या डायमेंशंस होते हैं- लंबाई और चौड़ाई। अगर आप खिड़की खोल कर बाहर नजर डालें, तो आपको बाहर की हर चीज जीवंत नजर आती है, क्योंकि खिड़की के बाहर मौजूद चीजों की तरह आप अपने आसपास की चीजों के बारे में भी अंदाजा लगा सकते हैं, कि वो आपसे कितनी दूरी पर हैं। ये 'गहराई' ही वह 'तीसरा डायमेंशन' या 'तीसरी विमा' है जो दो डायमेंशन वाली बेजान सपाट तस्वीरों को जीवंत बना देती है। मानो वे हमारे आसपास की दुनिया का ही हिस्सा हों। इसीलिए थ्री डी फिल्म देखते वक्त दर्शक परदे पर दिखायी जा रही तस्वीरों को जीवंत मान कर उन्हें पकड़ने के लिए हाथ बढ़ा देते हैं।

स्टीरियोग्राफी

मान लीजिए कि हम घर के बाहर मैदान में किसी पेड़ को देख रहे हैं। इस स्थिति में हमारी बायीं और दायीं आंखें उस पेड़ की दो तस्वीरें हमारे मस्तिष्क में भेजती हैं और हमारा मस्तिष्क उन दो तस्वीरों को प्रोसेस करके एक ऐसी जीवंत तस्वीर बना लेता है, जिसमें गहराई और दिशा के साथ उस पेड़ की पूरी जानकारी होती है और इसीलिए मैदान में खड़ा पेड़ हमें जीवंत लगता है। हम पेड़ की दिशा में जाकर उसे छू सकते हैं। यानी पहली थ्री डी मशीन खुद प्रकृति ने हमें दे रखा है और वह है हमारा मस्तिष्क। दायीं और बायीं आंखों से ली गयी तस्वीरों की तरह दो अलग-अलग तस्वीरों को ओवरलैप कर एक नयी थ्री डी तस्वीर बनाने की इस तकनीक को 'स्टीरियोग्राफी' कहते हैं। थ्री डी टेक्नोलॉजी अब और भी आगे कदम बढ़ा रही है। थ्री डी अब महज एक ऑप्टिकल इल्यूजन यानी नजरों का धोखा ही नहीं रहा। बल्कि थ्री डी प्रिंटर की बदौलत यह तकनीक अब ठोस वास्तविकता का स्वरूप धारण कर चुकी है। जानते हैं कि थ्री डी यानी बेजान टू डी तस्वीरों को एक आभासी गहराई का 'तीसरा डी' देकर जीवंत बना देने का अनोखा कारनामा सबसे पहले किसने किया था?

एक नई थ्री डी टेक्नोलॉजी यानी स्टीरियोविजन

वर्ष 1970 में एक नयी थ्री डी टेक्नोलॉजी स्टीरियोविजन का विकास हुआ। इस तकनीक में खास लेंस के साथ कई पोलेराइड फिल्टर्स का इस्तेमाल किया गया था। इसके साथ ही थ्री डी टेक्नोलॉजी में पोलेराइड चश्मों का प्रवेश हुआ और एनाग्लिफ टेक्नोलॉजी और उनके लाल-नीले चश्मे धीरे-धीरे मुख्यधारा से हट गये। स्टीरियोविजन में बनी पहली फिल्म थी 'स्टीवाडेर्सेस।' एक लाख डॉलर की लागत से बनी इस फिल्म ने उत्तरी अमेरिका में कामयाबी के झंडे गाड़ दिये। इस फिल्म ने दो करोड़ 70 लाख का बिजनेस किया। इसके बाद 80 के दशक में तो थ्री डी फिल्मों की बाढ़ सी आ गयी। 'फ्राइडे द थर्टीन्थ-पार्ट-3' और 'जॉज-थ्री डी' जैसी फिल्में दुनियाभर में खूब मशहूर हुईं।

थ्री डी प्रिंटिंग-जादू की छड़ी!

थ्री डी टेक्नोलॉजी अब अपनी सीमाएं तोड़ कर एक नये युग में प्रवेश कर रही है। थ्री डी की इस नयी क्रांति का नाम है 'थ्री डी प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी' या 'एडेटिव मैन्यूफैरिंग।' मान लीजिए आपके शर्ट का बटन टूट गया है, किचन में मिक्सी काम नहीं कर रही है, क्योंकि उसका नॉब टूट गया है, बॉथरूम का नल भी अचानक खराब हो गया और आपकी गाड़ी का बंफर भी किसी ने टक्कर मार कर तोड़ दिया है। अब आप क्या करेंगे? शर्ट के बटन से लेकर कार के बंफर तक सारी चीजें आपको बाजार से खरीद कर लानी होगी। लेकिन नयी थ्री डी प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी आपकी इन मुश्किलों को बेहद आसान बना देगी।

थ्री डी प्रिंटर साधारण प्रिंटर की तरह ही होता है। बस अंतर इतना है कि इसका प्रिंटआउट ए4 कागज की टू डी शीट की तरह साधारण न होकर थ्री डी में एक के ऊपर दूसरी परत को जमाते हुए निर्मित किया जाता है। मिसाल के तौर पर आपको शर्ट का बटन चाहिए। ऐसे में आपको अपने थ्री डी प्रिंटर में बटन का प्रोग्राम सेलेक्ट कर मैटीरियल कार्टिजेज सेलेक्ट करना होगा। यानी आप अपना बटन प्लास्टिक का चाहते हैं या फिर धातु का या फिर प्लास्टिक और धातु दोनों का मिलाजुला। अपनी पसंद के मुताबिक आप मैन्यूफैरिंग प्रोग्राम सेलेक्ट कीजिए और कार्टिजेज सेलेक्ट करके प्रिंटिंग बटन दबा दीजिए। थ्री डी प्रिंटर में एक नोजल होती है, काफी-कुछ सॉफ्टी बनानेवाली मशीन से मिलती-जुलती, लेकिन उसका आउटपुट आइसक्रीम मशीन की तरह मोटा नहीं, बल्कि बहुत पतला होता है। अब जिस तरह से कोन में डिस्पेंसर मशीन के नोजल से आइसक्रीम भरी जाती है, उसी तरह थ्री डी प्रिंटर के महीन से नोजल से मैटीरियल निकलने लगता है और कंप्यूटर प्रोग्राम यह तय करता है कि क्या चीज बनानी है और चंद मिनटों में आपकी शर्ट का हूबहू दूसरा बटन बन कर तैयार हो जाता है। थ्री डी प्रिंटर दरअसल एक निजी कारखाने जैसा है, जिसमें परिवार का कोई भी सदस्य अपनी जरूरत की चीज उसके खास प्रोग्राम और मैटीरियल को चुन कर बेहद आसानी से रोजाना के इस्तेमाल से लेकर कोई भी चीज बना सकता है। थ्री डी प्रिंटर की टेक्नोलॉजी कोई बहुत पुरानी नहीं है। पहला थ्री डी प्रिंटर थ्री डी सिस्टम्स कॉर्प के इंजीनियर चक हल ने 1984 में बनाया था। तब से अब तक थ्री डी प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी और थ्री डी प्रिंटर मशीन में जबरदस्त बदलाव हो चुके हैं। इस मशीन की उपयोगिता को देखते हुए इसकी कीमत काफी कम है। हां, इस मशीन से आप रोजमर्रा के इस्तमाल की जो भी चीज बनाना चाहते हैं, उसका ब्लू-प्रिंट प्रोग्राम और खास मैटीरियल की कार्टेज आपको अलग से खरीदनी होगी। थ्री डी प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी की मदद से कृषि क्षेत्र के औजारों से लेकर, भवन निर्माण, इंडस्ट्रियल डिजाइनिंग, ऑटोमोबाइल, एयरोस्पेस, सेना, इंजीनियरिंग, दंत चिकित्सा, मेडिकल इंडस्ट्री, बायोटेक्नोलॉजी (मानव कोशिकाओं के बदलाव), फैशन, फुटवियर, ज्वैलरी, आईवियर, शिक्षा, जियोग्राफिक इन्फॉर्मेशन सिस्टम्स, फूड और कई दूसरे क्षेत्रों की चीजें आसानी से घर बैठे बनायी जा सकती हैं। थ्री डी प्रिंटर एक जादू की छड़ी जैसा है। बस आप सोचिए और यह टेक्नोलॉजी उसे साकार कर दिखायेगी। अमेरिका में तो थ्री डी प्रिंटर की मदद से पिस्तौलें और राइफलें भी बनायी जा रही हैं। हालांकि, यह इस टेक्नोलॉजी का एक दूसरा और चिंताजनक पहलू है। थ्री डी प्रिंटर का सीमित इस्तेमाल अभी अमेरिका और यूरोप के देशों में हो रहा है। यह टेक्नोलॉजी अभी भारत में उपलब्ध नहीं है।

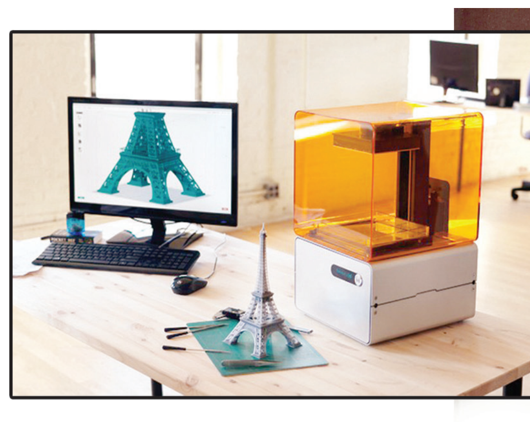

पहला थ्री डी स्टीरियोस्कोप

हाथ से बनी एक जैसी दो सपाट तस्वीरों में गहराई यानी थ्री डी का भ्रम पैदा करनेवाली सबसे पहली मशीन यानी 'स्टीरियोस्कोप' ब्रिटिश वैज्ञानिक सर चार्ल्स व्हीटस्टोन ने 1838 में बनायी थी। उन्होंने थोड़ी दूर पर रखी एक जैसी दो तस्वीरों के प्रतिबिंब बीच में 45 डिग्री के कोण पर रखे दो दर्पणों में लेने की कुछ ऐसी व्यवस्था की थी कि उसमें देखने पर वे दो तस्वीरें थ्री डी प्रभाव के साथ एक दिखाई पड़ती थीं, लेकिन सर व्हीटस्टोन का यह स्टीरियोस्कोप व्यावहारिक नहीं था।

थ्री डी के जादू से लोगों को परिचित कराने का काम जर्मनी के वैज्ञानिक डॉ कार्ल पलफ्रिच ने किया। उन्होंने 1880 में आसानी के साथ इस्तेमाल किया जानेवाला पहला व्यावहारिक थ्री डी स्टीरियोस्कोप बनाया। डॉ पलफ्रिच का यह स्टीरियोस्कोप काफी कुछ वैसा ही था, जैसाकि आज खिलौनों की दुकानों में मिलनेवाला एक खिलौना 'व्यूमास्टर' होता है। सबसे खास बात यह कि डॉ पलफ्रिच ने थ्री डी अनुभव को और बेहतर बनाने के लिए प्रकाश विज्ञान यानी ऑप्टिक्स के एक खास प्रभाव की खोज की, जिसे 'पलफ्रिच इफेक्ट' कहते हैं। इस 'पलफ्रिच इफेक्ट' का इस्तेमाल आज हॉलीवुड की थ्री डी फिल्मों में किया जा रहा है। लेकिन अफसोस की बात यह कि दुनिया को थ्री डी तकनीक का तोहफा देने वाले डॉ पलफ्रिच खुद इसे नहीं देख सके। उनके ही शब्दों में, 'मैं थ्री डी इफेक्ट का आनंद खुद कभी नहीं उठा सका, क्योंकि 16 वर्षों से मुझे एक आंख से दिखाई नहीं दे रहा।'

थ्री डी में कैसे जुड़ा चश्मा

1844 में स्कॉटलैंड के सर डेविड ब्रेवस्टर ने एक ऐसा स्टीरियोस्कोप कैमरा बनाया जो थ्री डी तस्वीरें खींच सकता था। इस कैमरे ने थ्री डी तस्वीरों को डिब्बेनुमा मशीन स्टीरियोस्कोप से आजादी दिला दी। थ्री डी तस्वीर तो खींच ली, लेकिन अब इसे खुद कैसे देखें और दूसरों को कैसे दिखाएं? यहीं से थ्री डी तस्वीरों को देखने के लिए खास चश्मे की जरूरत महसूस हुई। इस कैमरे की मदद से 1851 में लंदन के एक बड़े प्रदर्शन समारोह में लुइस जूल्स डबोस्क ने क्वीन विक्टोरिया की एक तस्वीर खींची थी, जो बाद में दुनियाभर में मशहूर हो गयी। इसी प्रदर्शनी से पता चला कि अगर चश्मे ज्यादा हों, तो एक ही वक्त में एक से ज्यादा लोगों को थ्री डी तस्वीरें दिखाई जा सकती हैं। द्वितीय विश्वयुद्ध में थ्री डी स्टीरियोस्कोपिक कैमरों का काफी इस्तेमाल हुआ। बाद के दशकों में थ्री डी कैमरे की टेक्नोलॉजी ने काफी प्रगति की।

एनाग्लिफ तकनीक

अब थ्री डी को वह पहला व्यावसायिक स्वरूप सामने आया, जिसमें तस्वीरें कहीं ज्यादा वास्तविक और गहराई लिए हुए थीं। इस व्यावसायिक स्वरूप का इस्तेमाल अब भी किया जा रहा है, जिसका नाम है 'थ्री डी एनाग्लिफ।' इस तकनीक में एक जैसी दो तस्वीरों को लाल और नीले टोन में प्रोसेस करके कुछ इस तरह से ओवरलैप किया जाता है कि लाल और नीले रंग के थ्री डी चश्मे से देखने पर स्वाभाविक गहराई के साथ तस्वीर जीवंत हो उठती है। इस तकनीक की मदद से पहला स्टीरियो एनीमेशन कैमरा बनाया गया, जिसका नाम था 'काइनेमैटास्कोप।' इस कैमरे की मदद से 1915 में पहली थ्री डी एनाग्लिफ फिल्म बनायी गयी। वर्ष 1922 में पहली व्यावसायिक थ्री डी फिल्म 'द पॉवर ऑफ लव' रिलीज हुई। यह फिल्म ब्लैक एंड व्हाइट थी। थ्री डी में पहली रंगीन फिल्म वर्ष 1935 में बनायी गयी थी। लेकिन फिर भी थ्री डी तकनीक को लोकप्रिय नहीं बनाया जा सका। इसकी सबसे बड़ी वजह थी कि थ्री डी फिल्में बनाना आम फिल्मों के मुकाबले काफी महंगा था और इन्हें ज्यादा लोगों को एकसाथ दिखाना भी मुमकिन नहीं था, क्योंकि इसमें प्रत्येक दर्शक के लिए चश्मे की जरूरत होती थी। इसका नतीजा यह रहा कि थ्री डी तकनीक लंबे अरसे तक उपेक्षित रही।

पोलेराइड चश्मे और थ्री डी टीवी

1986 में कनाडा ने पूरी तरह से पोलेराइड तकनीक पर आधारित फिल्म बनायी, जिसका नाम था 'इकोज ऑफ द सन।' इसी के साथ पुराने चश्मों की जगह नये पोलेराइड चश्मों ने ले ली। 2010 में थ्री डी तकनीक ने सिनेमा के परदे से उतर कर टीवी इंडस्ट्री में जगह बना ली। सोनी, पैनासोनिक, सैमसंग और एलजी आदि के थ्री डी टीवी सेट्स से बाजार भरे हैं, लेकिन ज्यादा कीमत के चलते अभी ये आम लोगों की पहुंच से बाहर हैं। विदेशों में कई ऐसे सेटेलाइट चैनल्स हैं, जो 24 घंटे एजुकेशनल शोज, एनीमेटेड शोज, स्पोर्ट्स, डॉक्यूमेंट्रीज और म्यूजिकल परफॉरमेंस सब कुछ थ्री डी फॉरमेट में दिखा रहे हैं।

थ्री डी प्रिंटर से बनेंगे मानव अंग!

दुनियाभर में प्रत्येक वर्ष अंग प्रत्यारोपण के लिए डोनर का इंतजार कर रहे हजारों लोगों की मौत हो जाती है। इस तसवीर को बदलने में बायोटेक्नोलॉजी के क्षेत्र में 'थ्री डी प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी' एक वरदान साबित हो रही है। 'थ्री डी प्रिंटर' के इस्तेमाल से मानव अंग भी बनाये जा सकते हैं। इस अनोखे प्रयोग को अंजाम दे रही है एक कंपनी, जिसका नाम है मेलबर्न टीटीपी। 'थ्री डी प्रिंटर' से मानव अंग बनाने के लिए स्टेम सेल की मदद से प्रयोगशाला में बनायी गयी मानव कोशिकाओं को कच्चे माल की तरह इस्तेमाल किया जायेगा। ब्रिटिश वैज्ञानिकों ने एक खास नोजल विकसित करके इस दिशा में मजबूत कदम उठाये हैं। इस नोजल की मदद से प्रयोगशाला में अभी मानव कान प्रिंट करके तैयार कर लिया गया है। वैज्ञानिक अब मानव लिवर और हड्डियों को 'थ्री डी प्रिंटर' से बनाने की तैयारी में जुटे हैं। मेलबर्न टीटीपी कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर का कहना है कि वे जल्द ही 'थ्री डी प्रिंटर' से मानव अंग बनाने में कामयाबी हासिल कर लेंगे और अगले 10 वर्षों के भीतर मानव अंग प्रत्यारोपण के लिए डोनर्स की जरूरत ही खत्म हो सकती है। 'थ्री डी प्रिंटर' से अभी सर्जिकल इम्प्लांट्स जैसे हिप और नी रिप्लेसमेंट्स बनाये जा रहे हैं। स्टेम सेल, बायोटेक्नोलॉजी और 'थ्री डी प्रिंटर' का ये मेल पूरी मानवता के लिए एक नया वरदान है और अगले कुछ वर्ष बाद अंग प्रत्यारोपण के लिए मरीजों को लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा।

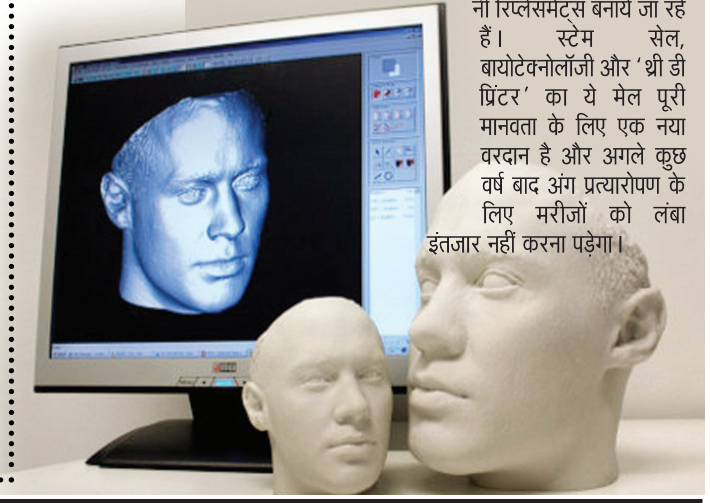

साउथ एक्ट्रेस मालविका ने मुंबई को बताया असुरक्षित

साउथ एक्ट्रेस मालविका मोहनन ने कुछ समय पहले ही मुंबई में महिला सुरक्षा पर बात की थी। उन्होंने कहा था कि कॉलेज के दिनों में वो लोकल से सफर करती थीं, तब सुरक्षा महज किस्मत की बात हुआ करती थी। मालविका का बयान सामने आने के बाद मुंबई पुलिस ने इस खेद व्यक्त करते हुए पर प्रतिक्रिया दी है। मालविका ने कुछ समय पहले ही हॉटरफ्लाई को दिए इंटरव्यू में कहा था, आज मेरे पास कार और ड्राइवर है, ऐसे में अगर कोई मुझसे पूछे कि क्या मुंबई सेफ है, तो मैं शायद हां कहूं, लेकिन जब मैं कॉलेज में थी, तब मेरा मानना बिल्कुल अलग था। मैं लोकल ट्रेन और पब्लिक बस में सफर करती थी। उस समय मुझे ये सुरक्षित नहीं लगता था। ये बस किस्मत की बात हुआ करती थी। आपको बस उम्मीद करनी पड़ती थी कि आपका सफर बिना किसी घटना के कट जाए।

मालविका का बयान आने के बाद मुंबई पुलिस ने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट से इसका जवाब दिया है। पोस्ट में लिखा गया है, मिस मालविका, हमारे सामने वो ऑनलाइन पोर्टल आया है, जहां आपने अपना अनुभव शेयर कर, शहर में महिला सुरक्षा पर चिंता जाहिर की। हम सोच सकते हैं कि इस तरह के एक्सपीरियंस चौंकाने वाले होते हैं और लंबा असर छोड़ते हैं। इसलिए हमें ये दोहराना चाहिए कि दिन का कोई भी समय हो या शहर में कोई भी जगह हो, प्लीज 112/100 पर हमसे संपर्क करें और हम जल्द से जल्द सहायता देंगे। रिपोर्ट न करने से अपराधी का हौसला बढ़ता है। आगे लिखा है, मुंबई शहर हमेशा से महिलाओं के लिए सुरक्षित रहा है और हम इसे बेहतर बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। रिपोर्ट किए जाने के बाद अपराधी से उचित और कानूनी तरीके से निपटा जाएगा। कृपया इस बात को लोगों तक पहुंचाने के लिए अपनी अच्छी छवि का उपयोग करें। ये इस तरह के मामलों को हल करने में मदद कर सकता है, जो असामान्य हैं और जिन्हें सामान्यीकृत नहीं किया जा सकता है। बताते चलें कि मालविका मोहनन साउथ सिनेमा की मशहूर एक्ट्रेस हैं। वो मास्टर, युद्रा जैसी बेहतरीन फिल्मों का हिस्सा रही हैं। जल्द ही वो प्रभास के साथ फिल्म द राजा साहब में नजर आएंगी।

मैं खुद को एक ग्लोबल एंटरटेनर के रूप में स्थापित करना चाहती हूं

उर्वशी रौतेला बॉलीवुड के साथ-साथ साउथ में भी एक्टिव हैं। उनकी पिछली फिल्म डाकू महाराज इस साल की तीसरी हाइएस्ट ग्रॉसिंग तेलुगु फिल्म है। वहीं वह कान्स में भी अपने स्टाइल से सुर्खियों में रहीं।

डाकू महाराज इतनी सफल रही। इस फिल्म के बारे में आप क्या सोचती हैं?

डाकू महाराज की सफलता से बहुत खुश हूं। यह एक ऐसी फिल्म है, जिसमें एक्शन, इमोशन और एक शानदार कहानी का बेहतरीन मेल है। यह परोपकार, विश्वासघात और पश्चाताप जैसे मजबूत एहसासों से भरी हुई है। इसकी कहानी 1996 के दौर की है। इसमें नंदामुरी बालकृष्ण सर ने ऐसा रोल निभाया है जो गरीबों के लिए लड़ता है।

इस साल कान्स में आपके स्टाइल ने खूब चर्चा पाई। क्या कहेंगी?

कान्स फेस्टिवल में मैंने बोल्ड और आर्टिस्टिक लुक अपनाया था लेकिन साथ ही अपनी संस्कृति और जड़ों से भी जुड़ी रही। 2024 में मैंने खालिद और मारवान सेरीन के कलेक्शन से एक शानदार गाउन पहना था, जो रॉयल्टी और इनोवेशन का कॉम्बिनेशन था। इस साल में स्कारलेट पैरोट क्लच लुक में दिखी। अब मैंने ये सीख लिया है कि ग्लोबल ट्रेंड्स को अपनी पर्सनालिटी के साथ कैसे बैलेंस किया जाए। हर लुक सिर्फ फैशन नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, भारतीयता और पहचान की एक कहानी कहता है।

एक्टिंग के अलावा कोई अन्य क्रिएटिव काम है, जिसे आप एक्सप्लोर करना चाहती हैं?

एक्टिंग के अलावा मुझे म्यूजिक और फैशन का भी बहुत शौक है। ये दोनों चीजें मेरी क्रिएटिविटी को जाहिर करने के खास तरीके हैं। मैं जल्द ही जेसन डेरुलो के साथ अपने पहले इंटरनेशनल म्यूजिक वीडियो में नजर आऊंगी और इसे लेकर में बेहद उत्साहित हूं। इसके साथ ही, मैं अब प्रोडक्शन में भी कदम रख रही हूं ताकि ऐसी कहानियां बना सकूं जो मेरे दिल के करीब हों। फैशन की बात करें तो मैं अपनी खुद की एक लाइन शुरू करना चाहती हूं जो मेरे स्टाइल को दिखाए। कुछ ऐसा जो भारतीय पारंपरिक कारीगरी को मॉर्डन लुक के साथ कनेक्ट करें।

आने वाले वर्षों के लिए आपके करियर के टारगेट क्या हैं?

मैं खुद को एक ग्लोबल एंटरटेनर के रूप में स्थापित करना चाहती हूं, जो अलग-अलग मंचों पर देश का प्रतिनिधित्व करे। मेरा सपना है कि मैं उन कहानियों का हिस्सा बनूं जो न सिर्फ मनोरंजन करें, बल्कि समाज को कुछ सोचने पर भी मजबूर करें। बुमन सेंट्रिक कहानियां मुझे खास तौर घर आकर्षित करती हैं, क्योंकि ये नारी शक्ति और आत्मनिर्भरता की झलक देती हैं। भविष्य में में ऐसी कहानियों करना ही नहीं, बल्कि निर्देशन में भी हाथ आजमाना चाहती है। चाहे वह कान्स के रेड कार्पेट पर चलना हो या ऐसे रोल निभाना हो जो अब तक किसी ने न किया हो, मैं हर चुनौती को एक नए मौके की तरह लेना चाहती हूं और अपनी लिमिट्स को क्रॉस करते रहना चाहती हूं।

शिफ्ट टाइम पर बोलीं जेनेलिया, कहा- मुश्किल है, असंभव नहीं

अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने जब से फिल्म स्पिरिट छोड़ी है, इंडस्ट्री में शिफ्ट टाइमिंग और वर्क-लाइफ बैलेंस को लेकर चर्चा छिड़ गई है। दरअसल, दीपिका ने निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा से आठ घंटे की शिफ्ट करने की शर्त रखी थी। इस पर सहमति नहीं बनने पर दीपिका ने फिल्म छोड़ दी। इसके बाद कई सितारे दीपिका के बचाव में आ चुके हैं। वहीं, हाल ही में अभिनेत्री जेनेलिया डिसूजा से जब वर्क-लाइफ बैलेंस से जुड़ा सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि वे हर दिन 10 घंटे काम करती हैं। जेनेलिया डिसूजा फिल्म सितारे जमीन पर फिल्म में नजर आएंगी, जो इसी महीने रिलीज होगी। हाल ही में बातचीत में जेनेलिया डिसूजा ने बताया कि वे अपनी निजी जिंदगी को कैसे मैनेज करती हैं? अभिनेत्री ने कहा कि डायरेक्टर जब काम के घंटे बढ़ा देते हैं तो वे एडजस्टमेंट कर लेती हैं। जेनेलिया ने कहा, यह मुश्किल है लेकिन असंभव नहीं है। मैं दिन में 10 घंटे काम करती हूं और ऐसे दिन भी आते हैं जब डायरेक्टर इसे बढ़ाकर 11 या 12 घंटे करने के लिए कहते हैं।

जेनेलिया डिसूजा ने आगे कहा, मुझे लगता है कि यह ठीक है, लेकिन हमें उन एडजस्टमेंट को करने के लिए समय चाहिए। जब आपके पास एक या दो दिन होते हैं, जब आपको ज्यादा काम करना पड़ता है। यह एक आपसी समझ और प्रोसेस भी है, जिसकी जरूरत है।

बेपरवाई के जरिए लोगों को मेरा मैसेज, दुनिया के लिए खुद को मत बदलो

प्लेबैक सिंगर जोनिता गांधी ने अपना नया गाना बेपरवाई रिलीज किया है। उन्होंने आईएएनएस से बात करते हुए इस गाने के बारे में विस्तार से बताया। सिंगर ने बताया कि यह गाना उस एहसास को दिखाता है जब इंसान बेफिक्र हो जाता है, उसे इसकी परवाह बिल्कुल भी नहीं होती कि दुनिया उसके बारे में क्या सोचती है। जोनिता गांधी ने आईएएनएस से बात करते हुए बताया कि उनका गाना बेपरवाई कैसे बना। उन्होंने कहा, इस गाने का विचार टोरंटो में एक म्यूजिक सेशन के दौरान आया था। उस दिन मेरा मूड कुछ ऐसा था, मैं दुनिया को लेकर थोड़ी निराशा और चिढ़ सी महसूस कर रही थी। मुझे लग रहा था कि हम कई बार दूसरों की राय में उलझ जाते हैं, और खुद को भूल जाते हैं। फिर मेरे मन में ख्याल आया कि अब और नहीं, अब बेफिक्र होकर जीना है, बिना इस डर के कि लोग क्या कहेंगे। इसी सोच से गाने का कोरस बना, जो कहता है, अब मैं बस बेपरवाह हूं, मैं यह सुनिश्चित करना चाहती थी कि यह गाना मेरी पहचान से जुड़ा हो, ताकि सुनने वालों को लगे कि हां, ये एक जोनिता गांधी का गाना है।

जोनिता गांधी ने आगे कहा, इस गाने को मैंने अपने अंदाज में गाया और पेश किया है। इसमें मैंने अपनी पहचान और गाने की खास स्टाइल को बनाए रखा, ताकि यह गाना भी बाकी उनके गानों की तरह ही लगे। गाने में भी मैंने सॉफ्ट टोन का इस्तेमाल किया, जैसे मैं हर गाने में करती हूं। इस गाने को बनाने में मेरे साथ म्यूजिक प्रोड्यूसर एरिजा ने काम किया। मैंने पहले भी उनके साथ कई बार काम किया है। उन्होंने गाने के म्यूजिक को इस तरह तैयार किया, जो हर एक शब्द के फील को बढ़ाता है।

टॉम क्रूज से अपने प्लेन स्टंट की तुलना पर बोले अक्षय

बॉलीवुड में 'खिलाड़ी' और एक्शन किंग के नाम से जाने जाने वाले अभिनेता अक्षय कुमार इन दिनों सोशल मीडिया पर चर्चाओं में हैं। हाल ही में खिलाड़ी कुमार की फिल्म हाउसफुल 5 रिलीज हुई है और अब उनकी एक और फिल्म 'कनप्पा' इन दिनों रिलीज से पहले चर्चाओं में है। इसी बीच अक्षय की एक फिल्म के सीन की तुलना हॉलीवुड एक्टर टॉम क्रूज से हो रही है, जिसपर अब उनका रिएक्शन आ गया है। अक्षय ने इस पर कटाक्ष भरे अंदाज में इसका जवाब दिया है।

अक्षय ने टॉम से तुलना पर दिया जवाब

हाल ही में एक वीडियो वायरल हुआ जिसमें अक्षय कुमार के 2000 में रिलीज हुई फिल्म 'खिलाड़ी 420' का एक विमान पर स्टंट दिखाया गया है, वहीं एक क्लिप में टॉम क्रूज का 'मिशन- इंपॉसिबल' फिल्म से विमान पर स्टंट दिखाया गया है। इस तुलना पर अक्षय ने अपना रिएक्शन दिया है जो फैंस के लिए मजेदार और चौंकाने वाला है।

अक्षय कुमार ने बताया कि उनके एक्शन स्टंट्स की प्रेरणा टॉम क्रूज से नहीं बल्कि बचपन के पसंदीदा कार्टून 'टॉम और जेरी' से मिलती है। उन्होंने कहा, 'मैं जहां से प्रेरणा लेता हूं, वो आप विश्वास नहीं करेंगे टॉम और जेरी से। मुझे ये कार्टून बहुत पसंद है। ये बच्चों के लिए है लेकिन इसमें बहुत जोरदार और हिंसक एक्शन होता है। मुझे याद है टॉम हेलीकॉप्टर से झूलते हुए जेरी को पकड़ता है, जिसे मैंने 'सबसे बड़ा खिलाड़ी' में अपनाया और 'खिलाड़ी 420' में वो विमान पर टॉम का स्टंट मैंने इसी से लिया।'

'टॉम एंड जेरी' का अक्षय ने किया जिक्र

अक्षय ने कार्टून 'टॉम एंड जेरी' की हिंसक प्रकृति पर भी रोशनी डाली। उन्होंने हंसते हुए कहा, 'ये कार्टून बहुत हिंसक है। बच्चों को ये फिल्म दिखाना थोड़ा अजीब है क्योंकि इसमें बहुत सारा हिंसक कंटेंट है।' अक्षय कुमार ने अपनी बात को मजाकिया अंदाज में कहा।

अक्षय कुमार का वर्कफ्रंट

फिल्मों की बात करें तो अक्षय कुमार का साल 2025 शानदार रहा है। इस साल उनके तीन बड़े प्रोजेक्ट्स 'स्काई फोर्स,' 'केसरी चैप्टर 2,' और 'हाउसफुल 5' रिलीज हो चुके हैं। इसके बाद उन्हें तेलुगु फिल्म 'कन्नप्पा' में भगवान शिव की भूमिका में देखा जाएगा। इसके अलावा अक्षय जल्द ही 'जॉली एलएलबी 3' में नजर आएंगे, जिसमें उनके साथ अर्शद वारसी भी हैं। साथ ही, प्रियदर्शन की 'हेरा फेरी 3' में अक्षय अपने प्रिय किरदार राजू की भूमिका दोबारा निभाएंगे, जिससे फैंस के बीच उत्साह का माहौल है।

अरमान -अमाल मलिक के रिश्तों में आई दूरी मिटी, अब फिर साथ गूंजे सुर

कुछ महीने पहले तक मलिक परिवार से जुड़ी मतभेद की खबरों ने सबको चौंका दिया था। म्यूजिक डायरेक्टर अमाल मलिक ने सोशल मीडिया पर अपने माता-पिता और भाई अरमान मलिक से दूर होने की बात कही थी। कई लोग यही सोचने लगे कि अब शायद ये साथ नहीं दिखेंगे। लेकिन अब वही दोनों भाई एक साथ लौट आए हैं। हाल ही में अरमान मलिक ने अपने भाई अमाल के साथ मिलकर एक सिंगल 'बारी बारी' रिलीज किया है। गाना गाया है अरमान ने वहीं इसे कंपोज किया है अमाल ने। अमर उजाला डिजिटल से बातचीत के दौरान अरमान ने इस गाने और भाई के साथ अपने रिश्ते को लेकर बात की।

अमाल के सोशल मीडिया पोस्ट के बाद अब जब आप दोनों साथ आए हैं, तो कैसा रहा ये सफर? क्या ये दूरी आपको और करीब ले आई?

हां, ये सफर काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा, लेकिन मैं कह सकता हूं कि हम दोनों अब पहले से भी ज्यादा क्लोज हो गए हैं। उस पूरे फेज के दौरान बहुत सारी बातें हुईं, जो शायद पहले कभी नहीं हुई थीं हमने दिल से एक-दूसरे को समझा, जो भी मिसअंडरस्टैंडिंग्स थीं उन्हें क्लियर किया। हमारी बॉन्डिंग अब और सॉलिड हो गई है। मैं कह सकता हूं कि इससे पहले इतना गहरा रिश्ता नहीं था।

क्या आपको कभी लगा कि म्यूजिक तो बस एक जरिया है, असली रिश्ता उससे कहीं गहरा है?

बिलकुल! म्यूजिक हमें जोड़ता है, लेकिन हमारा रिश्ता उससे कहीं गहरा है। बचपन से एक-दूसरे के सुरों में पले-बढ़े हैं। मम्मी-पापा ने ऐसा माहौल बनाया जहां दिल की बात खुलकर हो सके। अमाल सिर्फ भाई नहीं हैज वो मेरे लिए एक गुरु जैसा है। जब भी मुझे किसी चीज पर राय चाहिए होती है, सबसे पहले उसी के पास जाता हूं। और ये बात मैं सच में बहुत रिस्पेक्ट करता हूं। क्योंकि हर किसी को ऐसा रिश्ता नहीं मिलता।

अमाल के साथ फिर से काम करना... ये सफर कैसा रहा आप दोनों भाइयों के लिए?

ये गाना हमने लगभग एक साल पहले बनाया था, जून के महीने में। इसकी जर्नी काफी उतार-चढ़ाव भरी रही। कई बार लगा कि अब इसे रिलीज करते हैं, फिर कभी नहीं कर पाए। फाइनली हमें एक सही विंडो मिली। मैंने सोचा इसे एक स्पेशल मौके पर निकालना चाहिए। अमाल का बर्थडे 16 जून को होता है और हमने 18 जून को इसे रिलीज किया। बहुत वक्त बाद हमारा कोई सिंगल आ रहा है। मैं बहुत खुश हूं क्योंकि इस गाने का वाइब बहुत अलग है... बहुत फन है, कैजुअल है। हमारे बाकी गाने ज्यादातर रोमांटिक और इमोशनल रहे हैं, लेकिन 'बारी बारी' एकदम मस्तीभरा है।

एक ऐसा लम्हा जो हमेशा याद रहेगा इस गाने से जुड़ा?

शायद पहली बार ऐसा हुआ कि जिस रफ वॉइस टेक को सिर्फ डेमो के लिए गाया था, वही फाइनल में रखा गया। स्पीकर ऑन था, एक ही टेक में गा दियाज और जो फील उस वक्त थी, वो दोबारा नहीं आ सकी। जितनी बार ट्राय किया, वो इमोशन वापस नहीं आया। इसलिए सोचा - यही टेक रख देते हैं।

भाई होने के नाते अमाल का आपकी लाइफ में क्या रोल रहा है?

अमाल मेरे लिए सिर्फ़ एक भाई नहीं, एक गाइड, एक दोस्त, एक सपोर्ट सिस्टम है। हम दोनों का रिश्ता ऐसा है कि अगर वो कुछ शुरू करता है, तो मैं उसे पूरा करता हूं ज्और उल्टा भी। हम एक-दूसरे को कॉम्प्लीमेंट करते हैं। मैं हमेशा कहता हूं - चाहे कुछ भी हो जाए, भाई ही है जो आपको वापस खींच लाता है। आज हम साथ हैं, मजबूत हैं, और आगे भी ऐसे गाने बनाएंगे जो सिर्फ हिट नहीं, दिल से निकले हुए हों।

इंग्लैंड बनाम भारत : डेब्यू मैच में शून्य पर आउट हुए सुदर्शन, लंच तक भारत के 2 विकेट गिरे

लंदन (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला लीड्स के हेडिंग्ले क्रिकेट ग्राउंड में खेला जा रहा है। इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया है। भारत की तरफ से साई सुदर्शन ने डेब्यू किया और तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे। करुण नायर 8 साल बाद टेस्ट क्रिकेट खेलेंगे।

भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए लंच ब्रेक तक 2 विकेट के नुकसान पर 92 रन बनाए। केएल राहुल ब्रायडन कार्से की गेंद पर खराब शॉट के कारण स्लिप में कैच आउट हुए। राहुल ने 78 गेंदों पर 42 रन बनाए जिसमें 8 चौके शामिल थे। स्टोक्स ने डेब्यू कर रहे साई सुदर्शन को खाता नहीं खोलने दिया और जेमी स्मिथ के हाथों शून्य पर आउट करवाया। सुदर्शन ने 4 गेंदें खेली लेकिन एक भी रन नहीं बना पाए।

इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने टॉस जीतकर कहा, 'हम गेंदबाजी करेंगे। हेडिंग्ले एक बहुत ही अच्छा क्रिकेट विकेट है, हमने यहां कुछ बहुत अच्छे खेल खेले हैं। हम शुरुआती परिस्थितियों का उपयोग करने की कोशिश करना चाहते हैं। आने में बहुत समय लग गया, थोड़ा अजीब है कि यह सिर्फ दूसरी सीरीज है लेकिन हम तैयार हैं। यह मिश्रित रहा है, कुछ लड़कों ने काउंटी क्रिकेट खेला है, हमने तीन दिन वास्तव में अच्छा क्रिकेट खेला है। शीर्ष सात में सामान्य संदिग्ध, वोक्स, ब्रायडन और बाकी।

भारत के नए टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने कहा, हम भी गेंदबाजी करते, पहले सत्र में थोड़ी मुश्किल हो सकती है लेकिन बाद में बल्लेबाजी करना अच्छा रहेगा। सूरज निकल चुका है, हमारे लिए यह एक अच्छी बल्लेबाजी डेक होनी चाहिए। तैयारी कमाल की रही है, हमने बेकेनहैम में अभ्यास मैच खेला, खिलाड़ी बहुत अच्छा महसूस कर रहे हैं। साई ने अपना डेब्यू किया, करुण आए। साई तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे।

अहमदाबाद विमान दुर्घटना में मारे गए लोगों की याद में भारत और इंग्लैंड ने बांधी काली पट्टियां, रखा मौन

लीड्स (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के खिलाड़ियों ने पहले टेस्ट मैच में काली पट्टी बांधी। यह उन लोगों के लिए बांधी गई थी जो पिछले सप्ताह अहमदाबाद में विमान दुर्घटना में मारे गए थे। मैच से पहले मारे गए लोगों की स्मृति में एक मिनट का मौन रखा।

इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने हमारी संवेदनाएं पिछले सप्ताह अहमदाबाद में हुई भयानक घटना से प्रभावित सभी लोगों के साथ हैं। 12 जून को अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ ही क्षणों बाद लंदन के गैटविक हवाई अड्डे के लिए रवाना हुए एयर इंडिया के विमान के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से 240 से अधिक लोगों की मृत्यु हो गई, जिनमें से अधिकांश भारतीय और ब्रिटिश नागरिक थे।

बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर विमान हवाई अड्डे के ठीक बाहर स्थित बीजे मेडिकल कॉलेज के छात्रावास में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें केवल एक ही व्यक्ति जीवित बचा। भारत के उप-कप्तान ऋषभ पंत ने प्री-सीरीज प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि अहमदाबाद विमान दुर्घटना के कारण माहौल उदास हो जाने के बाद खिलाड़ी देश को फिर से खुश करने का कोई रास्ता खोज लेंगे।

पंत ने कहा, 'विमान (दुर्घटना) में जो कुछ हुआ, मुझे लगता है कि पूरा भारत निराश था, लेकिन साथ ही हमारी तरफ से एकमात्र बात...हम उनके साथ खड़े रहेंगे कि हम भारत को फिर से कैसे खुश कर सकते हैं। जाहिर है कि दुर्घटना में जो कुछ हुआ, उसके कारण भावनाएं बहुत अधिक होंगी, लेकिन साथ ही हम देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने जा रहे हैं, कि हम उन्हें कैसे खुश कर सकते हैं और यह हमेशा एक अतिरिक्त जिम्मेदारी है।'

उन्होंने उस समय कहा था, 'आप भारत को हर समय खुश रखना चाहते हैं लेकिन एक क्रिकेटर के तौर पर यह हर समय संभव नहीं है लेकिन मैं अपनी तरफ से यह वादा कर सकता हूं कि हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे और हम अपना 200 प्रतिशत देंगे और इस प्रक्रिया में हम भारत को और अधिक खुशहाल जगह बनाएंगे।'

टेस्ट सीरीज जीतना आईपीएल से अधिक महत्वपूर्व : शुभमन

लीड्स (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के नये कप्तान शुभमन गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच से पहले कहा कि टेस्ट सीरीज जीतना आईपीएल खिताब जीतने से कहीं बड़ी उपलब्धि है। इसलिए उनके टीम का लक्ष्य अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल करना है। उन्होंने कहा, 'टेस्ट सीरीज में जीत के लिए अधिक अवसर नहीं मिलते हैं क्योंकि अधिक दौरे नहीं होते हैं। वहीं आईपीएल हर साल होता है और जीत हासिल करने का अवसर रहता है , इसलिए टेस्ट सीरीज सबसे महित्वपूर्व है और वह भी इइंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका में हो तो उससे बड़ा कुछ नहीं हो सकता। उन्हें इंग्लैंड में लाल गेंद से खेलने का अनुभवी अधिक नहीं है पर वह चिन्तित नहीं हैं। उन्होंने कहा, 'कई लोग कहते हैं कि आपकी टीम के पास उतना अनुभव नहीं है पर अच्छी बात यह है कि हम पर अपेक्षाओं का उतना बोझ नहीं होगा क्योंकि अधिकांश खिलाड़ी इंग्लैंड में खेले नहीं है। इससे वह निडर होकर खेलेंगे । गिल ने कहा, 'पिछले पांच से दस साल में हमारे सीनियर्स से हमें जो हासिल हुआ है वह यही है कि हम कहीं भी जीत सकते हैं। हम उसी आत्मविश्वास के साथ खेलने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि उनका और मुख्य कोच गौतम गंभीर का मानना है कि कोहली के संन्यास के बाद उन्हें ही चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करनी चाहिए। कप्तान ने कहा है कि वह सुरक्षा का माहौल बनाना चाहते हैं जिससे खिलाड़ी बिना किसी दबाव के अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकें। उन्होंने कहा, 'अगर हम ऐसा करने में सफल रहे तो टेस्ट सीरीजऔर डब्ल्यूटीसी चक्र में हम सफल रहेंगे। उन्होंने का कि खिलाड़ियों से सीधे संवाद की जरूरत है कि जिससे पता चले कि क्या चाहते हैं । उन्हें अपना स्वाभाविक खेल दिखाने की आजादी मिलनी चाहिए। गिल ने यह भी कहा कि आईपीएल के दौरान उन्होंने इंग्लैंड दौरे की तैयारी के लिए विराट और रोहित से सलाह ली थी। उन्होंने कहा, 'मैं आईपीएल के दौरान दोनों से मिला और उन्होंने इंग्लैंड के अपने अनुभवों के बारे में बताया था।

हॉकी खिलाड़ियों को पहली बार टॉप्स के तहत 25000 रू. प्रतिमाह अतिरिक्त भत्ता मिलेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय हॉकी को आगामी महत्वपूर्ण टूर्नामेंटों से पहले प्रोत्साहन देने की कवायद में खेल मंत्रालय ने पहली बार हॉकी खिलाड़ियों को भी 25000 रूपये प्रतिमाह अतिरिक्त भत्ता (आउट आफ पॉकेट अलाउंस) देने को मंजूरी दी है। मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) की बृहस्पतिवार को हुई 156वीं बैठक में 'टारगेट ओलंपिक पोडियम' (टॉप्स) योजना के तहत 80 हॉकी खिलाड़ियों को यह भत्ता देने का फैसला लिया गया। खेलमंत्री मनसुख मांडविया ने शुक्रवार को यहां मीडिया से अनौपचारिक बातचीत में कहा ,''हॉकी इंडिया की ओर से बार बार यह अनुरोध आ रहा था जिसे मंजूरी दे दी गई है। इसके तहत 80 हॉकी खिलाड़ियों (40 पुरूष और 40 महिला) को प्रतिमाह 25000 रूपये 'आउट आफ पॉकेट' भत्ता (ओपीए) दिया जायेगा जो टॉप्स योजना के तहत खिलाड़ियों को मिलता है।'' उन्होंने कहा ,' हमारा लक्ष्य यही है कि खिलाड़ी प्रदर्शन पर फोकस करे और देश के लिये पदक जीतें।'' टॉप्स के तहत कोर समूह के खिलाड़ियों को 50000 रूपये और डेवलपमेंटल खिलाड़ियों को 25000 रूपये प्रतिमाह ओपीए दिया जाता है। वहीं टारगेट एशियन गेम्स ग्रुप (टीएजीजी) में शामिल खिलाड़ियों को 50000 रूपये प्रतिमाह ओपीए मिलता है। इसके लिये हॉकी इंडिया हर महीने भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) को 80 खिलाड़ियों की सूची सौपेगा जिसके मायने है कि इसमें बदलाव की भी गुंजाइश होगी। इसमें मूल रूप से सीनियर कोर ग्रुप में शामिल खिलाड़ी और जूनियर खिलाड़ी भी होंगे जो नियमित रूप से राष्ट्रीय टीमों का हिस्सा हैं। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने इस फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि इससे खिलाड़ियों का आगामी महत्वपूर्ण टूर्नामेंटों से पहले मनोबल और बढेगा। टिर्की ने से कहा ,'' हम मंत्रालय को धन्यवाद देना चाहते हैं जिसने यह अहम फैसला लिया। हमारे खिलाड़ियों को विश्व कप, ओलंपिक और एशियाई खेल जैसे अहम टूर्नामेंट खेलने हैं और उनका मनोबल इस पहल से काफी बढेगा।'' पिछले कुछ वर्षों में भारतीय हॉकी का ग्राफ ऊपर की ओर बढा है। तोक्यो ओलंपिक 2020 में भारत ने 41 साल बाद कांस्य पदक जीता जबकि महिला टीम ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए चौथे स्थान पर रही थी। भारतीय पुरूष हॉकी टीम ने पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक बरकरार रखा। वहीं ग्वांग्झू एशियाई खेलों में भारतीय पुरूष हॉकी टीम ने स्वर्ण पदक जीता था। हॉकी खिलाड़ियों को अपने नियोक्ताओं से वेतन मिलता है जबकि क्रिकेट की तर्ज पर ग्रेड के आधार पर अनुबंध व्यवस्था शुरू करने पर हॉकी इंडिया पिछले कुछ साल से विचार कर रहा है। इसके अलावा ओलंपिक और एशियाई खेलों समेत अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में अच्छा प्रदर्शन करने पर पुरस्कार राशि मिलती है।

बुमराह को नया रिकार्ड बनाने चाहिये दो विकेट

लंदन । इंग्लैंड के साथ 5 मैच की टेस्ट सीरीज के पहले ही टेस्ट में भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की एक नया विश्व रिकार्ड बनाएंगे । बुमराह इसी के साथ ही में सेना देशों दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले एशियाई गेंदबाज बन जाएंगे । अभी वह दूसरे नंबर पर हैं । वहीं इस सूची में पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वसीम अकरम नंबर एक पर हैं । अकरम ने अपने टेस्ट करियर में सेना देशों में खेले 32 मैचों की 55 पारियों में 24.11 की औसत के साथ 146 विकेट लिए थे । वहीं जसप्रीत बुमराह 145 विकेट के साथ दूसरे नंबर पर हैं । बुमराह ने इन देशों में अभी तक 31 मैच खेलकर 21.02 की औसत से ये विकेट लिए हैं । अगर वह पहले टेस्ट में ही 2 विकेट निकालने में कामयाब रहते हैं तो वह सेना देशों में सबसे ज्यादा विकेट चटकाने वाले गेंदबाज बन जाएंगे । सेना देशों में अकरम ने 146 विकेट लिए थे । वहीं बुमराह के नाम 145 विकेट हैं जबकि तीसरे स्थान पर रहे अनिल कुंबले के नाम 141 व चौथे स्थान पर रहे इशांत शर्मा के नाम 130 विकेट हैं जबकि मो शमी के नाम 123 विकेट हैं ।

इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में अच्छा प्रदर्शन करेंगे यशस्वी : रहाणे

मुंबई । अनुभवी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे ने कहा है कि यशस्वी जायसवाल जानते हैं कि सलामी बल्लेबाज की भूमिका किस प्रकार निभाई जाती है । ऐसे में वह इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में अच्छा प्रदर्शन करेंगे । रहाणे ने कहा कि डेब्यू के बाद से ही इस युवा बल्लेबाज ने अपने को साबित किया है । रहाणे ने कहा, 'व्यक्तिगत रूप से मैं यशस्वी को अच्छा प्रदर्शन करते हुए देखने के लिए उत्सुक हूं क्योंकि इंग्लैंड में पारी की शुरुआत करना कठिन होता है । उन्होंने कहा, 'उसके पास अच्छा कौशल है । वह एक छोर पर विकेट बचाकर रख सकता है और जरूरत पड़ने पर आक्रामक बल्लेबाजी भी कर सकता है । इसलिए मैं इंग्लैंड में उसके प्रदर्शन को देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं । रहाणे ने भारत की तरफ से अपना आखिरी मैच दो साल पहले वेस्टइंडीज के खिलाफ खेला था, जबकि यशस्वी जुलाई 2023 में वेस्टइंडीज में टेस्ट क्रिकेट में शानदार पदार्पण करने के बाद से टीम के पहली पसंद के सलामी बल्लेबाज रहे हैं ।

गिलक्रिस्ट बोले, यशस्वी है भविष्य का सितारा

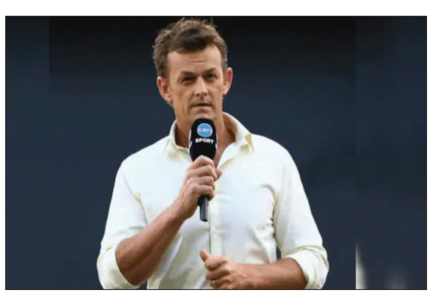

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज विकेटकीपर रहे एडम गिलक्रिस्ट ने भारतीय टीम के युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की जमकर प्रशंसा करते हुए हुए भविष्य का सितारा बताया है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ टेस्ट में यशस्वी के शतक और मिचेल स्टार्क के साथ उनकी झड़प को लेकर गिलक्रिस्ट ने कहा कि इस प्रकार की बातें होती रहती हैं। वह घटना बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पहले टेस्ट की थी थी। जिसमें यशस्वी ने स्टार्क की गेंद पर चौका लगाकर उनपर टिप्पणी कर दी थी, तुम बहुत धीमी गेंद फेंक रहे। उस टेस्ट में दोनों के बीच हल्की-फुल्की बहस हुई थी। यशस्वी ने उस पारी में शतक लगाया था। वहीं अगले ही टेस्ट में स्टार्क ने जायसवाल को शून्य पर ही पेवेलियन भेजे दिया था। गिलक्रिस्ट ने पर्थ टेस्ट और यशस्वी को लेकर कहा कहा, यह उसका (जायसवाल) दिन था। यशस्वी ने ऑस्ट्रेलिया की तेज और उछाल भरी पिचों पर शानदार प्रदर्शन किया था। वह भारत की ओर से सीरीज में सबसे अधिक रन बनान वाले खिलाड़ी रहे थे। उन्होंने 5 टेस्ट मैच की सीरीज में 391 रन बनाए थे। इस दौरान उन्होंने पर्थ में 161 रन की शानदार शतकीय पारी खेली थी। सीरीज में 2 अर्धशतक भी उनके नाम थे। यशस्वी पिछले 4 सीरीज में 3 बार भारत के लिए शीर्ष स्कोरर रहे हैं।

सात गोल्ड का मौका छूटा, पांच फाइनल में हारे भारतीय तीरंदाज, 9 पदकों के साथ करना पड़ा संतोष

सिंगापुर (एजेंसी)। भारत के जूनियर तीरंदाजों के पास एशिया कप के दूसरे चरण में सात स्वर्ण पदक जीतने का मौका था लेकिन पांच फाइनल में हारने के कारण उन्हें अधिकतर स्पर्धा में रजत पदक से संतोष करना पड़ा। इस तरह से भारत ने प्रतियोगिता में दो स्वर्ण, छह रजत और एक कांस्य सहित कुल नौ पदक जीतकर अपने अभियान का अंत किया। रिकर्व और कम्पाउंड स्पर्धाओं के 10 में से सात फाइनल में पहुंचने के बावजूद भारतीय तीरंदाज केवल दो बार पोडियम पर शीर्ष पर रहे।

भारतीय खिलाड़ी जिस तरह से अपने से कम रैंकिंग वाले खिलाड़ियों से हारे वह वास्तव में चिंताजनक है। हमेशा की तरह ओलंपिक स्पर्धा के रिकर्व वर्ग में नतीजे विशेष रूप से चिंताजनक रहे जिसमें भारत एक भी स्वर्ण जीतने में असफल रहा। असल में टीम स्पर्धाओं में दो रजत पदकों के अलावा रिकर्व तीरंदाज खाली हाथ लौटे। क्वालिफिकेशन राउंड के बाद शीर्ष वरीयता प्राप्त पुरुष टीम फाइनल में जापान के खिलाफ आसानी से हार गई। विष्णु चौधरी, पारस हुड्डा और जुयेल सरकार तीन में से दो सेटों में 50 का आंकड़ा छूने में असफल रहे और सीधे सेटों में 6-0 से हार गए।

रिकर्व मिश्रित टीम फाइनल में भी यही कहानी रही। चौधरी और वैष्णवी पवार की चौथी वरीयता प्राप्त टीम इंडोनेशिया के खिलाफ पूरे मुकाबले में गलतियां करती रही। यदि रिकर्व वर्ग के परिणाम निराशाजनक थे, तो कम्पाउंड वर्ग ने कुछ राहत प्रदान की। भारत ने अपने दोनों स्वर्ण पदक इस वर्ग में जीते। शीर्ष वरीयता प्राप्त कुशल दलाल ने पुरुष व्यक्तिगत फाइनल में 22वीं वरीयता प्राप्त ऑस्ट्रेलिया के जोशुआ मैनन को 149-143 से हराकर अपनी प्रतिष्ठा को सही साबित किया। भारत को इस स्पर्धा में कांस्य पदक भी मिला, जिसमें 10वें वरीय सचिन चेची ने चौथे वरीय हिमू बछाड़ को कड़े मुकाबले में 148-146 से हराया।

महिलाओं की स्पर्धा में स्वर्ण पदक सुनिश्चित था क्योंकि इसके फाइनल में मुकाबला जो भारतीय खिलाड़ियों के बीच था जिसमें दूसरी वरीयता प्राप्त तेजल साल्वे ने पहली वरीय शानमुखी नागा साई बुड्डे को 146-144 से हराया। शीर्ष वरीयता प्राप्त पुरुष कम्पाउंड टीम को तीसरी वरीयता प्राप्त कजाकिस्तान ने 231-235 से हरा दिया। महिलाओं की कम्पाउंड टीम 232-232 से बराबरी पर रहने के बाद निचली रैंकिंग वाली मलेशिया से शूट-ऑफ में हार गई। शानमुखी और दलाल की मिश्रित कंपाउंड टीम को कजाकिस्तान से शूट-ऑफ में हार का सामना करना पड़ा।

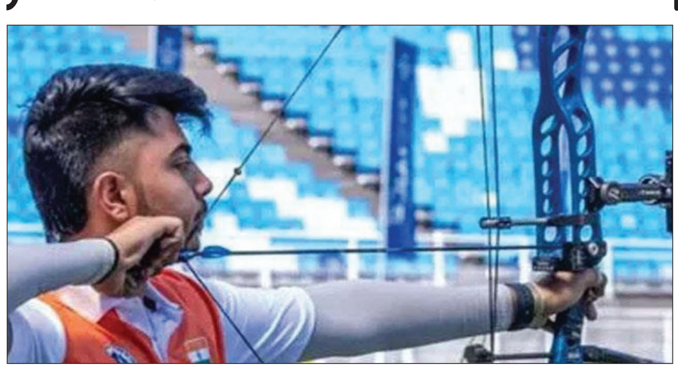

मेस्सी का फ्री किक पर गोल, इंटर मियामी ने दो बार के यूरोपीय चैंपियन को हराया

अटलांटा (अमेरिका) । स्टार स्ट्राइकर लियोनेल मेस्सी ने अपनी ख्याति के अनुरूप प्रदर्शन करते हुए क्लब विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट में अपना पहला गोल फ्री किक पर किया जिससे इंटर मियामी ने दो बार के यूरोपीय चैंपियन पोर्टो पर 2-1 से जीत हासिल की । इंटर मियामी की टीम मध्यांतर तक 1-0 से पीछे थी, लेकिन टेलास्को सेगोविया ने दूसरे हाफ के दो मिनट बाद मार्सेलो वीगन्डट के क्रॉस पर गोल करके स्कोर बराबर कर दिया । इसके बाद अर्जेंटीना के 37 वर्ष के खिलाड़ी मेस्सी का जादू देखने को मिला । उन्होंने फ्री किक पर खूबसूरत गोल करके फिर से यह साबित कर दिया कि उन्हें दुनिया के सबसे महानतम खिलाड़ियों में क्यों गिना जाता है । इससे पहले पुर्तगाल के क्लब को वीडियो समीक्षा प्रणाली के जरिए शुरू से ही पेनल्टी किक मिली जिसे सामू ओमोरोदियन ने गोल में बदला । इन दोनों टीमों ने ग्रुप ए का अपना पहला मैच गोलरहित बराबर खेला था ।

हेडन और स्मिथ बोले, भारतीय टीम के लिए संघर्षपूर्ण रहेगी सीरीज

लीड्स । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर मैथ्यू हेडन और दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान ग्रीम स्मिथ का मानना है कि अनुभवी बल्लेबाजों विराट कोहली और रोहित शर्मा की कमी भारतीय टीम को खलेगी । इन दोनो का ही मानना है कि नये बल्लेबाजों के लिए इंग्लैंड में तेज गेंदबाजों का सामना करना आसान नहीं रहेगा । हेडन ने कहा, 'मुझे लगता है कि भारतीय टीम को संघर्ष करना पड़ेगा । शुभमन एक युवा कप्तान हैं जिनकी टीम पूरी तरह से विपरीत माहौल में तेज गेंदबाजों के लिए अनुकूल और उछाल वाली पिचों पर खेल रही है । यह एक असल चुनौती होगी । भारतीय टीम के लिए यह दौरा एक प्रकार से बेहद कठिन परीक्षा होगा । वह इसलिए क्योंकि जब भी कोई टीम इंग्लैंड के दौरे पर आती है तो उसके लिए हालात अलग होते हैं ।

दिव्या देखमुख का बड़ा खुलासा, बताया वर्ल्ड नंबर वन को हराने के लिए बनाई थी खास रणनीति

मुम्बई । भारतीय ग्रैंडमास्टर दिव्या देशमुख ने कहा है कि उन्हें फिडे वर्ल्ड ब्लिट्ज टीम शतरंज चैंपियनशिप में दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी होउ यिफान को हराने के लिए पूरी ताकत लगानी पड़ी और उनकी इस उपलब्धि की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी फैंस की । दिव्या देशमुख ने 10 से 16 जून को लंदन में आयोजित फिडे वर्ल्ड ब्लिट्ज टीम चैंपियनशिप के सेमीफाइनल के दूसरे चरण में चीन की यिफान को हराया । दिव्या ने कहा कि, मुझे पता था कि मुझे पूरी ताकत लगानी होगी । अगर वर्ल्ड चैंपियनशिप के खिलाफ खेलने का विचार मेरे दिमाग में आता तो मैं भयभीत हो जाती । इसलिए मुझे इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि मैं किसके खिलाफ खेल रही हूं । मैंने अपने खेल पर ध्यान केंद्रित किया और मुझे केवल इतना पता था कि मुझे बाजी जीतनी है । नागपुर की 19वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि पीएम मोदी के शब्द बहुत उत्साह बढ़ाने वाले और प्रेरित करने वाले थे और वह अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए तत्पर रहेगी । पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा कि, लंदन में वर्ल्ड टीम ब्लिट्ज चैंपियनशिप के ब्लिट्ज सेमीफाइनल के दूसरे चरण में दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी होउ यिफान को हराने पर दिव्या देशमुख को बधाई । उनकी सफलता उनके सयंम और दृढ़ संकल्प को दर्शाती है । ये कई उभरते शतरंज खिलाड़ियों को भी प्रेरित करती है । उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शभकामनाएं ।

8 साल बाद टेस्ट में वापसी कर रहे करुण नायर ने खोला राज, बताया किस चीज ने रखा प्रेरित

लीड्स (एजेंसी)। भारतीय टीम में वापसी करने वाले करुण नायर शुक्रवार को इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज की शुरुआत के साथ मैदान पर उतरकर अच्छा प्रदर्शन करने के लिए बेताब हैं। भारतीय टेस्ट टीम में आठ साल के लम्बे अंतराल के बाद वापसी करते हुए नायर ने खुलासा किया कि देश के लिए फिर से खेलने के उनके दृढ़ निश्चय ने उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

बीसीसीआई द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में नायर ने कहा, 'जब मैं उठा तो मेरा पहला विचार यह था कि मैं टेस्ट क्रिकेट खेलना चाहता हूं, मैं फिर से भारत के लिए खेलना चाहता हूं। शायद यही बात मुझे आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती रही और मेरी भूख बनी रही, हर दिन प्रशिक्षण के लिए जाने और हर दिन अभ्यास करने की प्रेरणा शक्ति। उस विश्वास को कभी नहीं खोना और उस लक्ष्य तक पहुंचने के लिए तत्पर रहना कुछ ऐसा था जिसने मेरी मदद की। इस जर्सी को पहनकर और अपने देश का प्रतिनिधित्व करके सम्मानित महसूस कर रहा हूं। उस विश्वास को कभी न खोना और उस लक्ष्य तक पहुंचने के लिए दृढ़ संकल्प होना कुछ ऐसा था जिसने मेरी मदद की। इस जर्सी को पहनकर और अपने देश का प्रतिनिधित्व करके गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं।'

उन्होंने कहा, 'जब मैंने पहली बार सभी को देखा, तब मुझे वास्तव में लगा कि मैं आखिरकार टीम में हूं। तब तक यह मेरे लिए प्रतीक्षा करने जैसा था कि मैं फिर से ऐसा महसूस करूं कि मैंने इसे हासिल कर लिया है। कुछ साल हो गए हैं, मैं हमेशा सभी को टीवी पर देखता था, अब फिर से इस ड्रेसिंग रूम में वापस आना अद्भुत लगता है। आप जानते हैं, उस पहले सत्र को हासिल करना राहत की बात थी, वह अवसर पाकर आभारी हूं।'

33 वर्षीय खिलाड़ी पहले से ही लय में है और इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दो अनौपचारिक टेस्ट के दौरान भारत ए की ओर से बेहतरीन बल्लेबाजी की थी। उन्होंने कैंटरबरी में पहले मैच में दोहरा शतक लगाया। नायर ने कहा, 'जीवन एक पूर्ण चक्र में आ गया है। मैं इंग्लैंड में टीम से बाहर हो गया था और अब मैं इंग्लैंड में टीम में वापस आ रहा हूं, इसलिए काफी समय हो गया है और मैं इसे अपनाने की कोशिश कर रहा हूं।'

नायर ने केएल राहुल और प्रसिद्ध कृष्णा के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करने को लेकर भी अपनी खुशी व्यक्त की, उन्होंने कहा कि तीनों बचपन से एक साथ खेल रहे हैं। उन्होंने कहा, 'मैं इसे बहुत सरल रखने की कोशिश करता हूं, हमेशा सकारात्मक के बारे में सोचता हूं, कुछ लक्ष्य दिमाग में रखता हूं, चीजों की कल्पना करता हूं और जो आप कल्पना करते हैं उस पर वास्तविक विश्वास रखता हूं। राहुल और प्रसिद्ध के साथ खेलना भी बहुत सुकून देने वाला कारक है। हमने इतने सालों से क्रिकेट खेला है जब शायद हम छोटे बच्चे थे और साथ-साथ बड़े हुए थे।'

नायर ने शानदार घरेलू सीजन के दम पर वापसी की है, उन्होंने रणजी ट्रॉफी जीतने वाले अभियान में विदर्भ के लिए 53.93 की औसत से 863 रन बनाए हैं। इससे पहले उन्होंने विजय हजारे ट्रॉफी में सिर्फ 8 पारियों में पांच शतक लगाए जिसमें उनका औसत 389.50 था।